Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Sunday, 14 January 2024 ● Year : 01 ● Issue : 354 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

दुनिया बड़ी भुलक्कड़ है, केवल उतना ही याद रखती है जितने से उसका स्वार्थ सधता है, बाकी को फेंक कर आगे बढ़ जाती है।

हजारीप्रसाद द्विवेदी

सनी लियोनी ने लॉन्च किया अपना एआई...

SHARE

सेंसेक्स	:	72,568.45
निफ्टी	:	21,894.55

SARAFA

सोना	:	5,960
चांदी	:	78.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

बारामूला नियंत्रण रेखा के पास एक जवान शहीद

BARAMULA : सेना ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम क्षेत्र में एक ऑपरेशनल कार्य करते समय 24 वर्षीय एक सैनिक बलिदान हो गया। सेना के सभी रैंकों के अधिकारियों ने बलिदानी गनर गुरप्रीत सिंह को शनिवार को श्रद्धांजलि दी। सेना की चिनार कोर ने शनिवार को कहा कि बारामूला सेक्टर में आगे के क्षेत्र में परिचालन कार्य करते समय गनर गुरप्रीत सिंह बलिदान हो गया। सेना ने कहा कि दुख की इस घड़ी में भारतीय सेना शोक संतप्त परिवार के साथ एकजुटता से खड़ी है और उनके परिवार की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है।

'नमो नवमतदाता' अभियान की शुरूआत

NEW DELHI : भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय में शनिवार को 'नमो नवमतदाता' अभियान की शुरूआत की गई। नमो नव मतदाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कहा कि 25 जनवरी तक नमो नवमतदाता अभियान के तहत एक करोड़ से अधिक नए मतदाताओं को जोड़ा जाएगा। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर 25 जनवरी को प्रधानमंत्री इन सभी नए मतदाताओं को संबोधित करेंगे। इसके लिए देश भर में 5000 से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। नड्डा ने कहा कि 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जन्म जयंती के मौके पर अन्तरराष्ट्रीय युवा दिवस मनाया है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था-उठो जागो और रुको मत, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। ये वाक्य अनंतकाल तक प्रासंगिक रहेगा।

देश में बनाए गए 30 करोड़ आयुष्मान कार्ड

NEW DELHI : देश में अबतक 30 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए देश हो रहा आयुष्मान, 30 करोड़ से अधिक लोगों को मिली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुफ्त इलाज की गारंटी। उल्लेखनीय है प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भीमराव अंबेडकर जयंती (14 अप्रैल, 2018) के मौके पर लांच किया था। इस योजना को पीएमजेएवाई के नाम से भी जाना जाता है। पीएम जन आरोग्य योजना को आयुष्मान भारत योजना के तहत शुरू किया गया है। पीएमजेएवाई का लाभ पूरे परिवार को मिलता है। आवश्यकता पड़ने पर परिवार का कोई भी सदस्य इस योजना के तहत 5 लाख रुपये तक अपना मुफ्त इलाज करा सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत आपको जन आरोग्य कार्ड बनवाना होगा, उसके बाद आप उस कार्ड के द्वारा चयनित अस्पतालों में 5 लाख रुपये तक का इलाज करा सकेंगे।

रोमांचक मुकाबले में पहले दिन अमेरिका ने भारत को 1-0 से हराया

एफआईएच महिला हॉकी ओलंपिक क्वालिफायर : मेजबान टीम की लड़कियों ने मौके तो कई बनाए, लेकिन गोल में बदल नहीं पाईं

PHOTON NEWS RANCHI : एफआईएच महिला हॉकी ओलंपिक क्वालिफायर मुकाबले में शनिवार को भारत की शुरूआत अच्छी नहीं रही। अपने पहले मुकाबले में भारत को यूएसए के हाथों 1-0 गोल से मात मिली। मोरहाबादी के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन जीत अंततः अमेरिकी लड़कियों ने अपनी झोली में डाल ली।

पेज 3 भी देखें।

यूएसए पर हावी रहीं भारत की बेटियां

मुकाबले के पहले क्वार्टर में यूएसए की टीम पर भारत की बेटियां हावी रहीं। यूएसए ने एक के बाद एक कई प्रहार किए। लेकिन भारतीय कप्तान सविता पुनिया ने सभी प्रहारों को विफल किया। मुकाबले के दूसरे क्वार्टर में यूएसए की टीम ने भारत के डिफेंस को भेदने में सफलता पाई। 16 वें मिनट में अबिगेल तमेर ने फील्ड गोल कर यूएसए को 1-0 की लीड दिलाई। भारत ने जवाब में कई प्रहार किए। लेकिन उन्हें गोल में बदल नहीं पाए। मुकाबले के अंतिम मिनट तक दोनों टीमों ने लगातार प्रयास किए, लेकिन गोल करने में असफल रहें। प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब यूएसए की कप्तान गोलकीपर अमांडा गोलिनी को मिला । भारत और यूएसए के मुकाबले से पहले झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन शामिल हुए। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस मौके पर हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह मौजूद थे। एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर के पहले दिन मैदान के अंदर दर्शक तो दिखे, लेकिन कुछ सीटें खाली भी दिखीं। भारत के मुकाबले तक स्टेडियम में 90 फीसदी सीट भरी रही। भारत के मुकाबले से पहले शानदार आतिशबाजी ने सभी को कैमरा निकालने पर मजबूर कर दिया।

अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता के आयोजन में झारखण्ड नित नए कीर्तिमान बना रहा है। कुछ महीनों पहले ही झारखण्ड में महिला एशिया हॉकी कप का ऐतिहासिक आयोजन हुआ, जिसे भारतीय टीम ने जीता। देश-विदेश के हजारों-लाखों दर्शक और खेल प्रेमी उस आयोजन के साक्षी बने। फिर से रांची में हॉकी का महासंग्राम शुरू हुआ है। एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर्स 2024 में भारत समेत विश्व की 8 टीमें भाग ले रही हैं। आज पहले दिन जर्मनी, जापान, न्यूजीलैंड और यूएसए की टीमों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन कर अपने-अपने मैच जीते। आप सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।

हेमंत सोरेन, सीएम।

सीएम हेमंत सोरेन को ईडी ने भेजा 8वां समन, दी पांच दिन की मोहलत

16 से 20 जनवरी के बीच जवाब के साथ रांची ऑफिस में बुलाया

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी ने आठवां समन जारी कर दिया है। शनिवार को जारी समन में हेमंत सोरेन से कहा गया है कि वह 16 से 20 जनवरी के बीच अपने जवाब के साथ ईडी के रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिर हों। झारखंड के सीएम ईडी के सात समन को नजरअंदाज कर चुके हैं। हर बार हेमंत सोरेन ने ईडी के समन को अनुचित करार दिया है। जमीन घोटाला मामले में हेमंत सोरेन को अगस्त 2023 से ईडी की ओर से समन भेजा जा रहा है। सातवें समन में ईडी ने हेमंत सोरेन से कहा था कि पूछताछ के लिए जगह, वक्त और तारीख बताने के लिए कहा था। दिसंबर के अंतिम सप्ताह में भेजे गए इस समन में झारखंड के सीएम को तीन दिन में जवाब देने के लिए कहा गया था। लेकिन, हेमंत सोरेन ने समय सीमा खत्म होने के बाद अपना जवाब ईडी को भेजा था।

- जमीन घोटाला मामले में भेजा रहा है मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को समन
- 7 वें समन में ईडी ने पूछताछ के लिए जगह, वक्त व तारीख बताने के लिए कहा था
- हेमंत सोरेन ने समय सीमा खत्म होने के बाद अपना जवाब ईडी को भेजा था

गठबंधन विधायकों की बैठक में हेमंत ने सभी अटकलों को किया था खारिज

पिछली बार सीएम हेमंत सोरेन ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन के चलते पैदा हुई राजनीतिक परिस्थिति पर चर्चा के लिए गठबंधन के विधायकों की बैठक भी बुला ली थी। इसमें उन्होंने तात्कालीन परिदृश्य पर विधायकों से फीड-बैक लिया था। इस बैठक में विधायकों ने हेमंत सोरेन के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए कहा था कि विधानसभा में सभी सहयोगी सोरेन के साथ मजबूती से खड़े हैं। मौजूदा सरकार को कोई खतरा नहीं होने दिया जाएगा। सोरेन मुख्यमंत्री बने रहेंगे और उनके नेतृत्व में ही लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ा जाएगा। ऐसी भी अटकलें थी कि गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए हेमंत सोरेन पत्नी को पद सौंपने की तैयारी में हैं लेकिन उन्होंने तमाम अटकलों को खारिज कर दिया था।

सीएम को अब तक कितने समन, और कब-कब

पहला समन :	8 अगस्त को भेजा गया था, 14 अगस्त को हाजिर होने का था निर्देश
दूसरा समन :	19 अगस्त को भेजा गया था, 24 अगस्त को हाजिर होने का था निर्देश
तीसरा समन :	1 सितंबर को भेजा गया था, 9 सितंबर को हाजिर होने का था निर्देश
चौथा समन :	17 सितंबर को भेजा गया था, 23 सितंबर को हाजिर होने का था निर्देश
पांचवा समन :	26 सितंबर को भेजा गया था, 4 अक्टूबर को हाजिर होने का था निर्देश
छठा समन :	11 दिसंबर को भेजा गया था, 12 दिसंबर को हाजिर होने का था निर्देश
सातवां समन :	29 दिसंबर को भेजा गया था, दो दिन में हाजिर होने का था निर्देश
आठवां समन :	13 जनवरी को भेजा, 16 से 20 जनवरी के बीच जवाब के साथ रांची स्थित कार्यालय में बुलाया

इधर, दिल्ली के सीएम को चौथा समन 18 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया

NEW DELHI : दिल्ली शराब घोटाले में ईडी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को फिर से समन भेजा है। जांच एजेंसी ने उन्हें 18 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया है। सीएम केजरीवाल को ईडी का यह चौथा समन भेजा है। इससे पहले उन्हें 3 जनवरी और पिछले साल 2 नवंबर और 21 दिसंबर को पूछताछ के लिए बुलाया था। तीनों बार केजरीवाल जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए थे।

सीएम केजरीवाल की ओर से 3 जनवरी को ईडी से कहा गया था कि वे राज्यसभा चुनाव और गणतंत्र दिवस की तैयारियों में व्यस्त हैं। उनसे जो भी पूछना हो लिखित में भेज दें। इसके पहले 2 नवंबर को केजरीवाल ने ईडी के समन को गैरकानूनी और राजनीति से प्रेरित बताया था।

रेलवे दुर्घटना में दावेदार घटना की तारीख से भुगतान तक ब्याज सहित मुआवजा का हकदार

SPECIAL REPORTER RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट ने ट्रेन से गिरकर मरने वाले हर व्यक्ति के परिजनों द्वारा मुआवजा में वृद्धि को लेकर दायर अपील को स्वीकार करते हुए कहा कि रेलवे दुर्घटना से जुड़े मुआवजा मामलों में दावेदार घटना की तारीख से ही रेलवे प्रशासन से भुगतान तक ब्याज के साथ मुआवजा प्राप्त करने का हकदार होगा। साथ ही कोर्ट ने दुर्घटना की तारीख से भुगतान की तारीख तक साधारण ब्याज 6% से बढ़ाकर 9% प्रति वर्ष कर दिया। दरअसल प्रतिमा देवी ने रेलवे दावा न्यायाधिकरण अधिनियम, 1987 (आरसीटी अधिनियम) की धारा 23 के तहत हाईकोर्ट में अपील दायर की थी।

रेलवे ने दी दलील अपीलकर्ता ब्याज का हकदार नहीं

रेलवे की ओर से अदालत में यह तर्क दिया गया कि घटना 25/26 फरवरी 2018 को हुई थी। लेकिन ट्रिब्यूनल में केस 2 अगस्त 2019 को दायर किया गया था। इसलिए अपीलकर्ता घटना तिथि से ब्याज के हकदार नहीं है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए अपने आदेश में कहा कि न्यायाधिकरण ने नियमों के अनुसार मुआवजे की अधिकतम राशि दी है, लेकिन दुर्घटना की तारीख से देरी की माफी की तारीख तक ब्याज रोकना कानून के तहत उचित नहीं है। इसलिए अपीलकर्ताओं दुर्घटना की तारीख यानी 25/26.02.2018 से वास्तविक भुगतान की तारीख तक 9 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से साधारण ब्याज का हकदार है।

झारखंड की 14 सीटों के बंटवारे पर दिल्ली में मंथन

राजद, वामदल और जदयू ने भी ठोंकी दावेदारी

PHOTON NEWS RANCHI : देश की राजधानी दिल्ली में झारखंड में सीट शेयरिंग पर चर्चा हुई। इंडिया गठबंधन की शनिवार को हुई बैठक में वर्तमान राजनैतिक परिस्थिति पर चर्चा भी की गई। हालांकि अब तक इस पर अंतिम फैसला नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार बैठक में झामुमो ने बिहार, बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और असम में भी सीट की बात रखी है। वहीं इंडिया गठबंधन में शामिल राजद वामदल

और जदयू ने भी दावेदारी की है। राजद कोडरमा, पलामू, चतरा और गोड्डा में दावेदारी पेश कर रहा है। वाम दल कोडरमा, धनबाद, हजारीबाग और राजमहल सीट पर दावेदारी ठोक रहे हैं। जदयू की भी भी झारखंड में हाल के दिनों में सक्रियता बढ़ी है। जदयू की नजर हजारीबाग सीट पर है।

रांची में बस ने बाइक सवार को रौंदा, मौत

RANCHI : नामकुम थाना क्षेत्र के लोवाडीह चौक और मौलाना आजाद कॉलोनी के मुख्य गेट के बीच शनिवार को एक बस ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गयी। स्थानीय लोगों ने कहा कि बाइक सवार बाएं साइड से जा रहा था। सवारी उठाने के क्रम में ओवरटेक करने के कारण यह हादसा हुआ है। मृतक की शिनाख्त विनित बारला के रुप में की गयी है। वह खूंटी के कर्रा निवासी मंगल बारला का पुत्र था। वह रांची के श्री राम इलेक्ट्रो प्राइवेट लिमिटेड में काम करता था। इंस्पेक्टर सुनील तिवारी ने बताया कि दुर्घटना में एक युवक की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा गया है। बस को जब्त कर लिया गया है।

'इंडिया' का संयोजक बनने से नीतिश का इन्कार

मल्लिकार्जुन खरगे के हाथ अब गठबंधन की कमान, सीट शेयरिंग पर हुई चर्चा

वर्चुअली बैठक

AGENCY NEW DELHI : लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन के संयोजक बनने से नीतिश कुमार ने इनकार कर दिया। इसके बाद विपक्षी दलों ने अध्यक्ष पद के लिए मल्लिकार्जुन खरगे का नाम तय किया। शनिवार को इंडिया' गठबंधन की हुई वर्चुअल बैठक हुई। जिसमें नीतीश कुमार ने इंडिया गठबंधन का संयोजन बनने से इनकार कर दिया। इसके बाद सभी दलों ने कांग्रेस नेता को संयोजक बनाने का प्रस्ताव लाया।

लोकसभा चुनाव पर हुई चर्चा

विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया' का अध्यक्ष बनाए जाने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम पर सहमति बन जाने के बाद विपक्षी दलों के नेताओं ने गठबंधन के विभिन्न पहलुओं और अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनावों की तैयारियों पर भी चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और समाजवादी पार्टी के नेता बैठक में शामिल नहीं हुए। हालांकि खरगे के संयोजक बनाये जाने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

9 विपक्षी दल शामिल हुए ममता-उद्धव नहीं जुड़े

28 दलों के इस गठबंधन में सिर्फ 9 पार्टियां ही वर्चुअल बैठक में शामिल हुई। मीटिंग में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, लालू यादव और तेजस्वी यादव (राजद), बिहार के सीएम नीतीश कुमार (जदयू), दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल (आप), उमर अब्दुल्ला (नेशनल कॉन्फ्रेंस), सीताराम येचुरी (सीपीआई-एम), डी राजा (सीपीआई), शरद पवार (एसीपी-शरद पवार) और डीएमके की तरफ से तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन जुड़े। तृणमूल प्रमुख और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) के उद्धव ठाकरे और समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव मीटिंग में शामिल नहीं हुए।

बूढ़ा पहाड़ को नक्सलियों से मुक्त कराने के बाद अब सारंडा की बारी, जंगलों में घुसे 3000 जवान

नक्सलियों की सफाई के लिए सुरक्षाबलों ने कसी कमर

कई इलाकों से नक्सलियों का प्रभाव खत्म, पांच इलाकों से खदेड़ना बाकी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड से नक्सलियों के सफाए के लिए सुरक्षा बलों ने कमर कस ली है। बोकारो जिले के झुमरा पहाड़ और झारखंड-छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित घोर नक्सल प्रभावित बूढ़ा पहाड़ को नक्सलियों से मुक्त कराने के बाद अब सारंडा की बारी है। कोल्हान प्रमंडल के सारंडा के जंगलों में इस वक्त कई बड़े नक्सली नेता छिपे हुए हैं। इन्होंने अपनी सुरक्षा के लिए जगह-जगह लैंडमाइंस बिछा रखे हैं, जिसकी चपेट में आने से कई ग्रामीणों की मौत हो चुकी है। कई बार सुरक्षा बलों के जवान भी इसकी चपेट में आ जाते हैं। सुरक्षा बलों को सिर्फ सारंडा में ही नक्सलियों से चुनौती मिल रही है। दुर्गम इलाका होने की वजह से भी जवानों को यहां ऑपरेशन चलाने में परेशानी होती है। पुलिस का कहना है कि नक्सलियों ने ग्रामीणों को अपने सुरक्षा चक्र के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसलिए पुलिस और सुरक्षा बलों के जवान उतनी तेजी से नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन नहीं चला पा रहे हैं। लेकिन, जगह-जगह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कैंप स्थापित किए जा रहे हैं, जिसके बाद नक्सलियों के सफाए के अभियान में तेजी आएगी। इसी उद्देश्य से मनोहरपुर के तिरिलपोसी गांव में सीआरपीएफ का एक नया कैंप स्थापित किया गया है। यहां सीआरपीएफ बटालियन-134 की दो कंपनियां तथा झारखंड जगुआर की एक कंपनी को तैनात किया गया है। इसमें तीन हजार से अधिक जवान शामिल हैं।

सारंडा के जंगलों में सर्च अभियान चलाते सीआरपीएफ के जवान।

आपको बता दें कि कोल्हान के तलाईबेड़ा, राजाबासा, पांतीउला जंगल, अंजेदबेड़ा, तुंबाहाका, हुसीपी, सारजेमबुरु, रेंगरा, पाटातारोब, लेम्साडीह, बोइपाई, सिरजंग, हाबीबुरु, माईलपी, रेगड़ा, मेरालगढ़ा और इचाहातू गांव सहित गोइलकेरा थाना क्षेत्र के कुछ इलाके में नक्सलियों का प्रभाव था। अब उनका प्रभाव लगभग खत्म हो गया है। बाकी के पांच इलाकों से भी नक्सलियों को खदेड़ने के लिए जवानों का ऑपरेशन जारी है। कोल्हान के जंगलों में सेंट्रल कमेटी के शीर्ष नक्सली मिसिर बेसरा, अनल दा के अलावा असीम, चमन, बुद्धराम, मोछू, अमित मुंडा, कांडे होनहागा, सुशांत, संदीप, अपटन, सांगेन अंगरिया, अश्विन, गुलशन, प्रभात मुंडा, चंदन लोहरा, जयकांत, बबीता, रीपा, निर्मला, लालू, मंदीप, माला, रोहित, सोहन, सनत, रीता, पूनम, इसराइल, अमन, पगल सहित अन्य हार्डकोर नक्सलियों के अलावा उनके दस्ते के सदस्य सक्रिय थे।

दिल्ली में सीजन का सबसे ठंडा दिन, पारा 3.4 डिग्री

NEW DELHI : उत्तर भारत के कई राज्यों तेज सर्दी बनी हुई है। दिल्ली में शनिवार को इस सर्दी के मौसम की सबसे ठंडी सुबह दर्ज की गई। मिनिमम टेम्परेचर गिरकर 3.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कोहरे की वजह से दिल्ली से चलने वाली या वहां पहुंचने वाली 18 ट्रेन 1 से 6 घंटे की देरी से चल रही हैं। इधर, हरियाणा के हिसार के बालसमंद में न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश के कानपुर में पारा 3.0 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा में कोहरे के साथ-साथ कोल्ड वेव और पाला पड़ने का अलर्ट है। बिहार में ठंड को देखते हुए पटना में 8वीं तक के सभी स्कूलों में 16 जनवरी तक छुट्टी कर दी गई है। मुधबनी में 5वीं तक के स्कूलों को भी 16 जनवरी तक बंद करने का फैसला किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को जारी किया नोटिस

सीईसी-ईसी की नियुक्ति वाले कानून पर रोक नहीं

AGENCY NEW DELHI : सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति वाले नए कानूनों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि, पीठ ने एक्ट के प्रावधानों की वैधता की जांच करने पर सहमति जताई है। सुप्रीम कोर्ट नए कानूनों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। ये याचिका कांग्रेस कार्यकर्ता जया ठाकुर ने दाखिल की थी। पीठ ने इन याचिकाओं पर केंद्र सरकार

को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। दरअसल, नए कानून के मुताबिक आयुक्तों की नियुक्ति तीन सदस्यों का पैनल करेगा। इसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष का नेता और एक कैबिनेट मंत्री शामिल होंगे। इस बिल को राज्यसभा में पेश किए जाने के समय विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई थी।

हर की दून: ईश्वर की घाटी का आलौकिक सौंदर्य

घुमक्कड़ की पाती दिल्ली से हम दोनों घूमने के लिए एक साथ निकले थे परन्तु मौरी से हम दोनों की राहें अलग हो जानी थी। मुझे पुरोला जाना था और रचिता को हर की दून जो कि घूमने फिरने के लिहाज से पूरी दुनिया में खास जगह मानी जाती है। वह तकरीबन दो साल पहले भी देहरादून से हर की दून तक नौ दिन का ट्रैक कर चुकी थी। एक बार फिर से उन्हीं रास्तों पर दोबारा जाना चाहती थी लेकिन इस बार का ट्रैक छोटा और महज दो दिन का था, जो तालुका गांव से आरम्भ होकर गंगाद, ओसाला और सीमा से गुजरता है। दो हिस्सों में बंटे इस ट्रैक का पहला चरण तालुका से सीमा ओस्ला तक है, और दूसरा चरण सीमा ओस्ला से हर की दून तक है। वापसी मार्ग एक ही है। ट्रेकिंग के शौकीन लोगों के लिए यह जगह किसी जन्नत से कम नहीं है। उत्तरकाशी जिले में यमुना की सहायक रुपिन व सूपिन नदियों के आस-पास फतेह पर्वत की गोद में बसा यह खूबसूरत क्षेत्र हर की दून यानि की ईश्वर की घाटी का प्रवेश द्वार कहा जाता है। लेकिन उस घाटी का प्रवेश द्वार पुरोला ही है।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

यमुनोत्री मार्ग पर नौगांव से बांए मुड़कर यात्री बस द्वारा पुरोला, मोरी होते हुए नेटवाड़ पहुंचकर आगे जीप आदि हल्के वाहनों से सांकरी ग्राम तक जा सकते हैं। इससे आगे का सारा मार्ग अत्यन्त मनोरम है, किन्तु उतना ही कठिन भी है और पैदल ही तय करना पड़ता है। सूपिन नदी के किनारे-किनारे तालुका, गन्गाड़, ओस्ला आदि ग्रामीण बस्तियों तथा राजमा, आलू व चौलाई के खेतों के पास से निकलते हुए, कलकत्ती धार नामक थका देने वाली चढाई को पार करके अन्त मे हर की दून में पहुंचते हैं।

हिमाचल के किन्नौर व तिब्बत से सटा हर की दून का इलाका अपने भीतर गोविन्द पशु विहार वन्य जीव अभयारण्य को समेटे है। यहां पर यात्री ट्रेकिंग के लिये आते हैं। घाटी की पृष्ठभूमि में स्वर्गारोहिणी चोटी भी दिखाई देती है, जिसके बारे में मान्यता है कि महाभारत काल में युधिष्ठिर इसी शिखर से स्वर्ग को गये थे।इस जगह से बद्रीनाथ काफी पास पड़ता है।

लोग कहते हैं कि धरती पर अगर स्वर्ग की अनुभूति करनी है तो स्वर्गारोहिणी चले आइए। इस जगह की खूबसूरती बहुत ही मौलिक है। इस जगह पर आकर लगता है कि किसी और दुनिया में आ गए हैं और मौसम अच्छा हो तो यात्रियों का उत्साह और भी दोगुना हो जाता है।

यह रास्ता काफी कठिन और चुनौतीपूर्ण है बावजूद इसके खूबसूरती इतनी कि कदम आगे ही आगे बढ़ते चले जाएं।

देखा जाए तो पूरी देवभूमि देवताओं और उनकी मान्यताओं की भूमि है। इस जगह से जुड़ी सबसे बड़ी मान्यता यह है कि युधिष्ठिर ने स्वान के साथ स्वर्गारोहिणी से ही सशरीर बैकुंठ के लिए प्रस्थान किया था।

यह क्षेत्र वर्षभर बर्फ से ढका रहता है जिसकी वजह से इस जगह पर पहुंचना किसी चुनौती से कम नहीं होता। मार्ग दुरुस्त हो तब भी रास्तों की बर्फ की वजह से इस जगह पर पहुंचने में तीन दिन का समय तो लग ही जाता है।

इस ट्रेक के दौरान आपको कई झरने, दूर तक फैले बुग्याल मिलते हैं जो पूरी तरह से हमारे मन को मोह लेते हैं। दूर-दूर तक कोई आबादी नहीं दिखाई देती। आसपास की पहाड़ियां असीम शांति का अहसास कराती हैं। इस जगह पर फूल भी बहुतायत मात्रा में पाए जाते हैं। जिधर नजर दौड़ाओ सैकड़ों प्रजाति के रंग-बिरंगे फूल यात्रियों की अगवानी करते नजर आते हैं।

एक पौराणिक मान्यता है कि राजपाट छोड़ने के बाद पांचों भाई पांडव द्रोपदी सहित इसी रास्ते से स्वर्ग गए थे। भीम, अर्जुन, नकुल, सहदेव व द्रोपदी तो स्वर्गारोहिणी पहुंचने से पहले ही मृत्यु को प्राप्त हो गए। लेकिन, धर्मराज युधिष्ठिर ने एक स्वान के साथ पुष्पक विमान से सशरीर स्वर्ग के लिए प्रस्थान किया।

इस मान्यता ने स्वर्गारोहिणी का महत्व काफी बढ़ा दिया है। हर की दून अथवा बदरीनाथ आने वाले यात्रियों की मंसा एक बार स्वर्गारोहिणी देखने की रहती ही रहती है। हर की दून के अलावा बदरीनाथ धाम से भी नारायण पर्वत पर 30 किमी का पैदल सफर तय कर स्वर्गारोहिणी पहुंचा जा सकता है। भगवान बदरी विशाल के दर्शन करने के बाद बड़ी संख्या में यात्री स्वर्गारोहिणी पहुंचते हैं।

यह पूरा क्षेत्र नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क के अधीन आता है और स्वर्गारोहिणी जाने के लिए प्रशासन की अनुमति जरूरी है जो कि बहुत ही आसानी से मिल जाती। स्वर्गारोहिणी में पहुंचकर किसी अलग ही दुनिया में होने का अहसास होता है और जैसे ही आगे बढ़ते हैं तीन किमी व्यास की एक विशाल झील दिखाई देती है। यह झील बहुत ही खूबसूरत है। यात्री स्वर्गारोहिणी पहुंचकर इस झील की परिक्रमा जरूर करते हैं। ऐसी मान्यता है कि झील की परिक्रमा करने से उन्हें पुण्य प्राप्त होता है।

स्वर्गारोहिणी की यात्रा बेहद विकट है। बदरीनाथ धाम से दस किमी की दूरी पर लक्ष्मी वन के भोजपत्र का विशाल जंगल को पार करना होता है, फिर दस किमी आगे चक्रतीर्थ और उसके बाद छह किमी आगे सतोपंथ पड़ता है। यहां से चार किमी खड़ी चढ़ाई चढ़ने के बाद स्वर्गारोहिणी के दर्शन होते हैं। स्थानीय लोग बताते हैं कि प्राचीन काल में यात्री इन्हीं पड़ावों पर स्थित गुफाओं में रात्रि विश्राम करते थे। परंतु, अब यात्री साथ में टेंट ले जाते हैं। स्वर्गारोहण के दौरान पांडवों ने इसी सतोपंथ झील में स्नान किया था। इसलिए हिंदू धर्मावलंबियों के लिए इस झील का विशेष महत्व है। एक पौराणिक मान्यता है कि एकादशी पर स्वयं ब्रह्मा, विष्णु व महेश यहां स्नान करने आते हैं। खैर, हम हर की दून में ही थे इसलिए सोचा कि आगे कि यात्रा बद्रीनाथ पहुँचने पर करेंगे और हर की दून की खूबसूरती में रम गए। झुकाव के आकार की यह घाटी हिमाच्छादित चोटियों और अल्पाइन वनस्पतियों से घिरी हुई है। यह बोसासू दर्रे द्वारा बसपा घाटी से जुड़ा हुआ है। यह घाटी काफी ऊंचाई पर है और अक्टूबर से मार्च तक बर्फ से ढंकी रहती है। तालुका से लगभग 25 किमी दूर स्थित इस घाटी का सौंदर्य अलौकिक है। यहां से लगभग दस किमी आगे स्वर्गारोहिणी पर्वत के चरणों में स्थित जौन्धार ग्लेशियर ही सूपिन नदी का उद्गम है। इस पूरे पैदल यात्रा मार्ग में गढ़वाल मंडल विकास निगम द्वारा उचित मूल्य पर पर्यटकों के लिए रहने-खाने की पर्याप्त व्यवस्था है। भले पौराणिक मान्यता हो कि स्वर्गारोहिणी पर्वत से होकर ही युधिष्ठिर स्वर्ग को गये थे परन्तु मेरा और रचिता का साथ यहीं तक था। एक-दूसरे को अलविदा कह हम अपने अपने मार्ग पर निकल गए और उम्मीद जताई की संभव हो सका तो उत्तरकाशी में मिलेंगे।

वह मुस्कराई और आगे बढ़ गई।

शेखर त्रिपाठी
लखनऊ

ध्येय वही है, लक्ष्य वही है

ध्येय वही है, लक्ष्य वही है
रथ ने केवल पथ बदला है।

हमको छोड़ो तुमको छोड़ें
मकड़जाल से दूरी अच्छी
उजले रंग से मन ऊबा है
अब आंखें सिन्दूरी अच्छी
षड्यंत्रों को भांप लिया सो
चलते-चलते रथ बदला है।
ध्येय वही है, लक्ष्य वही है
रथ ने केवल पथ बदला है।

मतिमन्दों को तुम्ही सम्भालो
अपना लेंगे हम प्रतिभाएं
अब हम ना टूटेंगे चाहे
जितने संकट आएं जाएं
पाप पुजारी का देखा तो
शंकर ने तीरथ बदला है।
ध्येय वही है, लक्ष्य वही है
रथ ने केवल पथ बदला है।

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

पक्षी ■ पुराण

ओस्प्रे, डॉल्फिन और पर्यटन

राहुल सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर, विश्व-भारती, शांति निकेतन

ओस्प्रे एक बाज का नाम है जो सर्दियों में अमेरिका के समुद्री तटों से भारत में प्रवासी पक्षी के रुप में आता है। इसकी खूबी यह है कि ताजा और जिंदा मछलियों के शिकार के जरिये ही यह अपनी भूख मिटाता है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि यह किसी भी जलाशय या पोखर में अपना डेरा डाल देता है। अमूमन यह उन जलाशयों में देखा जाता है जहां दूसरे शीत ऋतु के प्रवासी पक्षी आते हैं। बड़े बांधों में भी इसे शिकार करते हुए देखा जाता है। लेकिन बड़े बांध बर्ड फोटोग्राफरों के लिए उतने अवसर उपलब्ध नहीं कराते हैं, जितने छोटे आहर और पोखर उपलब्ध कराते हैं। ओस्प्रे को हिन्दी में मछरंगा बाज कहते हैं। हवा से पानी में शिकार करने की इसकी काबिलियत इसे खास बनाती है। और यह जो शिकार का क्षण होता है, वह फोटोग्राफरों के लिए कुछ खास होता है। हर फोटोग्राफर का सपना होता है कि वह मछरंगा को मछली के साथ अलग अलग भंगिमाओं में कैद करे, फोटोग्राफरों की यह चाहत उन्हें पश्चिम बंगाल के पूर्बस्थली खींच ले जाती है। पूर्बस्थली एक ऐसी जगह के तौर पर पक्षी प्रेमियों के बीच लोकप्रिय हो रहा है जहां सर्दियों में ओस्प्रे से शर्तिया मुलाकात हो सकती है। ओस्प्रे के प्रति बर्ड फोटोग्राफरों की दीवानगी ने पूर्बस्थली के मछुआरों का ना केवल रोजगार उपलब्ध कराया है बल्कि उसके आस पास छोटे-मोटे होटल और होम स्टे का भी रोजगार चल निकला है।

ओड़िशा के चिल्का का नाम आपने सुना ही होगा। चिल्का यूं तो प्रसिद्ध है सबसे बड़े मीठे पानी के झील के लिए और अपने झींगा के लिए। लेकिन डॉल्फिन टूरिज्म के नाम पर चिल्का जितने का धंधा करता है और जितना रोजगार उसने दे रखा है वह किसी के लिए भी चौंकाने वाला हो सकता है। जो भी भुवनेश्वर और पुरी जाते हैं वह चिल्का भी घूम ही आते हैं। तो यहाँ ट्रैवल एजेंसियों के लिए रोज का रोजगार सृजित होता है। चिल्का में पर्यटकों के दोहन का एक विलक्षण उदाहरण मौजूद है। चिल्का घूमने के लिए आपको मोटर बोट किराये पर लेना होता है। आप अकेले हों तो भी आप बोट किसी के साथ शेयर नहीं कर सकते हैं। आप अकेले हों तब भी आपको पूरी बोट किराये पर अकेले लेनी होगी। चिल्का का रकबा इतना बड़ा है कि वह समुन्दर सा जान पड़ता है। अरब सागर चिल्का से लगता है। जहां अरब सागर और चिल्का मिलते हैं वह सुनने में जितना रोमांचित करता है, देखने में नहीं। चिल्का के एक टापू में एक खास किस्म के केकड़े बहुतायत में पाये जाते हैं। कई बार नाववाला उस केकड़े को मारकर उससे मोतीनुमा एक चीज निकालकर दिखाता है। पर डेढ़ दो घंटे की बोटिंग के बाद एक स्पॉट पर आपको ले जाकर

फोटो- ओस्प्रे शिकार के साथ। (देवघर, झारखंड)।

खड़ा कर दिया जाता है। वहाँ अगर आप खुशकिस्मत हों तो डाल्फिन आपको दिख सकती है। वह फिल्मों के माफिक पानी में उछलती डॉल्फिन नहीं होती। बस पानी की सतह पर आकर करवट या सांस लेती डॉल्फिन होती है, जिसे देखने के लिए आपको काफी कोशिश करनी होती है। और ऐसा करते हुए आपको अहसास होता है कि डाल्फिन के नाम पर आप ठगी के शिकार हो गये हैं। औसतन चिल्का की एक ट्रीप में आप दस बारह हजार न्यूनतम तो खर्च करते ही हैं। पर इसकी बजाय चार पांच सौ रुपये के खर्चे पर बहुत शानदार तरीके से आप बिहार के सुल्तानगंज की गंगा में डॉल्फिन को चुहल करते हुए देख सकते हैं। पर बिहार या उससे अलग हुए झारखंड के पास पर्यटन को लेकर कोई व्यवस्थित रोडमैप और दृष्टि नहीं है। पश्चिम बंगाल और ओड़िशा इस मामले में बिहार और झारखंड से बहुत आगे और बेहतर हैं। बल्कि हाल के वर्षों में छत्तीसगढ़ के अपने अनुभव के आधार पर यह कह सकता हूं कि छत्तीसगढ़ ने भी इस दिशा में इन दोनों राज्यों की तुलना में बेहतर विकास किया है। झारखंड में तो पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। पश्चिम बंगाल के पर्यटक साल भर झारखंड को गुलजार किये रहते हैं। अगर झारखंड-बिहार के पक्षियों के हॉटस्पॉट को कायदे से संरक्षित कर पर्यटन के लिए खोल दिया जाये तो भरतपुर, नाल सरोवर, मंगला जोड़ी जैसा जादू यहाँ भी पैदा किया जा सकता है। लेकिन यहाँ पर्यटन मतलब एक बेतरतीब और बेढब किस्म का सौंदर्यीकरण मात्र बन कर रह गया है। दस से पचास रुपये की टिकट और पार्क से आगे झारखंड पर्यटन सोच ही नहीं पा रहा है। जरुरत इस दिशा में सोचने की है क्योंकि इस दिशा में अपार संभावनाएं हैं। स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने की भी पर्याप्त संभावनाएं हैं। एक ऐसे दौर में जब सबको सरकारी नौकरी दे पाना संभव नहीं है वैसे में पर्यटन के जरिये स्थानीय स्तर पर अच्छी संख्या में रोजगार पैदा किया जा सकता है। रांची के पास ओरमांझी में एक चिड़िया घर है। आप वहां जायें शायद कभी आपको बगैर दो चार घंटे की प्रतीक्षा के भीतर घूमने के लिए बैट्री चालित गाड़ी मिले। यह एक दिन की समस्या नहीं है, रोज की है, पर शायद ही इसका निदान अब तक हो सका है।

दिव्यांश मणि त्रिपाठी
कक्षा 5
LFS जमशेदपुर

BRIEF NEWS

मुख्यमंत्री को एफआईएच के समापन समारोह में शामिल होने का आमंत्रण

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शनिवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में विकास आयुक्त अविनाश कुमार, खेल सचिव मनोज कुमार, खेल निदेशक सुशांत गौरव एवं हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने मुलाकात की। साथ ही एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर-2024 के समापन समारोह में सम्मिलित होने के लिए मुख्यमंत्री को मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम आने का आमंत्रण दिया।

रांची के हेहल में नमो पतंग उत्सव आज

RANCHI : स्थानीय सांसद संजय सेठ ने 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर नमो पतंग उत्सव का आयोजन रातू रोड स्थित ओटीसी मैदान हेहल में किया है। बाबा रामदेव ने 16 साल पूर्व इस पतंग उत्सव की शुरूआत की थी तब से लगातार सांसद के नेतृत्व में यह आयोजन हो रहा है। यह कार्यक्रम मोराबादी में आयोजित की जाती है लेकिन इस वर्ष मैदान में खादी मेला लगे होने के कारण यह आयोजन रातू रोड स्थित ओटीसी मैदान में होगा। सांसद ने शनिवार को कहा कि बच्चों के बीच पतंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक, 15 प्लाटून परेड में लेंगे हिस्सा

RANCHI : डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने मोरहाबादी मैदान में गणतंत्र दिवस समारोह-2024 की तैयारियों को लेकर बैठक की। बैठक के बाद डीसी ने बताया कि मोरहाबादी में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में इस बार 15 प्लाटून और 04 बैंड प्रदर्शित होंगे। इसे लेकर16 जनवरी 2024 से परेड का रिहर्सल किया जाएगा। बैठक के दौरान डीसी ने गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के सफल संचालन को लेकर विचार-विमर्श किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

एचईसी बचाओ संघर्ष समिति की हुई बैठक

RANCHI : शनिवार को एचईसी बचाव मजदूर जन संघर्ष समिति की आम सभा एचईसी एफएफपी बिल्डिंग के पास संपन्न हुई। हरेंद्र प्रसाद यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में बकाया वेतन भुगतान, ठेका मजदूरों के कॉन्ट्रैक्ट रिनवाल, बोनस भुगतान जैसे ज्वलंत मुद्दों पर सभा हुई। इस आम सभा में 16 जनवरी को मोर्चा के अन्य घटक दलों की बैठक बुलाने का निर्णय लिया गया।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

रांची में चढ़ा हॉकी का खुमार, एफआईएच महिला ओलंपिक क्वालिफायर का शुभारंभ

उद्घाटन मैच में जर्मनी ने जीत से किया आगाज, चिली को 3-0 से दी शिकस्त

PHOTON NEWS RANCHI : एफआईएच महिला हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर का शनिवार को रांची में आगाज हो गया। मोरहाबादी के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में पहला मुकाबला जर्मनी और चिली के बीच खेला गया। पहले मुकाबले में जर्मनी ने टिकट टू ओलंपिक की शुरूआत चिली को 3-0 से हराकर की। जर्मनी ने मुकाबले की शुरूआत से ही आक्रमक खेल दिखाते हुए पहले क्वार्टर में 2-0 की बढ़त बनायी। एफआईएच महिला हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर का पहला गोल 7वें मिनट में सेलिन ओरुज ने किया। जर्मनी को मिले दूसरे पेनाल्टी कार्नर

को गोल में तब्दील कर मुकाबले में 1-0 की बढ़त बनायी।

दूसरा गोल 10वें मिनट में जेत्ते फ़्लेस्कुटज ने शानदार फील्ड गोलकर लीड को 2-0 किया। पहले हाफ में 2-0 की लीड के बाद दूसरे हाफ में तीसरा गोल कर जर्मनी पर दबाव बढ़ा दिया। 38वें मिनट में लिसा नोल्टे ने फील्ड गोल किया। मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच सोनजा जिम्मेरमैन को मिला।

पहले दिन खिलाड़ियों ने झोंकी ताकत

दूसरे क्वालीफायर में जापान ने चेक गणराज्य को 2-0 से दी मात

RANCHI : मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गये दूसरे मुकाबले में जापान ने चेक गणराज्य की टीम को 2-0 से परास्त किया। इसमें जापान के लिए पहले ही क्वार्टर में मिउ सुजुकी ने एक गोल दाग दिया। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीम एक दूसरे पर हमले करती रही। तीसरे क्वार्टर में जापान के लिए शिहोरी ओइकावा ने एक गोल दागकर अंतर 2-0 कर दिया। प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जापान की मिउ हसेगावा को मिला। मैच के दौरान स्टेडियम में मौजूद पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर, खेल मंत्री

हफीजुल हसन, खेल सचिव मनोज कुमार, हॉकी इंडिया के आरके श्रीवास्तव, भोलानाथ सिंह समेत अन्य ने खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। मैच में दर्शकों के लिए इंट्री फ्री रखा गया था। सुरक्षा के लिहाज से भी जगह-जगह पर पुलिस बल के जवान और अधिकारी भी तैनात रहे।

तीसरे मैच में न्यूजीलैंड का रहा दबदबा, इटली को 3-0 से हराया

RANCHI : एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर्स के तीसरे मैच में शनिवार को न्यूजीलैंड ने इटली को 3-0 से पराजित कर दिया। मोरहाबादी स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गये इस मुकाबले में न्यूजीलैंड के लिए पहले ही क्वार्टर के सातवें मिनट में डेविज फ्रांसिज ने एक गोल दागा और टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। आखिरी क्वार्टर में भी उसने एक गोल दागा और अंतर को 3-0 कर दिया। डेविज को उसके शानदार खेल के लिए प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर्स

के इस मुकाबले में एक खास उपलब्धि न्यूजीलैंड टीम की खिलाड़ी डेवे टेरिन के नाम रही। उसने अपना 100वां अंतराष्ट्रीय मैच खेला। अब सबकी नजरें भारत-अमेरिका के बीच खेले जाने वाले आखिरी और चौथे मैच पर लगी हैं। इसके लिए बडी संख्या में भारतीय दर्शक भी स्टेडियम में मौजूद हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में आवास विहीन व योग्य लाभुकों के लिए अबुआ आवास योजना का हुआ शंभारंभ

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में ग्रामीण क्षेत्र में आवासविहीन एवं योग्य लाभुकों को आवास देने के लिए अबुवा आवास योजना प्रारंभ की गई है। जो की सरकार की एक अति महत्वाकांक्षी योजना है। रांची उप विकास आयुक्त ने रांची जिला के सभी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि, आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान जो भी अबुवा आवास के लिए आवेदन लिए गए थे उन्ही आवेदन कताओं का विशेष ग्राम सभा द्वारा योग्य लाभुकों का चयन कर सूची भेजा जाए ताकि वित्तीय वर्ष 2023-24 मे पहली प्राथिमकता मिल सके। इसी कड़ी में कांके प्रखंड के विभिन्न पंचायत में शनिवार को विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान कई पंचायत में पैसे लेकर लाभुकों का चयन करने का भी आरोप लगा जिसे लेकर आपस मे ही नोकझोंक करने को दिखा। पिठौरिया पंचायत में ग्राम सभा के दौरान

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

पंचायत स्वयंसेवक बबली महतो के द्वारा आरोप लगाया गया कि पंचायत के कुछ जनप्रतिनिधि और दलाल लाभुकों से पैसे की डिमांड कर रहे हैं। उन्हें पर्लोभन दिया जा रहा है। पैसे दोगे तो तुम्हें अबुवा आवास दिलवा देंगे। इस संबंध में कांके प्रखंड के प्रमुख सोमनाथ मुंडा ने साफ तौर पर कहा है कि, जिन लाभुकों से कोई भी पैसे की डिमांड करते हैं, तो वे प्रखंड में लिखित शिकायत करे। निश्चित तौर पर उनकी शिकायत पर जांच कर दोषी पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि कांके प्रखंड में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए सरकार के द्वारा टोटल 1676 आवास देने का योजना बनाई गई है। जिसमें एसटी/एससी को 837, माइनॉरिटी को 168, ओबीसी को 587 और जनरल को 84 आवास दी जाएगी। वही उप प्रमुख अंजय बैठा ने कहा कि, यदि ग्राम सभा के द्वारा अयोग्य लाभुक का चयन कर नाम भेजा जाता है, तो जांच कमेटी और पदाधिकारियों द्वारा जिओ टैग के दौरान अयोग्य पाया गया तो उनका नाम योजना से हटा दिया जाएगा। इसलिए जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों से अपील है कि योग्य लाभुकों को ही पहली प्राथमिकता दी जाए।

हाईकोर्ट ने महाभारत का उदाहरण देकर बेटे को दिया आदेश, बोला-

पिता ही तुम्हारे भगवान, हर हाल में देना होगा गुजारा भत्ता

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में आदेश दिया है कि बेटे को हरहाल में अपने बुजुर्ग पिता को गुजारे के लिए रकम देनी होगी। हाईकोर्ट ने परिवार अदालत के उस फेसले पर मुहर लगाई, जिसमें बेटे को आदेश दिया गया था कि उसे अपने पिता को हर महीने 3000 रुपए बतौर भरण-पोषण देने होंगे। इस फैसले के खिलाफ मनोज नाम के शख्स ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

अपने इस फैसले में अदालत ने कई महत्वपूर्ण बातें कही हैं। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि यदि आपके माता-पिता आश्वस्त हैं, तो आप भी आश्वस्त महसूस करते हैं, यदि वे दुखी हैं, तो भी आप दुखी महसूस करेंगे। माता-पिता बीज हैं, तो आप पौधा हैं,आपको अपने माता-पिता की अच्छाई और बुराई दोनों विरासत में मिलती है और एक

व्यक्ति पर जन्म लेने के कारण कुछ ऋण होते हैं, जिसमें पिता और माता का ऋण भी शामिल होता है, जिसे हमें चुकाना होता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुभास चांद की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई।

क्या है मामला : दरअसल, कोडरमा की परिवार अदालत ने एक व्यक्ति को उसके पिता को 3000 रुपए का मासिक गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था, जिसके खिलाफ मनोज नाम के व्यक्ति ने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी। सुनवाई में अदालत को यह बताया गया कि पिता के पास कुछ कृषि योग्य भूमि है, फिर भी वह उस पर खेती करने में सक्षम नहीं हैं। वह अपने बड़े बेटे प्रदीप कुमार साव पर भी निर्भर है, जिसके साथ वह रहता है। पिता ने पूरी संपत्ति में अपने छोटे बेटे मनोज साव को बराबर-बराबर हिस्सा दिया है, लेकिन 15 साल से अधिक समय से उनका भरण-पोषण उनके छोटे बेटे ने नहीं किया है। पिता ने अदालत को बताया कि मनोज कुमार गांव में एक दुकान चलाता है, जिससे उसे प्रति माह 50,000 रुपए की कमाई होती है इसके अलावा कृषि भूमि से उसे प्रति वर्ष 2,00,000 रुपये की अतिरिक्त आय होती है। इस पर परिवार अदालत ने छोटे बेटे को अपने पिता को 3000 रुपए हर महीने देने का आदेश दिया। इसके खिलाफ छोटे बेटे मनोज ने हाईकोर्ट की शरण ली थी।

हाईकोर्ट ने दी ये दलील : हाईकोर्ट के जस्टिस सुभाष चांद ने अपने आदेश में महाभारत के दौरान यक्ष और युधिष्ठिर के बीच हुई बातचीत का भी जिक्र किया है। उन्होंने लिखा- महाभारत में यक्ष ने युधिष्ठिर से पूछाः पृथ्वी से भी अधिक वजनदार क्या है? स्वर्ग से भी ऊंचा क्या है? हवा से भी क्षणभंगुर क्या है? और घास से भी अधिक असंख्य क्या है? इस पर युधिष्ठिर ने उत्तर दियाः मां धरती से भी भारी है, पिता स्वर्ग से भी ऊंचा है, मन हवा से भी क्षणभंगुर है और हमारे विचार घास से भी अधिक असंख्य हैं। इसकी व्याख्या करते हुए जस्टिस सुभाष चांद ने बेटे को अपना पवित्र कर्तव्य निभाने का आदेश दिया है।

अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह के नाम पर मांगे जा रहे रंगदारी

PHOTON NEWS RANCHI : जेल में बंद अपराधी अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह के नाम पर कारोबारियों से रंगदारी मांगी जा रही है। इसे लेकर मयंक सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी कर कहा है कि जो भी छोटे-बड़े भाई मेरे नाम से रंगदारी मांगने का और धमकाने का काम कर रहे हैं,वह बंद कर दो। अगली बार कोई वॉर्निंग या चेतावनी नहीं मिलेगी बल्कि डायरेक्ट ऊपर पहुंचा दिया जाएगा।

प्रिंस खान और अमन साहू गिरोह का बढ़ा उत्पात : एक तरफ जहां धनबाद में प्रिंस खान तो, वहीं दूसरी ओर रांची, रामगढ़, लातेहार और हजारीबाग जिला में अमन साहू गिरोह का उत्पात बढ़ा है। इन दोनों गिरोहों के अपराधी कोयला, पत्थर, बालू, समेत अन्य जुड़े कारोबारी और निर्माण कार्य में लगे ठेकेदार से व्हाट्सएप कॉल और व्हाट्सएप मैसेज के जरिए लगातार रंगदारी की मांग कर रहे हैं। इतना ही नहीं इन आपराधिक गिरोह के नाम पर दूसरे सामाजिक तत्व भी इसका फायदा उठा रहे हैं। साथ ही रंगदारी मांगने के लिए धमकी देने का काम कर रहे हैं।

हृदय नाथ सिंह की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

जीवन पर्यंत कमल की तरह निर्लिप्त रहे हृदय नाथ सिंह : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश कार्यालय में शनिवार को झारखंड भाजपा के प्रथम संगठन महामंत्री स्व. हृदय नाथ सिंह की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा हुई। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जीवन पर्यंत हृदय नाथ ने कमल की तरह निर्लिप्त भाव से जीवन की आहुति दी। उन्होंने कहा कि ऐसा व्यक्तित्व बिरले ही होते हैं। झारखंड के प्रथम

संगठन महामंत्री के रूप में उनका मार्गदर्शन प्रदेश के कार्यकताओं को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि राजनीतिक दायित्व निभाते हुए भी हृदय नाथ पक्के स्वयंसेवक रहे। संघ की शाखा से उनका जुड़ाव जीवन के अंतिम क्षण तक रहा। उन्होंने कहा कि वे कहने से ज्यादा करने में विश्वास करते थे। उन्होंने कुशल संगठन कर्ता के रूप में असंख्य कार्यकताओं का निर्माण किया।

सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि हृदय नाथ विशाल हृदय के व्यक्ति थे। उन्होंने संगठन कार्य करते हुए कार्यकताओं के निजी जीवन के सुख दुःख की चिंता की।

कांस्टेबल भर्ती विज्ञापन का विरोध अभ्यर्थियों ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड पुलिस कांस्टेबल भर्ती विज्ञापन का विरोध शुरू हो गया है। अभ्यर्थियों ने कहा कि विज्ञापन त्रुटिपूर्ण है। इसमें आरक्षण रोस्टर का सही से पालन नहीं किया गया है। वहीं पुरुषों की संख्या बहुत कम है इसे बढ़ाया जाये और कम से कम 13 हजार नियुक्ति की जाये। सिलेबस को पूर्व के विज्ञापन उत्पाद सिपाही के तौर पर ही रखा जाये अथवा मेरिट भी उत्पाद सिपाही के तर्ज पर बने। अधिकतम उम्र सीमा की गणना 1/8 /2017 से की जाये।

इस विरोध-प्रदर्शन में अलग-

अलग जिलों से आये सैकड़ों अभ्यर्थी शामिल हुए। संघ के सत्यनारायण शुक्ला ने कहा कि झारखंड सरकार का यही रवैया है। जिन अभ्यर्थियों को परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए वे आज सड़क पर विरोध-प्रदर्शन करते नजर आ रहे हैं। धरना के बाद अभ्यर्थियों ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा।

रांची पहुंची अफगानिस्तान की अभिनेत्री फिरदौस खान

आड्रे हाउस में द सर्वाइवल बॉस का ऑडिशन आज से

PHOTON NEWS RANCHI : द सर्वाइवल बॉस रियलिटी शो का ऑडिशन को ऑड्रे हाउस में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अफगानिस्तान की अभिनेत्री फिरदौस खान ने कहा कि पूरे देश के प्रतिभा जो छोटे-छोटे गांव में रहते हैं उनकी प्रतिभा को पहचान कर उसे एक मुकाम देना ही इसका मकसद है। इसी क्रम में झारखंड में 14और 15 जनवरी को ऑड्रे हाउस में ऑडिशन होगा। इस ऑडिशन में भाग लेने के लिए प्रतिभागी अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं जिसके लिए वह 91422 48625 और 6 200577897 पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस ऑडिशन में सिंगिंग ,डांसिंग और एक्टिंग के वैसे बच्चे जिनमे प्रतिभा है वह इस ऑडिशन में भाग ले सकते हैं। मौके पर बोलते हुए रानी राय एक्टर एंड डांसर झारखंड ने कहा कि जिस बच्चे में टैलेंट है ,वह जाकर अपनी प्रतिभा का यहां ऑडिशन में

दिखा सकते हैं । रिपु सूदन साहू ने कहा कि यह ऑडिशन देश के हर एक राज्य में आयोजित किया जा रहा है ,जिसमें कि पूरे देश की ऐसी प्रतिभा जो आर्थिक या गरीबों के कारण प्रतिभा होते हुए भी दिख नहीं पाते हैं। वह इस प्लेटफार्म पर जाकर अपना प्रतिभा दिखा सकते हैं। झारखंड ऑडिशन से चुने गए 20 लोगों को मुंबई में 8 दिन का ऑडिशन होगा जहां वह अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। विजेता प्रतिभागी को 10 लख रुपए का इनाम दिया जाएगा साथ ही साक्षात एंटरटेनमेंट और सर्वाइवल बॉस के द्वारा ओटीटी में वैसे लोगों को काम दिया जाएगा इसके अलावा जितने भी 20 प्रतिभागी जो झारखंड से चुनकर जाएंगे उन्हें आगे प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा उन्हें भी ओटीटी पर काम दिया जाएगा।

आपत्ति होने पर संबंधित पदाधिकारी को दे सकते हैं आवेदन

गृह विभाग ने की 243 पुलिसकर्मियों की वरीयता सूची जारी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड राज्य पुलिस सेवा के 243 पदाधिकारियों की औपबंधिक वरीयता सूची जारी की गयी है। यह वरीयता सूची झारखंड गृह विभाग ने जारी की है। साथ ही इस सूची को सभी प्रक्षेत्र के आईजी, डीआईजी, वरीय पुलिस अधीक्षक और एसपी कार्यालय को भी उपलब्ध करायी गयी है। वरीयता सूची में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर संबंधित पुलिस पदाधिकारी को गृह विभाग में आवेदन दे सकते हैं।

झारखंड गृह विभाग द्वारा जारी वरीयता सूची में सरोजनी लड़का, अलमेड़ा एक्का, शिवेंद्र, सादिक अनवर रिजवी, अरविंद कुमार सिंह 1, विकास कुमार पांडेय, विजय आशीष कुजूर, राधा प्रेम किशोर, मुकेश कुमार महतो, शत्रुघ्न रजक, दीपक कुमार शर्मा, राजकुमार मेहता, शंभू कुमार सिंह, अजय कुमार सिन्हा, अनुदीप सिंह, पूज्य प्रकाश, दीपक कुमार 1, सहदेव साव, मजरूल होदा, अमित कुमार सिंह, अजीत कुमार, राजेश कुमार, मुकेश कुमार, दीपक कुमार पांडेय, अनिमेष नैथानी, अजय कुमार 1, आरिफ एकराम, डॉ विमल कुमार, अविनाश कुमार, मनीष टोप्पो, कैलाश करमाली, पीतांबर सिंह खेरवार, रौशन गुड़िया, श्रीराम समद, निशा मुर्मू, सुरजीत कुमार, विरेंद्र कुमार चौधरी, राहुल देव बड़ाइक, खिस्टोफर केरकेट्टा, प्रभार रंजन बरवार, अनूप कुमार बड़ाईक, समीर कुमार तिर्की, हीरालाल रवि, वचनदेव कुजुर, रजत मणि बाखला, विनोद कुमार महतो, शशि प्रकाश, अजय कुमार, जगदीश प्रसाद, अमित कुमार, सतीश चंद्र झा, पुरुषोत्तम कुमार सिंह, वेंकटेश्वर रमण, प्रमोद कुमार केसरी, संदीप कुमार गुप्ता, विकास चंद्र श्रीवास्तव, सुमित कुमार, राजा कुमार मित्रा, राजकिशोर, अजीत कुमार विमल, चंदन कुमार वत्स, ज्ञानरंजन, कैसर अली, पवन कुमार, अमर कुमार पांडे, मनोज कुमार महतो, रणवीर सिंह, मनोज कुमार झा, अभिषेक कुमार, धीरेंद्र नारायण बंका, प्रकाश तिवारी, सुदर्शन कुमार आस्तिक, संजय कुमार, विजय कुमार महतो, प्रवीण कुमार सिंह, नीरज कुमार, संजीव कुमार बेसरा, अजीत कुमार सिन्हा, अजय केरकेट्टा, जयदीप लकड़ा, विनोद रावानी, मनीष कुमार, जीत वाहन उरांव, नजीर अख्तर, दिलीप खलखो, अशोक कुमार सिंह, संतोष कुमार, सुनील कुमार रजवार, मुजीब उर रहमान, भूपेंद्र प्रसाद रावत, आनंद ज्योति मिंज, तौकीर आलम, समीर कुमार सवैया, श्रद्धा केरकेट्टा, बहामन टूटी, पूनम मिंज, बैजनाथ प्रसाद, फैज अकरम, दीपक कुमार, अमित कुमार कच्छप, प्रदीप उरांव और अरविंद कुमार वर्मा का नाम शामिल है।

इसके अलावा विकास आनंद लागुरी, संदीप भगत, अनुज उरांव, प्रदीप पाल कच्छप, प्रकाश सोए, आशीष कुमार महली, अरविंद सिंह बिन्हा, शकील आबिद शम्स, मंगल सिंह जमुदा, नवनीत एंथोनी हेंब्रम, कपिंदर उरांव, विश्वजीत बक्स राय, महेंद्र सिंह मुंडा, विजय कुमार, मनोज कुमार राय, प्राण रंजन कुमार, वशिष्ठ नारायण सिंह, नितिन खंडेलवाल, सुमित प्रसाद, नेहा बाला, यशोधरा, नौशाद आलम, विमलेश कुमार त्रिपाठी, संतोष कुमार मिश्र, आशुतोष कुमार सत्यम, अशोक रविदास, कुलदीप कुमार, सरिता मुर्मू, पवन कुमार, नवीन कुमार सिंह, आलोक रंजन, अरविंद कुमार साजिद जफर, जय श्री कुजुर, मुस्तफा अंसारी, वरुण रजक, प्रकाश चंद्र महतो, चंद्रशेखर आजाद, मनोज कुमार, संदीप सुमन, महेश प्रजापति, राजीव कुमार, किशोर कुमार रजक, रंजीत कुमार लकड़ा, गोपाल कालुंडिया, विजय कुमार कुशवाहा, वरुण देवगन, सुमित सौरव लकड़ा, राजेंद्र प्रसाद, अखिल नीतीश कुजुर, अमिता लकड़ा, ओम प्रकाश, सिरिल कुमार मरांडी, प्रमोद कुमार मिश्र, कृष्ण कुमार महतो, कमलेश सिंह, अवध कुमार यादव, जयप्रकाश सिंह, राजेंद्र कुमार दुबे, अनिल कुमार सिंह, सुधीर कुमार, अमरनाथ, नीरज कुमार सिंह, भोला प्रसाद सिंह, नवीन कुमार लकड़ा, शमशाद आलम शमसी, मनीष चंद्र लाल, केदारनाथ राम, परमेश्वर प्रसाद नबीन चंद्र दास, जयप्रकाश नाग, जितेंद्र कुमार सिंह, संजीव कुमार मिश्रा, संजय कुमार सिंह और जयप्रकाश नारायण चौधरी के भी नाम वरीयता सूची में है।

वरीयता सूची में हेलेन सोय, रीतिभान सिंह, वीरेंद्र कुमार राम, प्रवेज आलम, दीप नारायण रजक, जितेंद्र कुमार , सुमन गिनी नाग, अरुण कुमार तिर्की, राजेश कुजुर, डेविड ए दोडराय , तारामणि बाखला, पतरस बिरुवा, राकेश नंदन मिंज, ईकडू डुंगडुंग, नोवेल कुजुर, हिमांशु चंद्र मांझी, बैजनाथ होरो, तालो सोरेन, रिमेजियस टोप्पो, सत्येंद्र नारायण सिंह, नीरा प्रभा टोप्पो, दिल्लू लोहार, परम प्यारेलाल खलखो, सिप्रियन बागे, शशिकांत, सुधांशु कुजुर, वीरेंद्र बाड़ा, संचमान तमांग, विजय शंकर चौधरी, आनंद मोहन सिंह, अंजनी कुमार तिवारी, आमोद नारायण सिंह, संजय कुमार, अरविंद कुमार 2, कमल किशोर, संजीव कुमार सिंह, तेतरू उरांव, अजीत कुमार कुजूर, अलविनुस बाड़ा, वीरेंद्र कुमार पांडे, राज नारायण सिंह, शिव शंकर तिवारी, संजय कुमार राणा, अरविंद कुमार सिंह, अशोक कुमार 1, सियाशरण प्रसाद, सुमन आनन, अशोक कुमार 2, विनोद कुमार, यज्ञ नारायण तिवारी, अमरेंद्र नारायण कुमार, तालकेश्वर राम, टेशलाल राम, बेनेडिक्ट मरांडी, गंदरु उरांव, बिंदेश्वर महतो, अनिमेष कुमार गुप्ता, सत्येंद्र सिंह, जोना योगेंद्र मुर्मू, कुलदीप टोपनो, महावीर शिलानंद किंडो, आलोक कुमार टूटी, प्लेयर किस्कू, प्रमोद कुमार सिंह ,अंकिता राय, रोहित रंजन सिंह, प्रदीप कुमार, रोहित कुमार, सुरेश प्रसाद यादव और धनंजय कुमार के नाम भी शामिल हैं।

BRIEF NEWS

दो बाइक में हुई टक्कर एक की मौत

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ / सुंदरगढ़ जिले के लहुनीपाड़ा थाना क्षेत्र के जंगला गांव के पास शनिवार दोपहर दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल को बेहतर इलाज के लिए राउरकेला ले जाया गया।

मंडी में बेहतर व्यवस्था करने की मांग

SUNDARGARH : बणई मंडी की स्थिति के विरोध में भाजपा किसान मोर्चा ने राज्यपाल को ज्ञापन सौपा। मंडी में सीसीटीवी के साथ शौचालय व्यवस्था की मांग को लेकर सुंदरगढ़ जिले के बणई उपजिला के विभिन्न मंडी में अव्यवस्था की शिकायत को लेकर भाजपा किसान मोर्चा ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया। विभिन्न मंडियों में छटनी और कटौती का विरोध किया गया है। इसके अलावा बाजार में सीसीटीवी लगाने और शौचालय की व्यवस्था करने की भी मांग की गई है। मंडी की इस स्थिति को लेकर उपजिलापाल के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा गया है।

राउरकेला में नाटक चयतु का हुआ मंचन

ROURKELA : राउरकेला के अग्रणी थियेटर प्रयासों द्वारा प्रायोजित ओडिशा साहित्य अकादमी पुरस्कृत नाटककार डॉ निवेदिता जेना के नाटक चयतु का मंचन स्थानीय सिविक सेंटर में किया गया है। इस कार्यक्रम में राज्य के श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक मुख्य अतिथि, आरएसपी शहरी सेवा प्रशासन के मुख्य सचिव प्रताप कुमार स्वाई, शिक्षा प्रोफेसर डॉ. समर मुदाली, प्राक्तन के मुख्य सचिव अभय कुमार दास मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर अतिथियों ने चतुमार्शीक नाट्य स्मारिका पूर्वरंग का अनावरण किया। प्रारंभ में विभिन्न संस्थानों के नृत्य कलाकारों द्वारा नृत्य प्रस्तुत किये गये।

दलमा के पहाड़ों पर ले सकेंगे केएनओपी ब्रिज का मजा

JAMSHEDPUR : दलमा वन्य अभ्यारण्य में अब सैलानी केएनओपी ब्रिज का भी मजा ले सकते है। वन विभाग इसका निर्माण कार्य करवा रहा है। इसका निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है। जनवरी माह के अंत तक इसके शुरू होने की संभावना है। फिल्हाल केएनओपी ब्रिज की लंबाई 100 मीटर होगी। बाद में इसे और बढ़ाया जा सकता है।

चाकुलिया हाट बाजार में लगी आग 13 बाइक समेत कई गाड़ियां जली

विस्फोट के बाद बेकाबू हुई आग, इधर-उधर भागते नजर आए लोग

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के चाकुलिया प्रखंड के केरुकोचा हाट बाजार में आग लगने से 13 बाइक के अलावे एक साइकिल और पिकअप वैन जलकर खाक हो गया। इस दौरान पूरे हाट बाजार में अफरातफरी का माहौल रहा और लोग इधर-उधर भागते नजर आए। एक घंटे की मशक्कत के बाद दमकल की गाड़ी व स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाया।

प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि प+टाखे जलाने के कारण ये हादसा हुआ। बाजार में पटाखे की दुकानें लगीं थी, जिसमें आ लगी और इसके बाद एक-एक कर पटाखे फटने लगे। अच्छी बात यह रही कि इसमें किसी के हताहत होने की अभी तक कोई सूचना नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन व पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। बहरागोड़ा के विधायक समीर कुमार मोहंती ने कहा कि लोग पूरे मकर संक्रांति के हाट का इंतजार करते हैं। क्योंकि यहां सस्ता सामान मिलता है। लेकिन आग लगाने के कारण लोगों को काफी नुकसान हुआ है ऐसे में मैंने प्रशासन से मुआवजे की बात की है। सरकार प्रभावित लोगों का सहयोग करेगी।

आग में जली गाड़ियां। ● फोटोन न्यूज

जली एक दर्जन से अधिक पटाखे की दुकानें : स्थानी लोगों ने बताया कि इस है बाजार में पटाखे की एक दर्जन से अधिक दुकानें सजी थी। और इस घटना के बाद सभी दुकानों में आग लग गई जिससे दुकानदारों को भारी नुकसान हुआ है। इसमें कुछ लोग मामूली रूप से झुलस भी गया है हालांकि किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। आग लगते ही पटाखा के सभी दुकानदार मौके से भाग निकले। वहीं, हाट में खरीदारी के लिए आनेवाले लोगों ने अपनी बाइक और दूसरी गाड़ियां को पटाखे की दुकानों के पास पार्क की थी। कई लोगों ने अपने वाहनों को वहां से हटा लिया। लेकिन कई की गाड़ियां इस आग के चपेट में आ गई।

टुसू की वजह से शनिवार को लगा था हाट

श्यामसुंदरपुर थाना क्षेत्र (चाकुलिया प्रखंड) एनएच 18 से सटे केरूकोचा मैदान में हर मंगलवार को हाट लगाया जाता है। लेकिन मकर संक्रांति को लेकर शनिवार को वहां हाट लगाया गया था। टुसू पर्व को देखते हुए यहां यहां पटाखे की दुकान भी सजी थी। इस दौरान किसी युवक ने पटाखा टेस्ट करने के लिए एक पटाखा फोड़ा। लेकिन वह पटाखा सीधे पटाखे की दुकान में छिटक कर चला गया है जिसके बाद एक के बाद एक पटाखे में विस्फोट होने लगा और धीरे-धीरे इस आग ने व्यापक रूप ले लिया। इसकी सूचना स्थानी लोगों ने अग्निशमन विभाग को दी मौके पर पहुंची टीम ने करीब 1 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

पटाखे की दुकान लगाने की नहीं थी अनुमति

वही इस घटना के बाद यह जानकारी सामने आई है कि बिना प्रशासन के अनुमति के पटाखे की दुकान इस है बाजार में लगाई गई थी। श्यामसुंदरपुर थाना के प्रभारी दिलीप विलूम ने बताया कि आग लगने से एक दर्जन से अधिक गाड़ियां जल गई। मकर संक्रांति को लेकर हाट में पटाखे की दुकानें लगाई गई थी, लेकिन इसकी परमिशन नहीं ली गई थी। पूरे मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस घटना में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ पुलिस उचित कार्रवाई करेगी। यह भी देखा जाएगा कि बिना अनुमति के कैसे पटाखे की दुकान में लगाई गई।

बंडामुंडा में आर्ट व क्राफ्ट प्रदर्शनी मेले का आयोजन

मेले में शामिल बच्चे। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : सेंट जेवियर्स पब्लिक स्कूल बंडामुंडा में आर्ट एवं क्राफ्ट का प्रदर्शनी मेले का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि उत्तर भारतीय समन्वय समिति के सदस्य युवा उद्यमी ओपी सिंह द्वारा फीता काट कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य अभिजीत आचार्य ,ओनकर पाण्डेय ,ने पुष्प भेंट कर उनका स्वागत किया। बच्चों के द्वारा बहुत ही सुन्दर सुन्दर चीजें बनाई गई। बच्चों ने वेस्टेज चीजों से बहुत ही सुन्दर आकृतियां बनाई जिसे घर पर लगाया जा सकता है। एक बच्चे ने तो बहुत सुंदर अयोध्या का राम मंदिर बनाया। बच्चों के मेहनत और जूनून की ओपी सिंह ने काफी सराहना किये। साथ ही कहा सेंट जेवियर्स पब्लिक स्कूल बच्चों के द्वारा ऐसे प्रदर्शनी लगाकर उनके हौसले को बढ़ावा दे रहा है ताकि बच्चे इस समाज में अपनी सोच को निर्भक हो कर कह सके ओर कुछ नया करने की कल्पना को समाज तक पहुंचा सकें इस प्रदर्शनी में कक्षा एक से लेकर कक्षा दसवीं तक के बच्चों ने भाग लिया। स्कूल प्रबंधन की ओर से कार्यक्रम को सफल बनाने में महेश्वर महंतों,लिपिका कुमारी, मीना ठाकुर,जया टोपनो, पंकज शर्मा का सहयोग रहा।

सुंदरगढ़ में ईवीएम व वीवीपैट नमूना प्रदर्शन केंद्र का उद्घाटन

PHOTON NEWS SUNDARGARH : जिलापाल कार्यालय परिसर में आज निर्वाचन विभाग की ओर से ईवीएम-वीवीपाट सैंपल डिस्प्ले सेंटर का उद्घाटन अतिरिक्त जिलापाल रवि नारायण साहू ने किया। अधिकारियों, कर्मचारियों, जनता, छात्रों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों आदि ने प्रदर्शन केंद्र में उपस्थित होकर ईवीएम और भीभीपाट के बारे में सीखा और प्रदर्शन माध्यम में मतदान कैसे किया जाता है, उन्हे समझाया गया और सभी ने दिलचस्पी के साथ समझे और अपनी अपनी राय भी रखा।

आगामी चुनावों के लिए चुनाव आयोग द्वारा चरणबद्ध तरीके से व्यापक तैयारियां की गई हैं। इसी कड़ी में सुंदरगढ़ जिला प्रशासन की ओर से चुनाव को लेकर व्यापक तैयारी की गयी है। इस चुनाव में जिले के 1555497 लोग मतदान करेंगे। इनमें से लगभग 35,875 नए मतदाता हैं जो पहली बार मतदान प्रक्रिया में भाग लेंगे। जिले में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। सभी लोगों को एक साथ भीभीपाट एवं ईवीएम मशीन का प्रशिक्षण देने हेतु आज जिला प्रशासन द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय में एक प्रदर्शन केन्द्र खोला गया। इसमें ईवीएम के साथ-साथ भीभीपाट की उपयोगिता और उनमें मतदान की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया।इस अवसर में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

बटन दबाकर इवीएम का उद्घाटन करते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने को लेकर बैठक का आयोजन, कहा-

एक सप्ताह के अंदर व्यापारी स्वयं अपनी दुकानों के सामने से हटा लेंगे अतिक्रमण

PHOTON NEWS CHAIBASA : सदर अनुमंडल पदाधिकारी के सभागार में शनिवार को विधायक दीपक बिरुवा की उपस्थिति में प्रशासन व व्यापारियों की बैठक हुई। जहां शहर के मुख्य मार्ग एवं बाजार में अतिक्रमण हटाने के अभियान चलाने को लेकर मंथन किया गया। बैठक में ने कहा गया कि व्यापारी एक सप्ताह के अंदर अपनी दुकानों के सामने से अतिक्रमण स्वयं हटा लेंगे। वरना प्रशासन कार्रवाई करेगा। यह भी कहा गया कि दुकानों के सामने सामान रखकर स्थाई व अस्थाई अतिक्रमण किया जा रहा है, जिससे रास्ता बेहद संकरा होता जा रहा है। इसके पूर्व शहर में पार्किंग स्थल बनाने का निर्देश नगर परिषद को दिया गया, ताकि शहर को व्यवस्थित किया जा सके। वही नगर परिषद के पदाधिकारी ने बताया कि शहर के विभिन्न जगहों में पार्किंग के लिए 14 जगह चिन्हित किया जा चुका है। जहां जल्द ही पार्किंग की सुविधा लोगों को उपलब्ध कराई। पार्किंग स्थल पर व्यवस्थित ढंग से खड़ी की जाएगी। पार्किंग स्थल पर वाहनों को खड़ी करने के लिए मार्किंग की जाएगी। इसके अंदर ही वाहन को पार्किंग किया जाएगा। इसके बाद भी यदि वाहन यहां वहां खड़ी मिलती है उसे जुमार्ना वसूली जाएगी। इसके अलावा मंगला हाट परिसर की साफ सफाई के अलावा वहां व्यवस्थित ढंग से दुकान लगाने की बात कही गई। उधर तांबो चौक पर सुबह व शाम को लग रही मार्केट को व्यवस्थित ढंग से लगाने का निर्देश अंचल अधिकारी को दिया गया। ताकि जान माल की हानि नहीं हो। मौके पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी अनिमेष कुमार, अंचलाधिकारी बुडाय सारू, चैंबर के मधुसूदन अग्रवाल, राजकुमार ओझा, नितिन प्रकाश, वकील खान, जिला बार एसोसिएशन के महासचिव रामेश्वर पासवान समेत नगर परिषद के सीटी मैनेजर संतोष बेदिया, लोकेश कुमार, ठेला खोमचा समिति के पदाधिकारी आदि शामिल थे।लिए गए थे उन्ही आवेदन कताओं का विशेष ग्राम

बैठक में विधायक दीपक बिरुवा व अन्य। ● फोटोन न्यूज

दिव्यांग को मिलेगा सहायता उपकरण

PHOTON NEWS ROURKELA : राज्य सरकार द्वारा राउरकेला छेंद आहुति भवन में महानगर निगम और जिला सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा इस शिविर का आयोजन किया गया।

ये अक्षम नहीं, बल्कि दिव्यांग हैं। सरकार के पास उनके हित के लिए कई योजनाएं हैं। लेकिन लाभुक को इसकी जानकारी नहीं है। इसलिए महानगर, ब्लॉक, पंचायत स्तर पर भीम भोई दिव्यांगजन सशक्तिकरण शिविरों का आयोजन किया गया। इस शिविर में मुख्य अतिथि श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक ने कहा सरकार दिव्यांग व्यक्ति के लिए विभिन्न योजना बनाई है। भत्ता से लेकर व्हील चेयर,बस पास विभिन्न सुविधा राज्य सरकार द्वारा दिया जा रहा है।इस सभी की जानकारी नही होने के कारण लाभार्थी इन सभी योजना की लाभ नही ले पारहे है। इस कार्यकर्म मे आज 100 से ज्यादा दिव्यांग व्यक्ति को पंजीकृत किया गाय।

शिविर में बोलते श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक। ● फोटोन न्यूज

साकची में प्रभात फेरी निकाल किया गुरुओं का गुणगान

JAMSHEDPUR : सिखों के दसवीं पातशाही श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज जी के 357वें प्रकाशोत्सव को समर्पित प्रभात फेरी का आयोजन साकची गुरुद्वारा परिक्षेत्र में किया गया। जिसमें शामिल श्रद्धालुओं ने गुरुओं की स्तुति की। शनिवार को दूसरे दिन प्रभात फेरी ने प्रातः साढ़े तीन बजे गुरु नानक नगर, साकची का भ्रमण किया। सर्वप्रथम गुरु चरणों में अरदास कर प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में शामिल संगत गुर गोबिन्द सिंह जी महाराज की गुरुबानी का शब्द गायन करते हुए साकची गुरु नानक नगर एवं काशीडीह क्षेत्र का भ्रमण किया। प्रभात फेरी को अपने निवास पर आमन्त्रित करने वाले श्रद्धालुओं ने संगत के लिए जलपान की व्यवस्था की थी।

मकर संक्रांति पर राउरकेला में गया के प्रसिद्ध तिलकुट की हो रही मांग

PHOTON NEWS ROURKELA : एक दिन बाद मकर संक्रांति है। इसको लेकर राउरकेला में त्योहार के दौरान विभिन्न वस्तुओं की खरीदारी के लिए बजारों में भीड़ उमड़ती है। इन सभी के बीच एक हिंदीभाषियों में तिलकुट की काफी मांग है। तिलकुट तिल और चीनी या गुड़ को मिलाकर तैयार किया जाता है। विशेषकर हिन्दी भाषी क्षेत्रों में इस तिल कुट मकर संक्रांति के दिन पूजा में लगती है। पहले मकर में यह तिलकुट बिहार के गया से आती थी। लेकिन अब इसे राउरकेला में तैयार किया जा रहा है।तिलकूट बनाने के लिए हर साल बिहार से कारीगर आते हैं। इसमें तिल और चीनी की लोहिया में मिलाकर कूट कर बनाया जाता है। फिर इसे पैक कर राउरकेला समेत विभिन्न शहरों में भेजा जाता है। राउरकेला से अब तिलकूट झारखंड भी जाता है। गया इस मिस्टान तिलकुट लोगो में बहुत प्रसिद्ध है, अब यह ओडिशा में बहुत लोकप्रिय हो गया है।

तिलकुट बनाते कारीगर। ● फोटोन न्यूज

तियू स्पोर्टिंग क्लब डीलियामार्चा की ओर से आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन

मेहनत और लगन के साथ खेलें खिलाड़ी : विधायक

खिलाड़ियों से परिचाय प्राप्त करते विधायक। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : सदर प्रखंड के तियू स्पोर्टिंग क्लब डीलियामार्चा की ओर से आयोजित तीन दिवसीय प्रतियोगिता का फाइनल सह समापन शनिवार को हुआ। फाइनल सह समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विधायक दीपक बिरुवा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति सदस्य सुभाष बनर्जी, समाजसेवी चंद्र मोहन देवगम, विजय बिरूली उपस्थित हुए। प्रतियोगिता का फाइनल मैच संजय ब्रदर्स बनाम ऋषभ ब्रदर्स के बीच खेला गया. इसमें संजय ब्रदर्स ने ऋषभ ब्रदर्स की टीम को ट्राईब्रेकर में हराकर चैंपियन बनी. वही 40 प्लस वर्ग में सदर पंचायत की टीम ने ट्राई ब्रेकर में जिला स्कूल एफसी को हराकर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।

विधायक जी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद गेंद को किक मार कर फाइनल मैच का शुभारंभ किया। मौके पर विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है. इसे देखते हुए झारखंड के हेमंत सोरेन की सरकार पंचायत व प्रखंड स्तर पर फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन कर युवाओं को आगे बढ़ने का मौका प्रदान कर रही है। खिलाड़ी अपनी मेहनत और लगन के साथ खेलें, सफलता जरूर मिलेगी। विधायक जी ने प्रतियोगिता के विजेता एवं उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए कहा कि खेल को हमेशा खेल की भावना से ही खेलना चाहिए। इस तरह के आयोजनों के माध्यम से ही हमारे गांव के प्रतिभा को निखारा जा सकता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के अध्यक्ष सुनील तियू, उपाध्यक्ष प्रीतम तियू, सचिव नारा तियू, उप सचिव सिंगा तियू, कोषाध्यक्ष अर्जुन तियू, किशोर, सिराम, कालीया, उदय , संजय, भूषण , सोमा, रवि, बामिया, आकाश, अमन, मानकी, जीवन, प्रमोद, जूली समेत अन्य सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा.

एकतरफा मुकाबले में एनसीसी जामदा ने फ्रेंडस कोल्टस को आठ विकेट से हराया

PHOTON NEWS CHAIBASA : जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रहे 8वीं अशोक कुमार जैन जिला नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत शनिवार को खेले गए मैच में बड़ा जामदा की नेशनल क्रिकेट क्लब ने चाईबासा के फ्रेंडस कोल्टस को एकतरफा मुकाबले में आठ विकेट से पराजित कर अगले राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली। स्थानीय बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी फ्रेंडस कोल्टस की पूरी टीम 16.2 ओवर में मात्र 67 रन बनाकर आल आउट हो गई। हलाँकि टीम की शुरूआत काफी अच्छी रही जब दोनों उद्घाटक बल्लेबाज यशराज एवं अमित गोप ने मात्र 6 ओवर में 40 रन ठोक डाले। परंतु इसी स्कोर पर हर्ष राज के आउट होते ही पूरी टीम मात्र 67 रन के स्कोर पर ढेर हो गई। हर्ष ने 24 तथा अमित ने 14 रन बनाए। अन्य कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच पाया। नेशनल क्रिकेट क्लब बड़ा जामदा की ओर से कप्तान यशस्वी गौतम ने घातक गेंदबाजी करते हुए मात्र सात रन देकर चार खिलाड़ियों को आउट किया जबकि आयुष आर्या ने 27 रन देकर 3 तथा सुरज कुमार ने 2 रन देकर 2 विकेट चटकाए। जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य को नेशनल क्रिकेट क्लब बड़ा जामदा की टीम ने 13.2 ओवर में मात्र दो विकेट खोकर प्राप्त कर लिया। गेदबाजी में अपना कमाल दिखाने वाले कप्तान यशस्वी गौतम ने बल्लेबाजी में भी अपना दम दिखाया और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सात चौकों की मदद से 38 नाबाद रन बनाकर टीम को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उद्घाटक बल्लेबाज अर्जुन ने भी 12 रनों का योगदान दिया। फ्रेंडस कोल्टस की ओर से अमित गोप एवं अनित रोशन कुजूर ने एक-एक विकेट हासिल किए।

एनसीसी जामदा की टीम। ● फोटोन न्यूज

कोल्हान विश्वविद्यालय में टुसू मिलन समारोह आयोजित

टुसू पर्व का खाद्य पदार्थ गुड़ पीठा व टुसू का प्रतीक चौडल रहा आकर्षण का केंद्र

PHOTON NEWS CHAIBASA : कोल्हान विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के तत्वाधान में शनिवार को वार्षिक टुसू मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कोल्हान विश्वविधालय के कुलसचिव डॉ. राजेंद्र भारती, मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविधालय के कुड़माली सहायक प्राध्यापक डॉ. निताय चंद्र महतो उपस्थित थे। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करने के उपरांत टुसू जागरण गीत के साथ हुआ। अथितियों का स्वागत अपने अभिभाषण में विभाध्यक्ष डॉ. सुनील मुर्मू ने किया तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत गमछा देकर किया गया। कार्यक्रम के विषय पर इस कार्यक्रम के संयोजक सुभाष चन्द्र महतो ने विस्तृत जानकारी साझा करते हुए इस कार्यक्रम के उद्देश्य से छात्रों को अवगत करवाया। कुड़माली पारंपरिक लोकगीतों एवं वाद्ययंत्रों के धुन में पारंपरिक वेशभूषा में आए कुड़माली संकाय के विद्यार्थी जमकर झूमे एवं अपनी समृद्ध भाषा-संस्कृति को प्रदर्शित किया। कुड़माली के पारंपरिक खाद्य पदार्थ गुड़ पीठा एवं टुसू का प्रतीक चौडल आकर्षण का मुख्य बिंदु था। उक्त अवसर पर डॉ. निताय चंद्र महतो द्वारा टुसू से संबंधित संपूर्ण जानकारी साझा किया गया। अपने भाषण के दौरान दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार ने जनजातियों के संस्कृति से जुड़े तमाम विषयों को केवल जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग में ही नहीं बल्कि सभी विभागों के पाठ्यक्रम में शामिल करने की बात कही गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बसंत चाकी ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन निशोन हेंब्रम ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से विश्वविधालय के कुलानुशासक डॉ. एम ए खान, विभिन्न विभाग के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए।

टुसू मेले का निरीक्षण करते अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

शीतलहर की चपेट में बिहार

3.5 डिग्री सेल्सियस लुढ़का पटना का पारा, हार्ट अटैक के 25, ब्रेन हेमरेज के 35 मरीज भर्ती

एजेंसी

पटना । बिहार में हिमालय से आ रही ठंडी हवा ने पटना समेत पूरे बिहार में कड़ाके की ठंड बढ़ा दी है। पटना में एक दिन में पारा 3.5 डिग्री सेल्सियस लुढ़क गया। आज भी कई जिलों में धूप निकलने की संभावना नहीं है। सबसे ठंडा जिला गया रहा। आईजीआईएमएस में हार्ट अटैक के 25, ब्रेन हेमरेज के 35 मरीज भर्ती किए गए हैं। ठंड को देखते हुए पटना समेत कई जिलों में नर्सरी से 8वीं तक के सभी स्कूल 16 जनवरी तक बंद कर दिए गए हैं। हालांकि, 9वीं और उससे ऊपर की कक्षाएं सुबह 10 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक संचालित होता रहेगा। कोहरे की वजह से ट्रेन और फ्लाइट्स लेट हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो से तीन दिनों तक शीतलहर और शीत दिवस को लेकर पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने यलो अलर्ट जारी किया है।मधुबनी में 15 तक पांचवीं तक के क्लास की छुट्टी कर दी गई है। सीतामढ़ी में 16 जनवरी तक निजी व सरकारी स्कूल बंद करने का आदेश दिया गया है। छपरा में 13 जनवरी से 16 जनवरी तक मिडिल स्कूल का संचालन बंद रहेगा। गोपालगंज में भी 8 तक क्लासेज को स्थगित कर दिया गया है। मुंगेर में भी क्लास 1 से 8 तक स्कूल बंद रहेगा।पटना में आठवीं कक्षा तक के स्कूल 13 से 16 जनवरी तक पूरी तरह बंद रहेंगे। पटना की ऊपरी कक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक खुली रहेंगी। गया, मुजफ्फरपुर, पश्चिम चंपारण, सारण, वैशाली,दरभंगा में भी स्कूल बंद करने का आदेश दिया गया है।मौसम विभाग के वैज्ञानिक एसके पटेल ने बताया है कि 17 जनवरी को पटना, गया समेत कई जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं, शनिवार को गया और पटना में शीतलहर की स्थिति बन सकती है। पछुआ सर्द हवा का राज्य में प्रवेश हो गया है। अगले तीन दिन में पटना समेत पूरे बिहार का न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री तक लुढ़क सकता है। गया में 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे पारापटना का न्यूनतम तापमान एक दिन में 3.5 डिग्री सेल्सियस गिर गया है। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि गुरुवार को 11.6 डिग्री सेल्सियस था। बिहार में सबसे ज्यादा सर्द गया रही।

संक्षिप्त डायरी

नाबालिग से रेप आरोपी 17 साल का लड़का

बांका । बांका में 15 साल की किशोरी के साथ 17 साल के नाबालिग किशोर ने रेप की घटना को अंजाम दिया गया है। किशोरी की मां ने बताया कि पिता को खेत पर खाना देने के लिए बेटी गई हुई थी। सूचना के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए नाबालिग लड़के को हिरासत में लेकर पूछताछ किया। घटना शुक्रवार देर शाम सामने आया है।जानकारी के अनुसार बांका के अमरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में पिता के खाना लेकर बहियार जा रही नाबालिग किशोरी के साथ गांव के ही एक नाबालिग लड़के ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने का मामला सामने आया है। किशोरी ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि मुझे पकड़ कर जबरदस्ती मेरे साथ दुष्कर्म किया गया है। इस घटना को लेकर पीड़िता की मां ने गांव के ही आरोपित नाबालिग लड़के के खिलाफ थाना में केस दर्ज कराई है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए रेप के आरोपी नाबालिग लड़का को पकड़ लिया है, जिससे पुलिस पूछताछ कर रही है। पीड़िता की मां ने बताया कि वह अपने पिता के लिए खाना लेकर बेटी के साथ बहियार जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में खाना गिर पड़ा। वह फिर खाना लाने घर लौटी, और बेटी को बहियार जाने के लिए बोली। जब थोड़ी देर बाद लौटी तो बहियार के सिंचाई डांड ही उसकी बेटी के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। वह दौड़ कर मौके पर पहुंची तो आरोपी मौके से भाग गया।

ठंड को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

मुंगेर । मुंगेर सदर अस्पताल में बढ़ते ठंड के बीच अस्पताल प्रशासन के द्वारा मरीज के लिए खास व्यवस्था की गई है। जिससे कि अस्पताल में भर्ती मरीजों को राहत मिल सके। ठंड को देखते हुए अस्पताल प्रशासन के द्वारा सदर अस्पताल के पुरुष वार्ड के अलावा महिला वार्ड में भर्ती मरीजों के स्वास्थ्य को देखते हुए वार्ड में गर्म हवा देने वाली ब्लोअर मशीन लगाया गया है। जि सदर अस्पताल के पुरुष सर्जिकल वार्ड 01, पुरुष सर्जिकल वार्ड 02 के अलावा महिला वार्ड में 22 गर्म हवा देने वाली मशीन लगाई गई है। इस संबंध में सदर अस्पताल उपाधीक्षक ने बताया कि अभी फिलहाल पुरुष वार्ड और महिला वार्ड में छह जगहों पर गर्म हवा देने वाली मशीन लगाया गया है इसका मुख्य कारण है कि इधर कुछ दिनों से ठंड में अत्यधिक वृद्धि हुई है और वार्ड में जो भर्ती मरीज है उन्हें ठंड के कारण किसी प्रकार की परेशानी ना हो उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए अस्पताल प्रशासन के द्वारा यह पल किया गया है। जरूरत पड़ने पर अन्य जगह भी लगाया जा सकता है। वहीं सदर अस्पताल में गर्म हवा देने वाली मशीन लगने के बाद वार्ड में भर्ती मरीज और उसके परिजनों ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से ठंड में अत्यधिक वृद्धि हो जाने के बाद काफी ज्यादा ठंड लगती थी अस्पताल प्रशासन के द्वारा कंबल भी दिया जाता है लेकिन बावजूद ठंड लग रही थी लेकिन जब से यह मशीन गर्म हवा देने वाली लगाया गया है तब से वार्ड के अंदर काफी ज्यादा सुकून मिल रहा है। मरीज और उसके परिजनों ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग का या बेहतर पहल है।

स्मैक का सेवन करते लड़कों का वीडियो वायरल

पूर्णिया ।पूर्णिया में एक वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में 2 लड़के को कमरे में बैठकर स्मैक का सेवन करते देखा जा रहा है। वायरल वीडियो में मोबाइल के कवर में रखे स्मैक की खेप को सिगरेट की कश के साथ लेते दोनों लड़कों को देखा जा सकता है। वहीं ये वायरल वीडियो सहायक खजांची थाना क्षेत्र के लाइन बाजार के नूर आलम लॉज की बताई जा रही है।58 मिनट के वायरल वीडियो में दिख रहे लड़कों की पहचान नहीं हो सकी है। हालांकि, वायरल वीडियो शहर के सहायक खजांची थाना के लाइन बाजार स्थित डॉ. डी एन राय गली में मौजूद नूर आलम नामक किसी लॉज की बताई जा रही है।वायरल वीडियो में दोनों लड़के को एक कमरे में बैठे देखा जा सकता है। इसी बीच कमरे में किसी तीसरे शख्स की एंट्री होती है। जो दोनों का वीडियो बना रहा होता है। वीडियो में विस्तर पर मोबाइल फोन के कवर पर रखे गए स्मैक की खेप को देखी जा सकती है। इस स्मैक को वे सिगरेट की कश के साथ लेते दिख रहे हैं।वायरल वीडियो को लेकर सहायक खजांची थाना अध्यक्ष शशि कुमार भगत ने बताया कि वायरल वीडियो में दिख रहें लड़के कौन हैं। इसका पता लगाया जा रहा है।

कोचिंग जा रही छात्रा के साथ रेप

ाया के अतरी थाना क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग छात्रा से गलत काम किये जाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस मामले में पीड़िता के परिजनों ने आरोपी के घर पर चढ़ कर हंगामा किया। इसके बाद आरोपी युवक को अरेस्ट कर लिया गया। पीड़िता 14 वर्ष की है और वह 8 वीं में पढ़ती है।छात्रा शुक्रवार को लगभग दो बजे अपने गांव से कोचिंग जा रही थी। कोचिंग नीमचक बथानी थाना क्षेत्र के बहोरमा गांव के पास है। इसी बीच रास्ते में एक युवक छात्रा को सरसों के खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया। इसके बाद छात्रा रोते हुए वापस घर लौट गई और अपने परिजन को पूरी घटना की जानकारी दी। लड़की की आपबीती सुनकर परिजन भड़क गए। छात्रा के परिजन और गांव के लोगों ने बहोरमा गांव पहुंचकर आरोपी युवक के घर पर चढ़ कर हंगामा करने लगे।स्थिति गम्भीर होने की आशंका को देखते हुए बहोरमा के लोगों ने हंगामा की सूचना पुलिस को दे दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची।

भगवान राम सबके कोई हक ना जताए

दरभंगा ।दरभंगा के पूर्व सांसद कृति आजाद ने कहा कि जिस दिन सुप्रीम कोर्ट का आदेश आया था तब से बड़ी प्रसन्नता है। सभी जानते हैं कि हम लोग मिथिला से आते हैं। सीता मां के जन्म स्थली है और प्रभु श्री राम का ससुराल है। इससे बढ़कर हमारे लिए और प्रसन्नता की बात क्या होगी कि भगवान राम का भव्य मंदिर बन रहा है।उन्होंने कहा कि जरूरी नहीं कि हम 22 तारीख को ही वहां जाएं। अगर हम 22 को नहीं जायेंगे तो सनानत धर्म के हम विरोधी हैं ये तो गलत है। अभी दो शंकराचार्य ने कहा कि अभी मंदिर पूरा बना नहीं है अधूरा है, उन लोगों ने भी आने से इंकार कर दिया है। तो क्या वो भी सनातन विरोधी है। ऐसा नहीं है इसे राजनीतिक रंग नहीं देना चाहिए। जब राम मंदिर तैयार हो जाएगा। मां सीता की तरफ से यहां से हम लोग लाखों की संख्या में जाएंगे और मंदिर में जाकर पूजा अर्चना करेंगे।कृति आजाद ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि ये तो शुरू से पता है कि ये लोग धर्म के नाम पर लोगों को लड़ाते हैं। लेकिन राम तो सबके हैं। भारतीय जनता पार्टी का कॉपी राइट नहीं है। रामनवमी के दिन अवश्य जब तक मंदिर तैयार हो गया था उस दिन करना चाहिए था। क्युकी उस दिन रामलाला के छोटे बचपन की मूर्ति लग रही है।उसकी प्राण प्रतिष्ठा होनी।सियाराम बोलने में क्या दिक्कतउन्होंने कहा कि मैने ऐसा नहीं कहा कि भगवान राम त्रेता काल से हैं। अगर मां सीता नहीं होतीं तो भगवान राम को भी ये प्रताप नहीं मिलता जो मिला। मुझे बड़ा अजीब लगता है जब लोग श्री राम बोलते हैं।

लोग बोलते है गौरी शंकर, राधा कृष्ण, लक्ष्मी नारायण तो सिया राम क्यों नही।

बालू घाट पर पुलिस टीम पर हमला

एजेंसी

नवादा । नवादा के गोविंदपुर थाना क्षेत्र के करणपुर बालू घाट पर असामाजिक तत्वों ने पुलिस पर हमला कर दिया है। जिसमें थानाध्यक्ष राजीव कुमार पटेल समेत 4 पुलिसकर्मी जख्मी हो गए हैं। घटनास्थल पर जमकर रोड़ेबाजी की गई। जहां घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस की टीम द्वारा कैंप किया जा रहा है।मौके पर पहुंचे रजौली एसडीपीओ पंकज कुमार ने बताया कि खनन विभाग के अधिकारी मुकेश कुमार बालू घाट पर पहुंचे थे। ग्रामीणों का कहना था कि बगैर टेंडर घाट से बालू खनन किया जा रहा है। इसके आलोक में खनन विभाग के अधिकारी मुकेश ग्रामीणों को बता रहे थे कि बालू घाट का टेंडर हो गया है। लेकिन कुछ ग्रामीण खनन में लगे पोकलेन को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसकी सूचना पर पुलिस वहां पहुंची थी। लोगों को समझाने का प्रयास किया जा रहा था। तभी उग्र लोगों ने पुलिस पर हमला कर दिया। जिसमें थानाध्यक्ष राजीव कुमार पटेल समेत अन्य घायल हो गए। इसे लेकर खनन विभाग और पुलिस की तरफ से दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। इसके बाद उपद्रवियों को गिरफ्तार किया जाएगा। जानिए क्या है मामला रोह प्रखंड क्षेत्र के गोविंदपुर थाना अंतर्गत डुमरी से सटे करनपुर बालू घाट का है। कर्मियों से पांच लाख रुपए की रंगदारी की मांग करने का मामला सामने आया है। संगम यादव ने आरोप लगाया है कि रंगदारी नहीं देने पर बालू घाट पर असामाजिक तत्वों द्वारा संचालित हो रहे बालू घाट पर तोड़-फोड़ किया गया है। इस मामले में बालू घाट के मालिक ने गोविंदपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

ट्रेन से कटकर शख्स की मौत

जमुई । जमुई के हावड़ा पटना मुख्य रेल मार्ग के झाझा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4 के पास ट्रेन से कट कर एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने आसपास के लोगों से मृतक के बारे में पूछताछ की। लेकिन पहचान नहीं हो सकी है। ऋद्ध ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए कागजी प्रक्रिया कर जमुई अस्पताल भेज दिया है। घटना शुक्रवार रात 2 बजे की है।जानकारी के अनुसार एक 40-45 साल के व्यक्ति की मौत झाझा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4 पर ट्रेन से कटकर हो गई है। यात्रियों द्वारा इसकी सूचना जीआरपी पुलिस को दी गई है।पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन में जुट गई है। झाझा जीआरपी अध्यक्ष बृंद कुमार ने बताया कि झाझा स्टेशन का प्लेटफार्म नंबर चार पर एक व्यक्ति की ट्रेन से कट कर मौत हो गई। इसकी पहचान नहीं हो पाई है।

नेपाल से दो भाई अयोध्या के लिए पैदल निकले

बगहा ।राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होनी है। इसको लेकर पूरा भारत इस समय राम मय हो चुका है। पूरे भारत वर्ष के साथ-साथ नेपाल के लोग अयोध्या पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए नेपाल के बिरगंज स्थित इरवा से सोहेल राज यादव अपने छोटे भाई राकेश यादव के साथ पैदल ही अयोध्या यात्रा पर निकल गए हैं। शुक्रवार को यह दोनों भाई बगहा एक प्रखंड के पतिलार पहुंचे जहां पर लोगों ने इनका भव्य स्वागत किया। इन्होंने बताया कि 30 किलो मीटर प्रतिदिन यात्रा करते हैं।3 दिन पहले इन्होंने यात्रा की शुरूआत की 21 तारीख को यह दोनों भाई अयोध्या पहुंच जाएंगे। अयोध्या में श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा में सम्मिलित होंगे। अपनी यात्रा में दोनों भाई भक्ति भाव में डूबे हुए है। उन्होंने बताया कि यात्रा में उन्हें किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं हो रही। लोग भक्ति में डूबकर उनके लिए रास्ते में भोजन और रहने का प्रबंध कर रहे। उनकी पूरी श्रद्धा भगवान राम में है, और वो अयोध्या में होने वाले इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनना चाहते हैं। इसी का संकल्प ले कर उन्होंने अपनी यात्रा शुरू की है। भगवान ने चाहा तो 21 जनवरी तक निश्चित ही पैदल यात्रा करके अयोध्या पहुंच जायेंगे।

घटना को अंजाम देने के दौरान अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी

मोतिहारी ।मोतिहारी पुलिस ने अपराध की योजना बनाते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने एक देसी पिस्टल, छह गोली बरामद किया है। इससे पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सभी बदमाशों की गिरफ्तारी छतौनी थाना क्षेत्र से हुई है।एसपी कांतेश मिश्रा को गुप्त सूचना मिली शिवहर जिला के तरियानी प्रखंड के एक समिति का प्रमुख चुनाव के लिए प्रमुख समर्थक द्वारा उठाया गया है। जिसे नेपाल से लाया जा रहा है। इसको लेकर दूसरा गुट उसे हथियार के दम पर मुक्त कराया चाह रहा था। इसी दौरान अभी छतौनी थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के पास हथियार के दम पर धक्का मुक्की करते हुए देखे गए। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस सभी को हिरासत में लेकर थाना पहुंची जब पूछताछ किया तो पूरे मामले का खुलासा हुआ।एसपी ने बताया कि इस टीम का नेतृत्व एएसपी राज कर रहे थे, छापेमारी में पांच व्यक्ति को लोडेड एक देसी पिस्टल और कार के साथ छतौनी थाना क्षेत्र के पकड़ीदयाल-मधुबन मुख्य सड़क से गिरफ्तार किया

सेना की वर्दी में सैनिकों को ही ठगा

एजेंसी

पटना । पटना के दानापुर में सेना में नौकरी दिलाने के नाम ठगी करने वाले दलाल को सेना की वर्दी में गिरफ्तार किया है। उसके पास से आर्मी का आई कार्ड भी मिला है। उसे आर्मी इंटेलिजेंस और दानापुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है।दलाल ने कई युवाओं को भर्ती कराने के नाम पर ठगा है। गिरफ्तार आरोपी गंगा सेवक यूपी के गोरखपुर के मोती राम अड्डा राम लखन का निवासी है। फिलहाल पटना के तकियापर में किराये के मकान में रहता है। गिरफ्तार गंगा सेवक से पुलिस पूछताछ कर रही है।दो साल से आर्मी इंटेलिजेंस की टीम इसके पीछे लगी हुई थी। इसे शुक्रवार की शाम दानापुर कैंट इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। शातिर गंगा सेवक सेना की वर्दी पहन कर लोगो को अपने झांसे में ले ठगी का शिकार बनाया करता था। गिरफ्तार गंगा के पास से सेना के फर्जी आई कार्ड, कैंटीन कार्ड समेत अन्य कागजात बरामद किया गया है। गिरफ्तार गंगा इतना शातिर था की अपनी पत्नी का इलाज मिलिट्री हॉस्पिटल और एयरफोर्स के हॉस्पिटल तक में करवाया था।3.75 लाख ठगा थावहीं, दलाल गंगा सेवक ने सेना में बहाली करने के नाम पर कई युवकों को ठगा है। उसने भूतपूर्व सेना के जवान प्रिय रंजन को भी उसके पुत्र को नौकरी दिलाने के नाम पर उनसे 3 लाख 75 हजार रुपए ठग लिया।इस संबंध में भूतपूर्व सेना के जवान वैशाली निवासी प्रियरंजन ने दानापुर थाना में लिखित शिकायत दिया है। लिखित शिकायत में उन्होंने ने बताया की कैंटीन से समान लेने के दौरान गंगा सेवक से पहचान हुई। वह आर्मी में वर्दी में था।उसने कहा कि उसकी पहचान बड़े साहब से है। आपको बच्चे की नौकरी लगवानी हो तो बताना। उसके वर्दी में होने और आईडी कार्ड देख मैं उसके झांसे में आ गया। उसने पहले कहा कि इसके लिए आपको कुछ नहीं देना होना। बात होने के कुछ दिनों बाद उसने एक फॉर्म भरने के लिए कहा।फॉर्म भरने के कुछ दिन बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए मांगा। डॉक्यूमेंट देने के बाद उसने कहा कि पुराने वाले साहब का ट्रांसफर हो गया है। नए वाले साहब चार लाख का डिमांड कर रहे है। इसके बाद प्रिय रंजन ने कहा कि पैसे देकर उसके बेटे को नौकरी नहीं चाहिए। उसे उसका डॉक्यूमेंट लौटा दे। लेकिन उसने नहीं दिया। कुछ दिनों बाद मेरे पुत्र के नाम पर ज्वाइनिंग लेटर और आईडी कार्ड घर पहुंचा।इसके बाद मैंने उसे 3 लाख 75 हजार उसके अकाउंट में भेज दिया। जब ज्वाइनिंग लेटर और आईडी कार्ड की जांच की तो उसे फर्जी पाया। इसके बाद इस

सबसे लंबा सेतु

भारत के सबसे लंबे और विश्व के 12वें सबसे लंबे सेतु का शुक्रवार को उद्घाटन सुखद और स्वागतयोग्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक का उद्घाटन किया है और इसके बाद मुंबई और नवी मुंबई के बीच की दूरी काफी कम हो गई है। जाहिर है, यह भारत में समुद्र पर बना सबसे लंबा पुल भी है, जिसका नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर अटल सेतु रखा गया है। यह पुल इस्पात से होने वाले निमार्णों के बीच एक मिसाल है, जिसमें एफिल टॉवर से भी 17 गुना ज्यादा इस्पात का इस्तेमाल हुआ है, मतलब, हावड़ा ब्रिज से चार गुना ज्यादा। 17,840 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करके बना भव्य अटल सेतु लगभग 21.8 किलोमीटर लंबा है, इस पर छह लेन हैं। मतलब, बड़ी संख्या में गाड़ियां इससे गुजर सकेंगी। यह सेतु देश की व्यावसायिक राजधानी मुंबई की सुंदरता-भव्यता में शुमार हो गया है। पुल से प्रतिदिन 70,000 वाहन गुजरेंगे। इससे मुंबई को जो राहत मिलेगी, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। भारत में तेज विकास के लिए बुनियादी ढांचे का विकास जरूरी है और इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। करीब छह वर्ष तक असम-अरुणाचल प्रदेश में लोहित नदी पर बना 9.15 किलोमीटर का भूपेन-हजारिका सेतु या ढोला-सदिया सेतु देश में सबसे लंबा था। इस सेतु ने 35 साल बाद पटना-हाजीपुर को जोड़ने वाले 5.75 किलोमीटर लंबे गांधी सेतु का रिकॉर्ड तोड़ा था। मतलब, गांधी सेतु की तुलना में अटल सेतु साढ़े तीन गुना से भी ज्यादा लंबा है। देश के दस सबसे लंबे पुलों में से सर्वाधिक चार बिहार में हैं, चारों गंगा नदी पर बने हैं। जैसे बिहार में गांधी सेतु लंबे समय तक जीवन रेखा की तरह रहा है, ठीक वैसे ही अटल सेतु मुंबई के लिए बन जाएगा। वैसे पांच वर्ष पहले तैयार मुंबई में ही बांद्रा-वर्ली सी लिंक भी देश की व्यावसायिक राजधानी की एक ताकत बना हुआ है। बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए ऐसे बड़े-छोटे अनेक पुलों की जरूरत देश के शहरों में है। जिन शहरों से नदियां बहती हैं, उनमें तो पुल और भी जरूरी हैं। जैसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को ही अगर लिया जाए, तो छह से ज्यादा पुलों के बावजूद जाम की स्थिति बनी रहती है। नदी, समुद्र या झील हो या कोई घनी बस्ती, जाम की स्थिति से बचने के लिए भी सेतु निर्माण सुरंग निर्माण की तरह ही बेहतर विकल्प है। बहरहाल, गौर करने की बात है कि विगत वर्षों में भारत में मूलभूत ढांचा विकास में बहुत तेजी आई है। तेज गति से सड़कों का निर्माण हो रहा है। दिल्ली और मुंबई के बीच में एक्सप्रेस-वे तैयार हो रहा है, जिससे 12 घंटे में यात्रा पूरी हो सकेगी। उत्तर प्रदेश की ही अगर बात करें, तो दिल्ली से जौनपुर तक तीन-तीन एक्सप्रेस-वे हैं और गंगा एक्सप्रेस-वे तैयार हो रहा है। डेढ़ अरब आबादी की ओर बढ़ते देश में तेज विकास के लिए सड़कों और सेतुओं का जाल बिछना सुनिश्चित है। विकसित देशों ने यह ढांचागत विकास बहुत पहले ही कर लिया है। तभी तो कम आबादी वाले देशों में भी खूब सड़कें और लंबे सेतु बने हुए हैं।

स्वच्छता के पैमाने पर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इंदौर और सूरत को संयुक्त रूप से देश के सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार देकर पूरे देश को सकारात्मक संदेश दिया है। इंदौर को यह सम्मान लगातार सातवीं बार मिलना यह स्पष्ट कर देता है कि साफ-सफाई रखने की प्रवृत्ति इंदौरवासियों और वहां के स्थानीय प्रशासन के स्वभाव में शुमार हो चुकी है। अभियान चलाकर तो कोई भी शहर सफाई कर सकता है, पर सफाई के एक स्तर को निरंतर बनाए रखना बहुत मानीखेज है। सूरत ने संयुक्त रूप से पुरस्कार जीतकर कतई चौंकाया नहीं है। सूरत में साल 1994 में प्लेग भयानक रूप से फैला था और उसके बाद से ही उस शहर ने युद्ध स्तर पर साफ-सफाई का बीड़ा उठाते हुए अपना कायाकल्प कर लिया, नतीजा सामने है। तीन दशक से यह शहर स्वच्छता का एक स्तर बनाए चल रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि विगत दशक भर में स्वच्छता सर्वेक्षण पुरस्कारों का महत्व साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। पिछले साल के पुरस्कारों में तीसरे स्थान पर रही नवी मुंबई ने अपना स्थान कायम रखा है। उत्तर प्रदेश के लिए यह खुशखबरी है कि वाराणसी और प्रयागराज को सबसे स्वच्छ गंगा शहर घोषित किया गया है। तीन से दस लाख की आबादी वाले शहरों में नोएडा को दूसरा स्थान मिला है, मगर समग्रता में उसकी रैंकिंग घटकर 15 हो गई है। साल 2021 में नोएडा देश का नौवां सबसे स्वच्छ शहर बन गया था। नई दिल्ली में स्थित विशेष एनडीएमसी क्षेत्र समग्रता में सातवें स्थान पर है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आने वाले तमाम शहरों को स्वच्छता के पैमाने पर ऊपर रहना चाहिए, पर पर्याप्त प्रयास, संसाधन और योजना के अभाव में ऐसा नहीं हो पा रहा है। एक पहलू यह भी है कि यहां बढ़ती आबादी भी स्वच्छता को लगातार चुनौती दे रही है। फिर भी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित शहरों से ज्यादा उम्मीद करना गलत नहीं है। इन शहरों को आबादी का बोझ संभालने के लिए ज्यादा तैयार रहना होगा। साथ ही, यहां प्रदूषण से मुकाबले के लिए भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। इंदौर की प्रशंसा करते हुए यह भी ध्यान में रखना होगा, सवा तीन करोड़ से ज्यादा लोग दिल्ली के मेट्रो क्षेत्र में रहते हैं, जबकि इंदौर की आबादी 33 लाख के करीब है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित सभी शहरी निकाय, विभाग और निजी संस्थाएं भी परस्पर समन्वय व जन-भागीदारी के साथ अगर गंदगी और प्रदूषण से निपटने की योजना बनाकर काम करें, तो ज्यादा सार्थक होगा।

अमृतकाल में रामराज्य की संकल्पना हो रही है साकार

ANALYSIS

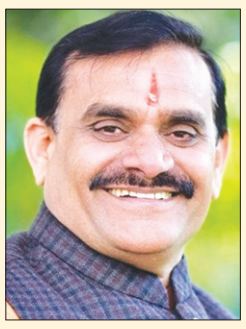

विष्णुदत्त शर्मा

प्रभु श्रीराम हमारी संस्कृति के आधार हैं, भारत के जनमानस के विचार हैं और मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संकल्प स्वरूप यह भी कहा था कि राम काज किन्हें बिनु, मोहि कहां विश्राम...। 22 जनवरी 2024 को भव्य-दिव्य मंदिर में हमारे रामलला विधि-विधान के साथ विराजने जा रहे हैं। सांस्कृतिक सभ्यता से परिपूर्ण हमारा भारत सरयू के किनारे एक स्वर्णिम अध्याय रचने जा रहा है। सोमनाथ से लेकर काशी विश्वनाथ तक अयोध्या धाम इतिहास गढ़ने जा रहा है। आज संपूर्ण भारत राममय होकर आनंदित है। हर मन प्रफुल्लित है और भारतवासी भावुक हैं क्योंकि पांच सदियों का इंतजार खत्म होने जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की दृढ़ संकल्प शक्ति और कर्तव्य परायणता से अयोध्या धाम में श्री राम मंदिर निर्माण के साथ ही अनेक विकास परियोजनाओं के सृजन से अद्भुत अलौकिक वातावरण का निर्माण होने जा रहा है। हमारे रामलला की प्राण प्रतिष्ठा केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, अपितु यह हमारे सांस्कृतिक अभ्युदय का प्रतीक है।

राम राज बैठे त्रैलोका। हर्षित भए गए सब सोका।। यह चौपाई अब वास्तविकता बनने जा रही है जब श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से चहुंओर हर्ष और आनंदमय वातावरण होगा। 5 अगस्त 2020 को राममंदिर की आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जय सियाराम के उद्घोष के साथ अपने संबोधन में कहा था कि आप भगवान राम की अद्भुत शक्ति देखिए... इमारतें नष्ट हो गईं, अस्तित्व मिटाने का भरसक प्रयास हुआ, लेकिन प्रभु श्रीराम आज भी हमारे मन में बसे हुए हैं। प्रभु श्रीराम हमारी संस्कृति के आधार हैं, भारत के जनमानस के विचार हैं और मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संकल्प स्वरूप यह भी कहा था कि राम काज किन्हें बिनु, मोहि कहां विश्राम...। 22 जनवरी 2024 को भव्य-दिव्य मंदिर में हमारे रामलला विधि-विधान के साथ विराजने जा रहे हैं। सांस्कृतिक सभ्यता से परिपूर्ण हमारा भारत सरयू के किनारे एक स्वर्णिम अध्याय रचने जा रहा है। सोमनाथ से लेकर काशी विश्वनाथ तक अयोध्या धाम इतिहास गढ़ने जा रहा है। आज संपूर्ण भारत राममय होकर आनंदित है। हर मन प्रफुल्लित है और भारतवासी भावुक हैं क्योंकि पांच सदियों का इंतजार खत्म होने जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की दृढ़ संकल्प शक्ति और कर्तव्य परायणता से अयोध्या धाम में श्री राम मंदिर निर्माण के साथ ही अनेक विकास परियोजनाओं के सृजन से अद्भुत अलौकिक वातावरण का निर्माण होने जा रहा है। हमारे रामलला की प्राण प्रतिष्ठा केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, अपितु यह हमारे सांस्कृतिक अभ्युदय का प्रतीक है। यह प्राण प्रतिष्ठा आस्था, धैर्य और संकल्प के विजय का परिचायक है। यह

हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक स्मृतियों एवं आध्यात्मिक मूल्यों का प्रतिबिंब भी है। अयोध्या में बना यह मंदिर देश के लिए सिर्फ पूजा स्थल नहीं बल्कि यह हमारे पूर्वजों के तप, त्याग और संकल्प का स्थायी प्रेरणापुंज है। जिन कारसेवकों के आंदोलन रूपी तपस्या के फलस्वरूप श्री रामलला का मंदिर आकार ले पाया है, वह आंदोलन अर्पण, तर्पण और संकल्प से ओत-प्रोत था। उसका लक्ष्य सिर्फ राम मंदिर नहीं अपितु रामराज्य स्थापित करना भी था। वर्ष 2014 में देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के पश्चात नरेन्द्र मोदी ने इसी रामराज्य की संकल्पना को साकार करने के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा के साथ कार्य किया है। मोदी सरकार ने एक ओर सदियों से उपेक्षित सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक मान्यताओं को प्रतिस्थापित किया तो दूसरी ओर गरीब कल्याण को प्राथमिकता के रूप में अपनी सरकार का लक्ष्य बनाया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने अनुच्छेद 370 की बेड़ियों से मां भारती को आजाद कराना, तीन तलाक की कुरीति से अल्पसंख्यक बहनों को मुक्ति दिलाना, माताओं-बहनों को रसोई में खतरनाक धुएं से मुक्ति दिलाने के लिए गैस सिलेंडर, नारी शक्ति की गरिमा की रक्षा के लिए शौचालय का निर्माण, आयुष्मान भारत योजना के जरिए स्वास्थ्य सेवा, हर गरीब के सिर पर छत हो उस हेतु प्रधानमंत्री आवास योजना, कोई भूखा न रहे इस हेतु 80 करोड़ देशवासियों के लिए मुफ्त राशन की व्यवस्था, किसानों के लिए किसान सम्मान निधि, पिछले सात दशकों से देश को लूटने वाले भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कठोर कदम, कोरोनाकाल में हर भारतीय को मुफ्त वैक्सीन का प्रबंध जैसे अनेकों ऐतिहासिक कार्य किए। मोदी सरकार ने रामराज्य की अवधारणा को साकार करने के लिए हर संभव प्रयास किये है। दरअसल, किसी भी लोकतंत्र की गुणवत्ता उसके नेतृत्वकताओं पर निर्भर करती है। नेतृत्वकर्ता यदि त्यागी, तपस्वी और न्याय प्रिय है तो निश्चित ही लोकतंत्र सफल होगा जैसा प्रभु श्रीराम के राज में था। वर्षों बाद प्रभु कृपा से ही पुनः भारत को इसी प्रकार त्यागी, तपस्वी और न्याय प्रिय नेतृत्व प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के रूप में प्राप्त हुआ है। जहां एक ओर देश में राममंदिर के माध्यम से आध्यात्मिक चेतना जागृत हो रही है, उसी समय यह हमारे भारत का अमृतकाल है और 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए हम भारतीयों को अपने दायित्वों के प्रति कृत संकल्पित रहना है। रामराज्य की संकल्पना भी यही है जहां शासन जन-जन के साथ मिलकर लोकतंत्र को सशक्त बनाने में सहभागिता निभाए। आज भारत ने अपनी सांस्कृतिक विरासतों के गौरव के साथ ही विकास के नए प्रतिमान स्थापित किये हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज हमारा भारत अपने तीर्थों को भी संवार रहा है और डिजिटल टेक्नोलॉजी की शक्ति से परिपूर्ण विश्व का अग्रणी राष्ट्र भी बन रहा है। आज मोदी सरकार काशी विश्वनाथ धाम के पुनर्निमाण के साथ ही ग्रामीण विकास हेतु 30 हजार से अधिक पंचायत भवन भी बना रही है। सिर्फ केदारधाम का पुनरुत्थान ही नहीं अपितु 300 से अधिक मेडिकल कॉलेज भी देश में बन रहे हैं। सिर्फ महाकाल के लोक का ही निर्माण नहीं हो रहा, बल्कि स्वच्छ पेयजल के लिए दो लाख से ज्यादा पानी की टंकियों का भी निर्माण हो रहा है और 14 करोड़ घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है। आज देश अपनी अतुलनीय वैज्ञानिक क्षमताओं के माध्यम से एक तरफ चन्द्रमा और सूरज की दूरी नाप रहा है तो वहीं हमारी पौराणिक मूर्तियों को भारत में वापस लाकर अपनी सांस्कृतिक सभ्यता के सवंर्धन का कार्य भी कर रहा है। प्रधानमंत्री ने अयोध्या धाम में महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे एवं अयोध्या धाम जंक्शन के लोकार्पण के अवसर पर कहा कि विकसित भारत के निर्माण को गति देने के अभियान को अयोध्या नगरी से नई ऊर्जा मिल रही है। विश्व में कोई भी देश हो अगर उसे विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचना है, तो उसे अपनी विरासत को संभालना होगा। हमारी विरासत हमें प्रेरणा देती है। हमें सही मार्ग दिखाती है। आज का भारत पुरातन और नूतन को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहा है। वास्तव में आज अयोध्या में अध्यात्म और विरासत की भव्यता के साथ विकास की दिव्यता भी दिखती है। विकास और विरासत का यह संयोजन ही भारत को 21 वीं सदी में सबसे आगे ले जाएगा। तुलसीदास ने रामचरितमानस में लोकतंत्र, लोकमंगल और आदर्श राज्य व्यवस्था की अभिव्यक्ति की है। चित्रकूट से विदा होते हुए भरत को श्रीराम सबसे बड़ा उपदेश देते हुए राजा-प्रजा के संबंधों पर कहते हैं, मुखिया मुख सों चाहिए, खान पान को एक।। पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक।।ह्व यानी शासन पक्षपाती एवं अन्यायी न हो, शासन में समाज के अंतिम व्यक्ति के अभ्युत्थान की चिंता प्रमुख होनी चाहिए। हम गर्व से कह सकते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के उत्थान की संकल्पना निश्चित ही साकार हो रही है। इस बात में कोई संशय नहीं है कि हमारे प्रधानमंत्री भारत की मिट्टी के कण-कण और भारत के जन-जन के पुजारी हैं। विगत साढ़े नौ वर्षों में न केवल हम भारतीय अपितु समूचा विश्व एक नए भारत के निर्माण का प्रत्यक्षदर्शी रहा है। यह नया भारत है जिसकी संस्कृति, सभ्यता और संस्कारों को अपनाने में विश्व का हर देश स्वयं को गौरवान्वित अनुभव करता है। यह नया भारत अपनी आस्था, अस्मिता और अर्थव्यवस्था के प्रति सजग और संवेदनशील भी है और सचमुच में यही तो रामराज्य की संकल्पना है।

लेखक, मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व लोकसभा सांसद हैं।

श्रीराम के अदभुत अर्चक फादर कामिल बुल्के

बेल्जियम में जन्मे फादर कामिल बुल्के की जग-विख्यात विशेषता यह है, वे रामकथा के मर्मज्ञ, हिंदी के विद्वान और विलायत में जन्मे भारतीय थे। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से रामकथा उत्पत्ति और विकास पर 1950 में पी.एच.डी. की। इस शोध में संस्कृत, पाली, प्राकृत, अपभ्रंश, हिंदी, बांग्ला, तमिल आदि समस्त प्राचीन और आधुनिक भारतीय भाषाओं में उपलब्ध राम विषयक विपुल साहित्य का ही नहीं, वरन तिब्बती, बर्मी, सिंघल, इंडोनेशियाई, मलय, थाई आदि एशियाई भाषाओं के समस्त राम साहित्य की सामग्री का भी अत्यंत वैज्ञानिक रीति से उपयोग हुआ है। तुलसीदास उन्हें उतने ही प्रिय थे, जितने अपनी मातृभाषा फ्लेमिश के महाकवि गजैले या अंग्रेजी के महान ड्रेमेटिस्ट विलियम शेक्सपियर। रामकथा-वैश्विक सन्दर्भ में का लोकार्पण करते प्रसिद्ध साहित्यकार केदारनाथ सिंह ने एक बार कहा था, फादर कामिल बुल्के के शोधग्रन्थ ह्यराम कथाह्ण की सर्वत्र चर्चा है। वास्तव में इस ग्रन्थ से हिंदी के संग-संग विदेश में भी रामकथा के तुलनात्मक साहित्य अध्ययन की शुरूआत हुई। उन्होंने अपनी मातृभूमि बेल्जियम में फ्रेंच के विरुद्ध फ्लेमिश भाषा की लड़ाई देखी और लडी थी। एक बार उन्होंने लिखा था, अगर वह हिंदी की सेवा में नहीं लगते तो अपने देश में फ्लेमिश क्रांतिकारी होते। रामकथा उत्पत्ति और विकास ग्रंथ की रचना में कितना परिश्रम किया होगा, यह पुस्तक के अध्ययन से ही समझ में आ सकता है। रामकथा से संबंध रखने वाली किसी भी सामग्री को उन्होंने छोड़ा नहीं है। प्रथम भाग में प्राचीन रामकथा साहित्य का विवेचन है, जिसके पांच अध्यायों में वैदिक साहित्य और रामकथा, वाल्मीकिकृत रामायण, महाभारत की रामकथा, बौद्ध रामकथा और जैन रामकथा संबंधी सामग्री की पूर्ण समीक्षा की गई है। द्वितीय भाग में रामकथा की उत्पत्ति है तो इसके चार अध्यायों में दशरथ जातक की समस्या, रामकथा के मूल स्त्रोत के संबंध में विद्वानों के मत, प्रचलित वाल्मीकीय रामायण के मुख्य प्रक्षेपों और रामकथा के प्रारंभिक विकास पर चिंतन किया गया है। ग्रंथ के तृतीय भाग में अवार्चीन रामकथा साहित्य का सिंहावलोकन है। इसमें भी चार अध्याय हैं। पहले और दूसरे अध्याय में संस्कृत के धार्मिक तथा ललित साहित्य में पाई जाने वाली रामकथा सम्बन्धी सामग्री की परीक्षा है। तीसरे अध्याय में आधुनिक भारतीय भाषाओं के रामकथा संबंधी साहित्य का विवेचन है। चौथे अध्याय में विदेश में पाये जाने वाले रामकथा के रूप में सार दिया गया है, जिसमें तिब्बत, खोतान, हिंदेशिया, हिंदचीन, श्याम, ब्रह्मदेश आदि में उपलब्ध सामग्री का पूर्ण परिचय एक ही स्थान पर मिल जाता है। अंतिम और चतुर्थ भाग में रामकथा संबंधी एक-एक घटना को लेकर उसका पृथक-पृथक विकास दिखलाया गया है। घटनाएं कालक्रम से ली गई हैं। उपसंहार में रामकथा की व्यापकता, विभिन्न रामकथाओं की मौलिक एकता, प्रक्षिप्त सामग्री की सामान्य विशेषताएं, विविध प्रभाव तथा विकास का सिंहावलोकन है। यह ग्रंथ वास्तव में रामकथा संबंधी समस्त सामग्री का विश्वकोष कहा जा सकता है। वास्तव में यह खोजपूर्ण रचना अपने ढंग की पहली ही है और अनूठी भी। हिंदी क्या संभवतः किसी भी यूरोपीय अथवा भारतीय भाषा में इस प्रकार का कोई दूसरा अध्ययन उपलब्ध नहीं है। हिंदी पट्टी में इस लोकप्रिय विषय पर ऐसे वैज्ञानिक अन्वेषण से धर्म और राजनीति के अनेक मिथक खंडित हो जाते हैं और शोधकताओं को एक दिशा भी मिलती है। फादर कामिल बुल्के का जन्म 1 सितम्बर, 1909 को बेल्जियम के पश्चिमी फ्लैंडर्स स्टेट के रम्सकपैले नामक गांव में हुआ। उनके पास सिविल इंजीनियरिंग में बी.एस.सी डिग्री थी, जो उन्होंने लोवैन विश्वविद्यालय से प्राप्त की। 1934 में उन्होंने भारत का संक्षिप्त दौरा किया और कुछ समय दार्जिलिंग में रुके। उन्होंने गुमला अब झारखंड में पांच वर्षों तक गणित का अध्यापन किया। यहीं पर उनके मन में हिंदी भाषा सीखने की ललक पैदा हो गई। उन्होंने लिखा है- मैं जब 1935 में भारत आया तो अचंभित और दुःखी हुआ। मैंने महसूस किया कि यहां पर बहुत से पढ़े-लिखे लोग भी अपनी सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति जागरूक नहीं हैं। यह भी देखा कि लोग अंग्रेजी बोलकर गर्व का अनुभव करते हैं। उन्होंने निश्चय किया कि आम लोगों की इस भाषा में महारत हासिल करूंगा। अंततः फादर कामिल बुल्के से बाबा कामिल बुल्के कहलाए जाने लगे। फादर कामिल बुल्के ने पंडित बद्रीदत्त शास्त्री से हिंदी और संस्कृत की शिक्षा प्राप्त की और 1940 में विशारद की परीक्षा हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग से उत्तीर्ण की। उन्होंने 1942-1944 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से संस्कृत में मास्टर्स डिग्री हासिल की। कामिल बुल्के ने 1945-1949 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से हिंदी साहित्य में रामायण पर शोध किया। 1949 में ही वह सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची में हिंदी और संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष नियुक्त किए गए। कामिल बुल्के सन 1950 में बिहार राष्ट्रभाषा परिषद की कार्यकारिणी के सदस्य चुने गए। वह सन 1972 से 1977 तक भारत सरकार की ह्यकेन्द्रीय हिंदी समितिह्ण के सदस्य रहे। कामिल बुल्के लंबे समय तक रांची के सेंट जेवियर्स कॉलेज में संस्कृत तथा हिंदी के विभागाध्यक्ष रहे, लेकिन बाद में बहरेपन के कारण कॉलेज में पढ़ाने से अधिक उनकी रुचि गहन अध्ययन और स्वाध्याय में होती चली गई। बुल्के का अपने समय के हिंदी भाषा के सभी चोटी के विद्वानों से संपर्क था। डॉ. धर्मवीर भारती, डॉ. जगदीश गुप्त, डॉ. रामस्वरूप, डॉ. रघुवंश, महादेवी वर्मा आदि से उनका विचार-विमर्श और संवाद होता रहता था।

Social Media Corner

सच के हक में...

लोहड़ी, मकर संक्रान्ति, पोंगल, माघ बिहू और उत?तरायण के अवसर पर सभी देशवासियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। कृषि से जुड़े ये सभी पर्व प्रकृति का सम्मान करने की हमारी परम्पराओं का जीवंत रूप हैं। मेरी कामना है कि ये त्योहार देशवासियों में प्रेम और सद्भाव का संचार करते रहें। मैं देशवासियों के समृद्ध और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करती हूं।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 'एक्स' पर पोस्ट)

1857 की लड़ाई से बहुत पहले अंग्रेज शोषकों और महाजनों के अत्याचार और अन्याय के खिलाफ विद्रोह करने वाले महानायक अमर वीर शहीद बाबा तिलका मांझी जी के शहादत दिवस पर शत-शत नमन।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

देश में सर्वप्रथम ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ क्रांति का बिगुल फूंकने वाले, हूल क्रांति के नायक, महान संथाल आदिवासी योद्धा बाबा तिलका मांझी की बलिदान दिवस पर उन्हें सादर नमन।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

अयोध्याधाम बनेगा संसार का सबसे पवित्र तीर्थ और लोकप्रिय पर्यटन स्थल

अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण को लेकर आज न सिर्फ भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में अपूर्व आस्था और उत्साह का माहौल है। यहाँ तक कि पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान की सभी टीवी चैनलों पर भी श्रीराम और अयोध्या धाम की ही चर्चा चल रही है ! यह एक ऐसा अवसर है, जिसका इंतजार भारत कई शताब्दियों से कर रहा था। लंबे संघर्ष और विवाद के बाद नौ नवंबर, 2019 को सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के साथ शुरू हुआ। अयोध्या में मंदिर निर्माण का सफर 22 जनवरी को एक बड़ी पूणार्हुति को प्राप्त करेगा। नव्य और भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ एक ऐसा ऐतिहासिक चरण पूरा होगा, जो आधुनिक भारत में सांस्कृतिक नवजागरण का शीर्ष साक्ष्य होगा। 30 दिसंबर 2023 को अयोध्या और उसके आसपास के क्षेत्र में 11,100 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज का भारत पुरातन और नूतन दोनों को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रहा है।अयोध्याधाम के साथ विकसित हो रहा भगवान राम का जन्मस्थान मंदिर आधुनिक भारत का एक ऐसा महान तीर्थ बनने जा रहा है, जो प्रधानमंत्री की विरासत और विकास के विजन के अनुरूप है। दुनिया में कोई भी देश हो, अगर उसे विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचना है, तो उसे अपनी पुरातन विरासत को तो संभालना ही होगा। हमारी विरासत, हमें प्रेरणा देती है, हमें सही मार्ग दिखाती है। आज अयोध्या की शोभा देखते ही बनती है। सूर्यवंशी राजा राम की नगरी अयोध्या में जगह-जगह सूर्यस्तंभ लगाए जा रहे हैं। मंदिर परिसर में कांस्य की बनी विशाल जटायु प्रतिमा भी लगाई गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में हवाई अड्डे का लोकार्पण करते हुए तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के यहां आने की सुगमता पहले ही बढ़ा दी है। हाईटेक रेलवे स्टेशन के निर्माण से तो अयोध्याधाम की कनेक्टिविटी और भी बढ़ गई है। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण से लेकर यहां पर चल रही विकास परियोजनाओं को समय पर लागू करने का श्रेय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी जाता है। उन्होंने दिन-रात मेहनत कर यह सुनिश्चित किया ताकि अयोध्या को संसार के सबसे प्रमुख तीर्थ स्थल का दर्जा प्राप्त हो जाए। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पूरे देश से श्रद्धालुओं का आना बढ़ जाएगा। यहां बनने जा रही नई टाउनशिप यहां के लोगों का जीवन और आसान बनाएगी। इसके लिए कई स्तरों पर कई क्षेत्रों में तेजी से कार्य हो रहा है। आवाजाही की सुगमता के लिए यहां जगह-जगह मल्टीलेवल पार्किंग बन रही है। यहां इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने की भी पर्याप्त सुविधा भी रहेगी। अयोध्या में भक्तिपथ, रामपथ, जन्मभूमि पथ, धर्मपथ आदि का लोकार्पण भी होना है। इसी तरह नए मेडिकल कॉलेज से यहां आरोग्य की सुविधाओं को और विस्तार मिलेगा। सरयू नदी में गिरने वाले दूषित पानी को रोकने के लिए भी काम शुरू हुआ है। राम की पैड़ी को एक नया स्वरूप दिया गया हैक सरयू किनारे नए-नए घाटों का विकास हो रहा हैक यहां के सभी प्राचीन कुंडों का पुनरुद्धार किया जा रहा हैक लता मंगेशकर चौक हो या राम कथा स्थल, ये आज अयोध्या की पहचान बढ़ा रहे हैं। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के साथ रोजगार के कई अवसर सृजित हो रहे हैं। विगत तीन वर्षों में विश्व ने अयोध्या की भव्य दीपावली देखी है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश-विदेश में उत्साह है। समारोह के लिए थाईलैंड के राजा ने वहां की मिट्टी भेजी है। कंबोडिया से सुगंधित हल्दी आई है। कई और देशों से इस महान अवसर के लिए अनमोल भेंट आने का सिलसिला जारी है। इसी तरह देश के विभिन्न प्रदेशों से भी भेंट और पूजन सामग्री अयोध्या पहुंच रही है। जोधपुर से 600 किलोग्राम गाय का घी आया है, तो जनकपुर से मिथिला आर्ट पेंटिंग आई है।

महाराष्ट्र से संदेश

महाराष्ट्र में शिवसेना के विभाजन से जुड़ा विवाद अगले चरण में पहुंच गया। बुधवार शाम शिवसेना बनाम शिवसेना मामले पर फैसला सुनाते हुए महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने स्पष्ट कर दिया कि शिवसेना के संविधान के अनुसार, उद्धव ठाकरे के पास एकनाथ शिंदे को विधायक दल के नेता पद से हटाने की कोई शक्ति नहीं है। इसका सीधा अर्थ यह हुआ कि विधानसभा अध्यक्ष ने शिवसेना के शिंदे गुट को ही अब असली शिवसेना मान लिया है। विधानसभा अध्यक्ष ने अपने निर्णय को न्यायोचित ठहराने के लिए शिवसेना के संविधान का सहारा लिया है। वैधानिक रूप से शिवसेना अब एकनाथ शिंदे के हाथों में आ गई है। महाराष्ट्र में यह जो हुआ है, उसका अंदाजा शिवसेना के उद्धव गुट को पहले से ही था। जाहिर है, उद्धव ठाकरे के पास सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। संभव है, सर्वोच्च न्यायालय विधानसभा अध्यक्ष के फैसले की समीक्षा करे। अतः यह विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है। इसके कई अध्याय अभी चुनाव, सदन, सड़क और न्यायालय में लिखे जाने हैं। शिवसेना उद्धव गुट की शिकायत पर भी गौर करना अनुचित नहीं है। विधानसभा अध्यक्ष अपने फैसले से पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलने के लिए गए थे। मतलब, न्याय देने वाला वास्तव में आरोपी से मिलने गया और फैसला आरोपी के पक्ष में आया, इसी दलील के साथ उद्धव ठाकरे को सर्वोच्च न्यायालय में लड़ना पड़ेगा। हालांकि, उन्हें यह ध्यान रखना होगा कि जिस आधार पर विधानसभा अध्यक्ष ने फैसला किया है, क्या वह सही है? कानून इसके बारे में क्या कहते हैं? अगर फैसला सुनाते समय पार्टी और देश के संविधान की अवहेलना हुई है, तो यह बात तथ्य और तर्क के साथ उद्धव ठाकरे को सर्वोच्च न्यायालय में पेश करनी पड़ेगी।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में चार महीनों के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली ।

सब्जियों की कीमतें बढ़ने से दिसंबर में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर चार महीनों के उच्च स्तर 5.69 प्रतिशत पर पहुंच गई, वहीं देश का औद्योगिक उत्पादन नवंबर में आठ महीनों के निचले स्तर 2.4 प्रतिशत पर आ गया। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से जारी इन आंकड़ों से खुदरा मुद्रास्फीति बढ़ने और उत्पादन गतिविधियों में सुस्ती आने की तस्वीर सामने आई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर के महीने में दालों, सब्जियों एवं मसालों की कीमतें बढ़ने से 5.69 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह नवंबर में 5.55 प्रतिशत और दिसंबर, 2022 में 5.72 प्रतिशत थी। खुदरा महंगाई दर बढ़ने के पीछे खाने-पीने की चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी की अहम भूमिका रही। खाद्य वस्तुओं की खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर, 2023 में बढ़कर 9.53 प्रतिशत हो गई जो

इससे पिछले महीने 8.7 प्रतिशत और दिसंबर, 2022 में 4.19 प्रतिशत थी। इसके पहले बीते साल अगस्त में खुदरा मुद्रास्फीति 6.83 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। वहीं देश का औद्योगिक उत्पादन नवंबर, 2023 में 2.4 प्रतिशत बढ़ा जो चालू वित्त वर्ष में सबसे कम है। अक्टूबर में यह 11.6 प्रतिशत रहा था, जबकि नवंबर, 2022 में यह 7.6 प्रतिशत रहा था। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) का पिछला निम्न स्तर मार्च, 2023 में 1.9 प्रतिशत रहा था। नवंबर में औद्योगिक उत्पादन में गिरावट के पीछे विनिर्माण क्षेत्र की सुस्ती की अहम भूमिका रही। विनिर्माण क्षेत्र घटकर 1.2 प्रतिशत, बिजली क्षेत्र 5.8 प्रतिशत एवं खनन उत्पादन 6.8 प्रतिशत पर आ गया। उपभोग पर आधारित वर्गीकरण के अनुसार पूंजीगत उत्पाद खंड में इस साल नवंबर में 1.1 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि एक साल पहले इसी महीने में इसमें 20.7 प्रतिशत की उच्च वृद्धि रही थी। आलोच्य अवधि में टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन में 5.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई जबकि एक साल पहले इसमें पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन भी एक साल पहले के 10 प्रतिशत वृद्धि के मुकाबले नवंबर, 2023 में 3.6 प्रतिशत घट गया।

किआ की प्रीमियम कॉम्पैक्ट एसयूवी नई सॉनेट 7.99 लाख से शुरू

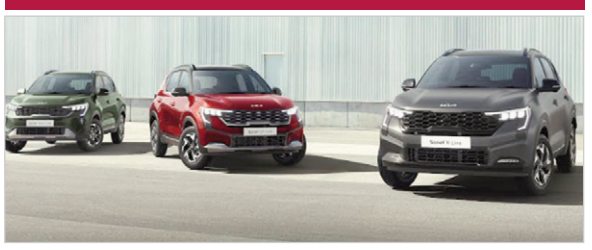

मुंबई ।

कार निर्माता किआ ने अपनी सबसे प्रीमियम कॉम्पैक्ट एसयूवी नई सॉनेट को देश भर में 7.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होने वाली विशेष प्रारंभिक कीमत पर पेश की है। दिसंबर 2023 में पेश किए गए किआ के दूसरे सबसे ज्यादा बिकने वाले इनोवेशन के इस नवीनतम संस्करण में 25 सुरक्षा सुविधाएं दी गई है, जिसमें 10 ऑटोनॉमस सुविधाओं वाला उत्कृष्ट एडैस और मजबूत 15 हाई-सेफ्टी विशेषताएं शामिल हैं। इस वाहन में 70 से अधिक कनेक्टेड कार सुविधाएं हैं। नई सॉनेट 19 अलग-अलग वेरिएंट में अपनी उपलब्धता के साथ विविध प्रकार के ड्राइविंग अनुभव प्रदान करती है, जिसमें 9.79 लाख रुपये से शुरू होने वाले 5 डीजल मैनुअल वेरिएंट भी शामिल हैं। 10 ऑटोनॉमस फंक्शन की विशेषता वाला सेगमेंट का बेस्ट एडैस लेवल 1, डीजल और पेट्रोल दोनों इंजन के लिए टॉप-ऑफ-द-लाइन वेरिएंट में उपलब्ध है। पेट्रोल में जीटी लाइन और एक्स-लाइन वेरिएंट की कीमत क्रमशः 14.50 और 14.69 लाख रुपये और डीजल की कीमत 15.50 और 15.69 लाख रुपये है। सुरक्षित ड्राइविंग अनुभव देने के लिए इसमें 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल और व्हीकल स्टेबिलिटी मैनेजमेंट सहित, सभी वेरिएंट में मजबूत 15 हाई-सेफ्टी फीचर मानक तौर पर दिए गए हैं। इसके अलावा सॉनेट में 10 बेस्ट-इन-सेगमेंट सुविधाएं दी गई है, इसमें डुअल स्क्रीन कनेक्ट पैनल डिज़ाइन, रियर डोर सनशेड कर्टेन, और सुरक्षा के साथ ऑल डोर पावर विंडो वन-टच ऑटो अप-डाउन जैसी सुविधाएं शामिल हैं। नई सॉनेट में कम से कम 11 फायदेमंद सुविधाएं हैं और यह तकनीकी रूप से सबसे उन्नत और सुविधा से भरपूर कॉम्पैक्ट एसयूवी है। नई सॉनेट में अब एक नई ग्रिल और नए बम्पर डिजाइन, क्राउन ज्वेल एलईडी हेडलैंप के साथ एक उन्नत फ्रंट फेस, आर16 क्रिस्टल कट अलॉय व्हील और स्टार मैप एलईडी कनेक्टेड टेल लैंप दिए गए हैं।

भारत विश्व में मसूर दाल का सबसे बड़ा उत्पादक बनने की राह पर

फसल वर्ष 2023-24 में मसूर का उत्पादन बढ़कर 16 लाख टन होने का अनुमान

नई दिल्ली ।

उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि भारत विश्व में मसूर दाल का सबसे बड़ा उत्पादक बनने की राह पर है। फसल वर्ष 2023-24 में मसूर का उत्पादन बढ़कर करीब 16 लाख टन होने का अनुमान है। अगर यह अनुमान सही साबित होता है तो 2023-24 में भारत का मसूर उत्पादन 2017-18 के बाद सर्वाधिक होगा। वर्ष 2017-18 में मसूर का घरेलू उत्पादन करीब 16.2 लाख टन था। सिंह का कहना है कि हमारा इस साल विश्व में मसूर उत्पादन सर्वाधिक होगा। सिंह ने फरवरी में भारत में आयोजित की जाने वाले वैश्विक दाल संगोष्ठी (जीपीसी) के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। अधिकारियों ने बताया कि मसूर के न्यूनतम समर्थन मूल्य में अधिक इजाफा किया गया है। वर्ष 2020-21 में मसूर का समर्थन मूल्य 5100 रुपये प्रति क्विंटल था। इसे 2024-25 विपणन वर्ष के लिए 26 प्रतिशत बढ़ाकर 6425 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया। इससे किसानों की रुचि मसूर की खेती में फिर से बढ़ी। अभी मसूर का बाजार मूल्य करीब 6100 से 6125 रुपये प्रति क्विंटल है जो न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम है। हालांकि कुछ महीने पहले मसूर का मूल्य 7500-8000 रुपये प्रति क्विंटल था। इससे भी किसान मसूर की फसल लगाने के लिए प्रेरित हुए होंगे। 5 जनवरी तक मसूर की फसल 19 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगाई गई थी। यह बीते साल की तुलना में 4.40 प्रतिशत अधिक थी। कारोबार के सूत्रों के अनुसार कनाडा ने शुरुआती दौर में करीब 16.7 लाख टन उत्पादन का अनुमान जताया था। लिहाजा कनाडा ने भारत से अधिक उत्पादन का अनुमान जताया था। लेकिन बाद में कनाडा ने अनुमान 30 प्रतिशत घटा दिया था। इससे भारत पहले स्थान पर आ गया। वैश्विक बाजार में ऑस्ट्रेलिया भी प्रमुख उत्पादक देश है। वर्ष 2023-24 में ऑस्ट्रेलिया का मसूर उत्पादन 14 लाख टन होने का अनुमान है। कनाडा से हाल में राजनयिक विवाद के दौरान भारत के लिए मसूर प्रमुख दाल बनकर उभरी।

ट्रेडिंग अकाउंट को फ्रीज करने की सुविधा देगा सेबी

1 अप्रैल तक तैयार होगा फ्रेमवर्क, संदिग्ध गतिविधि रोकने में मिलेगी मदद

मुंबई ।

सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी इन्वेस्टर्स को उनकी मर्जी से ट्रेडिंग अकाउंट को फ्रीज या ब्लॉक करने की सुविधा देने जा रहा है। सेबी ने सर्कलर जारी करते हुए कहा कि ट्रेडिंग अकाउंट का अनऑथराइज्ड ऑनलाइन एक्सेस रोकने के लिए इन्वेस्टर्स को उसे फ्रीज या ब्लॉक करने की सुविधा देने के लिए फ्रेमवर्क तैयार किया जाएगा।

सेबी के परामर्श से ब्रोकर्स इंडस्ट्री स्टैंडर्ड्स फोरम इसके लिए 1 अप्रैल 2024 तक या उससे पहले फ्रेमवर्क तैयार करेगी, जिसमें जरूरी दिशानिर्देश भी शामिल होंगे। इसके बाद स्टॉक एक्सचेंज सुनिश्चित करेंगे कि फ्रेमवर्क के तहत जारी किए गए जारी दिशानिर्देशों को 1 जुलाई 2024 से लागू किया जाए। सेबी ने कहा कि भारत में स्टॉक ब्रोकिंग इंडस्ट्री कॉल एंड ट्रेड से बदलकर ऑनलाइन मोड में बदल गया है, जिसमें इन्वेस्टर को लॉगिन आईडी और पासवर्ड का यूज करते हैं। कई बार यह देखा गया है कि इन्वेस्टर के ट्रेडिंग अकाउंट में संदिग्ध गतिविधियां होती हैं, लेकिन अधिकांश ट्रेडिंग मेंबर्स के पास अकाउंट फ्रीज या ब्लॉक करने की सुविधा नहीं होती है। इसीलिए सभी इन्वेस्टर्स के लिए यह सुविधा

लाने की तुरंत जरूरत है। अभी एटीएम कार्ड और क्रेडिट कार्ड को इस तरह ब्लॉक करने की सुविधा अवेलेबल है।

टाटा ने फोर्ड इंडिया संयंत्र से कारों का उत्पादन शुरू किया

चेन्नई ।

टाटा मोटर्स लिमिटेड की सहायक कंपनी टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड (टीपीईएम) ने बताया कि गुजरात के साणंद1 में अपने नए प्लांट में टाटा बैज वाली पहली कार तैयार की है। यह प्लांट पिछले साल फोर्ड इंडिया से टाटा समूह द्वारा खरीदा गया था। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड और टीपीईएम के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्र ने कहा, साणंद में नई टीपीईएम सुविधा की पहली कार को देखना हमारे लिए गर्व का क्षण है। हमारी पूरी टीम ने 12 महीने की सबसे कम अवधि में कारखाने को सफलतापूर्वक फिर से तैयार किया है, मौजूदा उत्पादों और भविष्य की एक विस्तृत श्रृंखला को समायोजित करने के लिए इस नए स्तर पर ले गए हैं। नए मॉडल आने वाले हैं। टाटा मोटर्स के अधिकारी चंद्रा के अनुसार, नई सुविधा की विनिर्माण क्षमता तीन लाख यूनिट प्रति वर्ष होगी, इस बढ़ाकर चार लाख 20 हजार यूनिट प्रति वर्ष किया जाएगा। 460 एकड़ में फैली नई सुविधा, आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मॉडल बनाने के लिए गुजरात में टाटा मोटर्स का दूसरा संयंत्र होगा। फोर्ड इंडिया से अधिग्रहण के बाद, संयंत्र में बड़े पैमाने पर नए उपकरण लगाए गए हैं और उन्नयन किया गया है। कंपनी के बयान में कहा गया है कि संयंत्र में वर्तमान में एक हजार से अधिक कर्मचारी (तकनीशियन के साथ) हैं और उत्पादन बढ़ाने की योजना के अनुरूप, क्षेत्र में अगले तीन-चार महीने में एक हजार अतिरिक्त नौकरियां पैदा होगी। फोर्ड इंडिया ने अपना गुजरात संयंत्र टीपीईएम को 725.70 करोड़ रुपये में बेच दिया था। साणंद में संयंत्र में संपूर्ण भूमि और भवन, वाहन विनिर्माण संयंत्र, इसकी मशीनरी और उपकरण और फोर्ड इंडिया के

वाहन निर्माण कार्यों के सभी पात्र कर्मचारियों का स्थानांतरण शामिल है। फोर्ड इंडिया टीपीईएम से पावरट्रेन विनिर्माण संयंत्र की भूमि और इमारतों को पट्टे पर लेकर अपनी पावरट्रेन विनिर्माण सुविधा का संचालन कर रही है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.9 अरब डॉलर घटा

मुंबई । आरबीआई के जारी आंकड़ों के मुताबिक, 5 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.9 अरब डॉलर घटकर 617.30 अरब डॉलर रह गया। लगातार सात सप्ताह में 32.9 अरब डॉलर बढ़ने के बाद विदेशी मुद्रा भंडार में पहली गिरावट है। इसके पहले 29 दिसंबर 2023 को समाप्त सप्ताह में यह 22 महीने के शीर्ष पर रहा था। एक मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार आरबीआई को रुपये में अस्थिरता को नियंत्रित करने में मदद करता है। केंद्रीय बैंक रुपये को दबाव में आने से रोकने के लिए अधिक डॉलर जारी करके हाजिर और वायदा मुद्रा बाजारों में हस्तक्षेप करता है।

मोबाइल पुर्जों पर आयात शुल्क से घटा पीएलआई का लाभ

- मोबाइल में इस्तेमाल होने वाली सामग्री 8 से 10 प्रतिशत हो जाती है महंगी

नई दिल्ली । भारत में मोबाइल फोन बनाने में उपयोग होने वाले प्रमुख पुर्जों और सामान पर ज्यादा शुल्क लगने से स्थानीयकरण प्रभावित हुआ है। जिससे उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का फायदा खत्म हो गया है। इन वजहों से चीन और वियतनाम जैसे देशों की तुलना में भारत से मोबाइल निर्यात कम प्रतिस्पर्धी रह गया है। इंडियन सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के आयात शुल्क और उसके असर पर किए गए एक तुलनात्मक अध्ययन के मुताबिक मौजूदा शुल्क के कारण मोबाइल में इस्तेमाल होने वाली सामग्री 8 से 10 प्रतिशत महंगी हो जाती है और मोबाइल उपकरण की कुल लागत 5 से 7 प्रतिशत बढ़ जाती है। इससे पीएलआई योजना के तहत मिलने वाला लाभ 4 से 6 प्रतिशत निष्प्रभावी हो जाता है। ज्यादा शुल्क से स्थानीयकरण में भी मदद नहीं मिल पा रही है, जो सरकार का मुख्य मकसद है। सरकार ने वित्त वर्ष 27 तक 40 प्रतिशत मूल्यवर्धन का लक्ष्य रखा है। इस समय मोबाइल फोन में इस्तेमाल होने वाले 54 प्रतिशत कंपोनेंट और सब एसेंबली का आयात होता है। इस पर 10 प्रतिशत से 25 प्रतिशत के बीच शुल्क लगता है। इसके विपरीत चीन में 60 प्रतिशत कंपोनेंट के आयात पर 5 प्रतिशत या इससे कम शुल्क लगता है, जबकि किसी कंपोनेंट के आयात पर 10 प्रतिशत से ज्यादा शुल्क नहीं लगता है। इसके अलावा भारत का औसत मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) शुल्क 8.5 प्रतिशत है, जो चीन के 3.7 प्रतिशत से बहुत ज्यादा है। वहीं वियतनाम के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के कारण भारित औसत शुल्क दर 0.7 प्रतिशत रह जाता है, जो भारत में 6.8 प्रतिशत है। अध्ययन के मुताबिक डिस्प्ले असेंबली और कैमरा मॉड्यूल का बिल संयुक्त रूप से मोबाइल फोन की सामग्री के कुल बिल का 23.5 प्रतिशत होता है। इन दोनों का भारत में स्थानीयकरण 25 प्रतिशत है, जबकि चीन में इनका स्थानीयकरण क्रमशः 75 प्रतिशत और 95 प्रतिशत है। इन कंपोनेंट पर भारत में 2016 से 2021 के बीच 11 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

दास ने बैंक प्रणाली में बदलाव का श्रेय नियामकीय कदमों को दिया

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने पिछले चार-पांच वर्षों में बैंक प्रणाली में व्यापक बदलाव का श्रेय केंद्रीय बैंक के समयबद्ध एवं सक्रिय विवेक-सम्मत नियामकीय कदमों को दिया है। दास ने यहां बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली पर आयोजित एक संगोष्ठी में कहा कि देश का बैंक क्षेत्र मार्च, 2018 तक रिकॉर्ड मात्रा में फंसे कर्ज समेत कई मुद्दों से घिरा हुआ था। उस समय बैंकों का सकल गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) लगभग 11 प्रतिशत था और संपत्ति एवं इक्विटी पर रिटर्न नकारात्मक था। उन्होंने कहा कि जून 2018 तक 11 बैंक आरबीआई की त्वरित उपचारात्मक कार्रवाई (पीसीए) में रखे गए थे लेकिन अब एक भी बैंक इसमें शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि समय पर और सक्रिय नीति और नियामकीय कदमों ने बैंकों को स्वस्थ बहीखाते के साथ वापस आने में मदद की। दास ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में आरबीआई ने नियामक और निगरानी मोर्चों पर कई पहल की हैं। इस दौरान बैंकों ने खुद भी अपने आंतरिक रक्षा तंत्र को मजबूत करके इन चुनौतियों का जवाब दिया। इस वजह से बैंकिंग प्रणाली में क्रमिक और लगातार बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि बैंकों के सभी प्रमुख संकेतक पूंजी पर्याप्तता, संपत्ति की गुणवत्ता और लाभप्रदता में पिछले चार वर्षों में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि ऋण वृद्धि अब व्यापक है और बैंकों और गैर-बैंकों के मजबूत बुनियादी सिद्धांतों द्वारा समर्थित है। दास ने कहा कि कुल मिलाकर हमारा बैंक क्षेत्र हाल के वर्षों की अभूतपूर्व चुनौतियों से मजबूत होकर उभरा है।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से ज्यादा तेजी रही

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सपाट स्तर पर खुलने वाले घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुए। साप्ताहिक आधार पर बीते सप्ताह सेंसेक्स में 1.18 और निफ्टी में 1.14 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में सपाट शुरुआत के बाद बिकवाली दिखी। सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ खुले पर बिकवाली के कारण जल्द ही लाल निशान में आ आ गए। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 68.52 अंकों की तेजी के साथ 72,094.67 पर खुला और 670.93 अंकों की गिरावट के साथ 71,355.22 पर बंद हुआ। जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी 23.85 अंकों की तेजी के साथ 21,734.65 पर खुला और 197.80 अंक फिसलकर 21,513.00 के स्तर पर बंद हुआ। सकारात्मक वैश्विक संकेतों और आईटी, आईटी, ऑटो और बैंकिंग सेक्टर के

शेयरों में मजबूत खरीदारी से भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स मंगलवार को मजबूती के साथ कारोबार करते दिखे। बीएसई सेंसेक्स 458.13 की बढ़त के साथ 71,813 पर खुला और 30.99 अंकों की बढ़त के साथ 71,386.21 पर बंद हुआ। निफ्टी इंडेक्स 141.25 अंक मजबूत होकर 21,654 पर खुला और 31.85 अंकों की मजबूती के साथ 21,544.85 पर बंद हुआ। भारतीय बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को सपाट खुले फिसलते दिखाई दिए। बीएसई सेंसेक्स 26 अंक की बढ़त के साथ 71,412 पर खुला और 271.50 अंकों की बढ़त के साथ 71,657.71 पर बंद हुआ। निफ्टी 9 अंक की बढ़त के साथ 21,553 पर खुला और 73.86 अंकों की मजबूती के साथ 21,618.70 पर बंद हुआ। गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स 284 अंक की बढ़त के साथ 71,942 पर खुला और 63.47 अंकों की बढ़त के साथ 71,721.18 पर बंद हुआ। निफ्टी 88 अंकों की तेजी के साथ 21,706 पर खुला और 28.50 अंक चढ़कर 21,647.20 पर बंद हुआ। बैंकिंग और आईटी कंपनियों के शेयरों की अगुवाई में भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 797.38 अंकों की तेजी के साथ 72,518.56 पर खुला और 847.27 अंक (1.18 फीसदी) की बढ़त के साथ 72,568.45 पर बंद हुआ। निफ्टी 95 अंकों की तेजी के साथ 21,742 पर खुला और 247.35 अंकों (1.14 फीसदी) की बढ़त के साथ 21,894.55 पर बंद हुआ।

विप्रो का कमजोर आय अनुमान, 2,700 करोड़ का मुनाफा हुआ

नई दिल्ली । आईटी दिग्गज कंपनी विप्रो ने मार्च 2024 की चौथी तिमाही के लिए राजस्व में स्थिर मुद्रा में 1.5 फीसदी गिरावट से लेकर 0.5 फीसदी तक की कमजोर बढ़त का अनुमान लगाया है। सौदों की मंजूरी और ग्राहकों के निर्णय लेने में अपेक्षित गति अभी नहीं आ पाई है। कंपनी के अधिकारियों ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि दूसरी तिमाही का मार्जिन पिछली कुछ तिमाहियों की तरह सीमित दायरे में रह सकते हैं। बेंगलूरु की आईटी कंपनी विप्रो ने दिसंबर में खत्म हुई तीसरी तिमाही के दौरान 2,700 करोड़ रुपए का लाभ दर्ज किया। हालांकि, यह एक साल पहले की तुलना में 12 फीसदी कम है मगर पिछली तिमाही के मुकाबले 1.2 फीसदी और ब्लूमबर्ग के अनुमान 2,685 करोड़ रुपए से अधिक है। दिसंबर तिमाही का राजस्व पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 4 फीसदी कम होकर 22,205 करोड़ रुपए रह गया जो ब्लूमबर्ग के राजस्व अनुमान 22,293 करोड़ रुपए से भी थोड़ा कम है। क्रमिक आधार पर कंपनी का राजस्व 1.4 फीसदी कम हुआ है। बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई), उपभोक्ता तथा विनिर्माण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में मंदी के कारण राजस्व में गिरावट आई है। कुल अनुबंध मूल्य (टीसीवी) में 90 करोड़ डॉलर के बड़े सौदे के कारण डॉलर में आईटी सेवा का राजस्व सालाना आधार पर 6.9 फीसदी और स्थिर मुद्रा में क्रमिक रूप से 1.7 फीसदी घटकर 2.66 अरब डॉलर हो गया।

दवा कंपनी जायडस समूह गुजरात में 5,000 करोड़ का निवेश करेगी

गांधीनगर ।

दवा कंपनी जायडस समूह ने गुजरात में 5,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना की घोषणा की है। समूह के चेयरमैन पंकज पटेल ने यहां आयोजित 10वें वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन में कहा कि उनके समूह ने निवेश के लिए राज्य के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। हमने 5,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि के एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। हम स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के अगली पीढ़ी के जैव प्रौद्योगिकी उत्पादों, नई चिकित्सकीय उपकरण पहल और अस्पतालों में निवेश करेंगे। पटेल ने कहा कि वह शुरुआत से ही द्विवार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेते रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का जरूरत के समय व्यवसाय की मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि कारोबार को एक दूरदृष्टि वाले नेतृत्व की जरूरत थी जो उसे बड़ा सोचने के लिए प्रेरित करे जो कि गुजरात में पेश किया जाता है। इससे पहले नायरा एनर्जी के रिफाइनरी प्रमुख प्रसाद पणिक्कर ने कहा कि कंपनी वाडिनार में अपनी रिफाइनरी का विस्तार करेगी और देश में अपने खुदरा नेटवर्क को 50 प्रतिशत तक बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन के 2019 संस्करण में जिस संयंत्र में 80 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की गई थी, वह कुछ महीनों में चालू हो जाएगा।

zydus
Dedicated To Life

रिजर्व बैंक ने तीन बैंकों पर लगाया 2.49 करोड़ का जुर्माना

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक मानदंडों के उल्लंघन के लिए धनलक्ष्मी बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक सहित तीन बैंकों पर कुल 2.49 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने कहा कि ऋण और अग्रिम वैधानिक और अन्य प्रतिबंध, केवाईसी और जमा पर ब्याज दर से संबंधित मानदंडों के कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए धनलक्ष्मी बैंक पर 1.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा ऋण और अग्रिम वैधानिक और अन्य प्रतिबंध' पर कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए पंजाब एंड सिंध बैंक पर एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने बैंकों में ग्राहक सेवा पर जारी निर्देशों का पालन न करने के लिए ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक पर 29.55 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

चन्द्रमा पर आधारित पंचाग के अनुसार जब सूर्य कर्क रेखा से मकर रेखा पर आ जाता है तब उसे सूर्य उत्तरायण कहा जाता है पौष माह के मध्य मे और आधुनिक पंचाग के अनुसार 14 जनवरी के दिन पड़ता है सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि मे आने और जाने को सक्रांति कहते है पूरे भारतवर्ष मे यह त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता रहा है पंजाब मे लोहडी,उत्तर भारत मे मकर-सक्रांति, दक्षिण मे पोंगल,पूर्वीय पर्वतीय भारत मे बिहू के रूप मे मनाया जाता है लोग इस दिन को तिल और खिचडी सक्रांति भी कहते है क्योकि इस दिन के ये प्रशिद्ध पकवान है यह त्यौहार हिन्दू लोगो के लिए बहुत ही शुभ दिन है और इस दिन लोग सुबहे सूर्य निकलने से पूर्व ही ही स्नान करते हुए ही सूर्य देवता की पूजा करते है और संपूर्ण भारत मे हिन्दू लोग भारी संख्या मे पवित्र नदिया मे स्नान करते है और गरीबो के लिए दान और भोजन का प्रबंध करते है

प्यार, एकता व आस्था का त्योहार

मकर सक्रांति

ग्रहों के अनुसार दान कर पाएं सफलता

कहते हैं सौ हाथों से कमाएं और हजार हाथों से खर्च करें तो जिंदगी में आपको कभी किसी भी तरह की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। मकर सक्रांति पर आपकी जन्मकुंडली में जो ग्रह कमजोर हो उस ग्रह से संबंधित दान देकर ग्रहों के अशुभ प्रभाव को दूर कर अपने भविष्य को उज्जवल बना सकते हैं इससे आपको करियर में सफलता मिलने लगेगी।

सूर्य - माणिक्य, गेहूं, सवत्सा, गाय, लाल वस्त्र, लाल फूल, गुड़, स्वर्ण, तांबा, लाल चंदन, केशर, भूमि, भवन आदि।

चंद्र - टोकरी (बांस की), चावल, कर्पूर, सफेद कपड़ा, मोती, चांदी, दूध, दही, मिश्री, शकर, घी आदि।

मंगल - गेहूं, मसूर, लाल, कपड़ा, गुड़ तांबा, लाल फूल, लाल चंदन, केशर, लाल बैल, भूमि, मूंगा आदि।

बुध - हरा वस्त्र, स्वर्ण, ही मूंग, पन्ना, कस्तूरी आदि।

गुरु - पीला धान्य, पीला कपड़ा, पुखराज, स्वर्ण, चांदी, शकर, शहद, नमक, केसर, वृद्धों की सेवा, हल्दी, घोड़ा।

शुक्र - सफेद घोड़ा, गाय-बछड़े सहित हीरा, इत्र, सेंट, चावल, घी, कर्पूर, सफेद वस्त्र, चंदन, शकर, मिश्री।

शनि - उड़द, तिल, तेल, काली गाय, काला वस्त्र, कंबल, जूता, स्वर्ण, नीलम, चांदी आदि।

राहु - गेहूं, उड़द, गोमेद, काला घोड़ा, तलवार, तेल, लोहा, रत्न, अभ्रक, नीला कपड़ा।

केतु - लहसुनिया, तिल, कंबल, कस्तूरी, चाकू, लोहा, छतरी, सीसा, रागा, बकरा, काला कपड़ा आदि।

मकर संक्रान्ति भारत के प्रमुख त्यौहारों में से एक है। यह पर्व प्रत्येक वर्ष जनवरी महीने में समस्त भारत में मनाया जाता है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण होता है, जब उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर मुड़ जाता है। परम्परा से यह विश्वास किया जाता है कि इसी दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। यह वैदिक उत्सव है। इस दिन खिचड़ी का भोग लगाया जाता है। गुड़-तिल, रेवड़ी, गजक का प्रसाद बाँटा जाता है। इस त्यौहार का सम्बन्ध प्रकृति, ऋतु परिवर्तन और कृषि से है। ये तीनों चीजें ही जीवन का आधार हैं। प्रकृति के कारक के तौर पर इस पर्व में सूर्य देव को पूजा जाता है, जिन्हें शास्त्रों में भौतिक एवं अभौतिक तत्वों की आत्मा कहा गया है। इन्हीं की स्थिति के अनुसार ऋतु परिवर्तन होता है और धरती अनाज उत्पन्न करती है, जिससे जीव समुदाय का भरण-पोषण होता है।

संक्रांति का अर्थ

संक्रान्ति का अर्थ है सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में जाना, अत- वह राशि जिसमें सूर्य प्रवेश करता है, संक्रान्ति की संज्ञा से विख्यात है। राशियाँ बारह हैं, यथा मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृच्छिक, धनु, मकर, कुम्भ, मीन। मलमास पड़ जाने पर भी वर्ष में केवल 12 राशियाँ होती हैं। प्रत्येक संक्रान्ति पवित्र दिन के रूप में ग्राह्य है। भारत विविधताओं में एकता वाला देश है। यहाँ हर जाति व संस्कृति व धर्म को मानने वाले लोग रहते हैं। हमारे यहाँ कई त्योहार मनाए जाते हैं, जो ईश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा सामाजिक संबंधों को नई मजबूती प्रदान करने के लिए मनाए जाते हैं। मकर संक्राति भी इन्हीं त्योहारों में से एक है। यह त्योहार इस संपूर्ण सृष्टि में ऊर्जा के प्रमुख स्त्रोत सूर्य की आराधना के पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन सूर्य सिंह राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायन होने के साथ ही मौसम में परिवर्तन होता है और त्योहार के रूप में खुशियाँ मनाई जाती हैं। कहा जाता है कि इस दिन के बाद हर दिन तिल के बराबर बड़ा होता जाता है।

हर प्रांत हर रंग

भारत के अलग-अलग प्रांतों में इस त्योहार को अलग-

अलग ढंग से मनाया जाता है लेकिन इन सभी के पीछे मूल ध्येय एकता, समानता व आस्था दर्शाना होता है। मकर सक्रांति को पोंगल, लोहड़ी, पतंग उत्सव, तिल सक्रांति आदि नामों से भी जाना जाता है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने का, तिल-गुड़ खाने का तथा सूर्य को देने का अपना एक महत्व है। बचपन की यादें ताजा करने व दोस्तों के साथ फिर से हँसी-ठहाके करने का त्योहार मकर सक्रांति है। गिल्ली-डंडे के खेल के रूप में मौज-मस्ती के एक बहाने के रूप में म.प्र. में यह त्योहार मनाया जाता है। इस त्योहार पर परिवार के बच्चे से लेकर बूढ़े सभी एक साथ गिल्ली-डंडे के इस खेल का आनंद उठाते हैं।

लाल, हरी, नीली, पीली आदि रंग-बिरंगी पतंगें जब आसमान में लहराती हैं तो ऐसा लगता है मानो इन पतंगों के साथ हमारे सपने भी हकीकत की ऊँचाईयों को छू रहे हैं और हम सभी सारे गिले-शिकवे भूलकर एक-दूसरे की पतंगों के पेंच लड़ा रहे हैं। गुजरात में मकर सक्रांति के दिन पतंगबाजी के आयोजन में इसी प्रकार का सांप्रदायिक सद्भाव देखने को मिलता है। यहाँ अलसुबह ही सभी लोग अपने घरों की छतों पर जमा होकर पतंगबाजी करके खु?शी व उल्लास के साथ इस त्योहार का भरपूर लुत्फ उठाते हैं। कहते हैं जिंदगी बहुत छोटी है और यदि हम इस छोटी सी जिंदगी में भी अपनों से बैर पालकर बैठ जाएँ तो जिंदगी का क्या मजा आएगा? इस दिन सभी पुराने गिले-शिकवे भूलाकर तिल-गुड़ से मुँह मीठा कर दोस्ती का एक नया रिश्ता कायम किया जाता है। समूचे महाराष्ट्र में इस त्योहार को रिश्तों की एक नई शुरुआत के रूप में मनाया जाता है। कुछ इसी तरह पंजाब में लोहड़ी के रूप में तो तमिलनाडु में पोंगल के रूप में इस त्योहार को मनाते हुए प्रकृति देवता का नमन किया जाता है।

क्या करें

हमारे धार्मिक आख्यानों के अनुसार मकर संक्राति के दिन हमें ब्रह्म मूहर्त में किसी पवित्र नदी में स्नान कर सूर्य देवता को देना चाहिए। उसके बाद यथोचित दान-धर्म कर अपने ईश्वर का नमन करना चाहिए तथा अपनों के साथ खुशियाँ बाँटकर इस त्योहार को मनाना चाहिए। हर त्योहार हमारे लिए कुछ न कुछ संदेश लेकर आता है। मकर सक्रांति का त्योहार भी हमें भेदभाव भूलाकर एकजुट होने का संदेश देता है। तो क्यों न इस दिन हम सभी एक-दूसरे के साथ प्रेम, आत्मीयता व सम्मान का एक नया रिश्ता कायम करें।

ब्रह्म मुहूर्त में करें स्नान

मकर संक्रांति के अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में ही स्नान करना अच्छा माना जाता है। कुछ लोग गंगा जी जाकर स्नान करते हैं तो जो नहीं जा पाते वे घरों में ही पानी में गंगा जल मिलाकर स्नान कर मकर संक्रांति का पुण्य प्राप्त कर लेते हैं। इस दिन खिचड़ी का दान किया जाएगा। पूर्व उत्तरप्रदेश में इसे खिचड़ी संक्रांति भी कहते हैं। कहा जाता है कि जाड़े के दिनों में जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है तो माघ का महीना प्रारंभ हो जाता है। इस महीने उड़द की खिचड़ी एवं रेवड़ी-मूंगफली खाने से शरीर में ऊर्जा बढ़ती है। इस प्रकार यह पर्व प्रकृति परिवर्तन के साथ शरीर का संतुलन बनाए रखने की ओर भी इशारा करता है। उत्तराखंड के लोग इसे घुघुतिया त्योहार भी कहते हैं जिसमें आटे को गुड़ या शहद में तैयार कर शकरपारे बनाए जाते हैं तथा सुबह स्नान करने के बाद काले कौआ काले पूस की रोटी माघ में खाले, के नारे लगाते हुए छोटे-छोटे बच्चे घुघुत को कौआ को बुलाकर खिलाएंगे। भगवान श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं समस्त प्रकृतियां, ऋतु एवं महीने सब मुझसे ही पैदा होते हैं। इसलिए भारतीय उपासना पद्धति में प्रत्येक ऋतु, मास, पक्ष, सप्ताह एवं दिन-रात परामात्मा के स्वरूप ही माने गए हैं। इसीलिए हमारी उपासना सनातन उपासना कहलाती है। हर दिन किसी न किसी देवता की उपासना से जुड़ा होने से नित उत्सव का आनंद लोगों को मिलता ही रहता है। साथ ही किसी विशेष पर्व पर होने वाले धार्मिक उत्सव में तो सारा जनमानस एक-साथ आनंद में झूमने लगता है। इसी कड़ी में है लोहड़ी और मकर संक्रांति का पर्व जो हमें धार्मिक अनुष्ठान करते हुए प्रकृति से जुड़े रहने का संदेश देता है। इसकी धूम गांव, नगर, शहर हर जगह दिखाई देती है। ज्योतिषियों के अनुसार मकर संक्रांति के दिन तिल का उपयोग 6 प्रकार से करना चाहिए। तिल का तेल जल में डालकर स्नान, तिल के तेल की शरीर पर मालिश करके स्नान, तिल का उपयोग हवन सामग्री में, तिलयुक्त जल का सेवन, तिल व गुड़युक्त मिठाई व भोजन का सेवन, तिल का दान करने से शारीरिक, धार्मिक व अन्य लाभ तथा पुण्य प्राप्त होते हैं। इसके अतिरिक्त पूजन में चंदन से अष्टदल का कमल बनाकर उसमें सूर्यदेव का चित्र स्थापित करें। शाम को तिलयुक्त भोजन से अपना व्रत खोलें।

मकर संक्रांति कौन से वाहन पर सवार होकर आ रही है, क्या रहेगा उसका प्रभाव?

15 जनवरी 2024 सोमवार के दिन मकर संक्रांति का महापर्व मनाया जाएगा। यह त्योहार संपूर्ण भारत में भिन्न भिन्न नाम और परंपरा के रूप में मनाया जाता है। आओ जानते हैं कि इस बार मकर संक्रांति किस वाहन पर सवार होकर आ रही है और क्या होगा संक्रांति का फल यानी इसका देश दुनिया पर क्या होगा प्रभाव।

मकर संक्रांति कब है 2024?

15 जनवरी 2024 सोमवार को मनाई जाएगी।

मकर संक्रान्ति पुण्य काल- सुबह 07:15 से शाम 05:46 तक।

अवधि- 10 घण्टे 31 मिनट्स

मकर संक्रान्ति महा पुण्य काल- सुबह 07:15 से 09:00 तक।

अवधि- 01 घण्टा 45 मिनट्स।

मकर संक्रान्ति का क्षण- 02:54 एएम।

मकर संक्रांति का वाहन

साल 2024 में मकर संक्रांति का वाहन अश्व है।

मकर संक्रांति पर सूर्य देव अश?व पर सवार होकर आ रहे हैं।

सूर्यदेव का उपवाहन होगा सिंह।

इस बार की संक्रांति का स्वरूप काले वस्त्र धारण किए हुए हैं जो शनिदेव का रंग है।

मकर राशि के स्वामी भी शनि है।

मकर संक्रांति का आगमन दक्षिण दिशा से और गमन उत्तर दिशा से होगा।

मकर संक्रांति को देवी के रूप में भी पूजा जाता है।

यह देवी माथे पर हल्दी का तिलक लगाए और स्वर्ण आभूषण धारण किए हैं।

दक्षिण भारत का छठ है पोंगल

मकर संक्रांति को देश में कई नामों से जाना जाता है. जहां उत्तर भारत में इसे खिचड़ी के नाम से जानते हैं वहीं दक्षिण भारत में इसे पोंगल कहा जाता है. पोंगल तमिल हिन्दुओं का एक प्रमुख त्यौहार है. यह त्यौहार हमारे दक्षिण भारत की संस्कृति को दुनिया के सामने रखता है. पोंगल का महत्व दक्षिण भारतीयों के लिए उसी तरह है जैसा उत्तर भारतीयों के लिए छठ पर्व.

आखिर कैसे पड़ा नाम पोंगल

इस त्यौहार का नाम पोंगल इसलिए है क्योंकि इस दिन सूर्य देव को जो प्रसाद अर्पित किया जाता है वह पोगल कहलता है. तमिल भाषा में पोंगल का एक अन्य अर्थ निकलता है अच्छी तरह उबालना. दोनों ही रूपों में देखा जाए तो बात निकल कर यह आती है कि अच्छी तरह उबाल कर सूर्य देवता को प्रसाद भोग लगाना सबसे जरूरी है.

पोंगल पर्व मनाने का कारण

पोंगल मकर संक्रांति का ही एक रूप है. जिस तरह लोहड़ी और मकर संक्रांति फसलों से जुड़े हैं यह पर्व भी फसलों से ही संबंधित है. जनवरी महीने तक तमिलनाडु की मुख्य फसल गन्ना व धान पककर तैयार हो जाती है. जब किसान अपने खेतों में लहलहाती फसलों को देखता है तो वह भगवान के प्रति अपना आभार व्यक्त करने के लिए पोंगल का त्यौहार मनाता है. पोंगल के त्यौहार में मुख्य रूप से बैल की पूजा की जाती है क्योंकि बैल के माध्यम से किसान अपनी जमीन जोतता है और साथ ही भगवान को नई फसल का भोग लगाया जाता है.

छठ जैसी पवित्रता

जिस तरह बिहार समेत उत्तर भारत के लोग छठ मनाते हैं, वैसी ही पवित्रता के साथ दक्षिण भारत में पोंगल मनाया जाता है. इसमें दीपावली की रस्म भी पूरी की जाती है.

तीन दिन का पर्व पोंगल

पोंगल सामान्यत: तीन दिन तक मनाया जाता है. पहले दिन कूड़ा-करकट एकत्र कर जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी की पूजा होती है और तीसरे दिन पशु धन की.

पोंगल पर्व का आरंभ 'बोगी पोंगल' से होता है, तो समापन 'कानुम पोंगल' से होता है. सूर्य देव की आराधना पर आधारित इस पर्व के लिए मायके से चावल, गुड़, घी आदि से आता है. मकर संक्रांति के एक दिन पहले बोगी पोंगल को घर की साफ-सफाई कर कचरे को घर के बाहर जलाया जाता है. इसके बाद आंगन में बहुत बड़ी रंगोली बनाई जाती है. 14 जनवरी को मिट्टी के नए बर्तन को मिट्टी के चूल्हे पर चढ़ाया जाता है जिसमें संयुक्त परिवार की महिलाएं अपने-अपने मायके से आए चावल, गुड़ और घी डालती हैं. जब मीठा चावल तैयार हो जाता है, तो छत पर पुरुष सदस्य सूर्य देव की पूजा करते हैं. इसी क्रम में दूध को उबाला जाता है. आमतौर पर उबलते हुए दूध का बर्तन से गिरना अशुभ माना जाता है, लेकिन पोंगल में इसे शुभ माना जाता है. दक्षिण के अलावा किसी भी दिशा में दूध उबलकर गिरता है तो उसे प्रणाम किया जाता है. मान्यता है कि ऐसा होने से पूरे वर्ष उनके घर सुख-समृद्धि बनी रहेगी. उस दिन पोंगल (खिचड़ी) के अलावा दही बड़ा अवश्य बनता है, जिसे महिलाएं नई हल्दी का लेप

दक्षिण में मकर संक्रांति को पोंगल के रुप में मनाया जाता है। सौर पंचांग के अनुसार यह पर्व महीने की पहली तारीख को आता है। पोंगल विशेष रूप से किसानों का पर्व है। पोंगल सामान्यतः तीन दिन तक मनाया जाता है। पहले दिन कूड़ा-करकट एकत्र कर जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी की पूजा होती है और तीसरे तीन पशु धन की। पोंगल के दिन स्नान करके खुले आँगन में मिट्टी के नए बर्तन में खीर बनाई जाती है, जिसे पोंगल कहते हैं। इसके बाद सूर्य भगवान को नैवेद्य चढ़ाया जाता है। तब खीर को प्रसाद रूप में सब लोग ग्रहण करते हैं। इस दिन बेटी और दामाद का घर पर स्वागत किया जाता है। तीसरे दिन किसान अपने पशुओं को खूब अच्छी तरह सजाकर जुलूस निकालते हैं। कन्याओं के लिए यह हर्षोल्लास का पर्व है।

लगाकर स्नान करने के बाद ग्रहण करती हैं. तीसरे दिन कानुम पोंगल में लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं. विवाहित महिलाएं लड़कियों को हल्दी का तिलक लगाकर आशीर्वाद देती हैं. इसी दिन चावल को अलग-अलग रंग में रंगकर घर के बाहर रखा जाता है, ताकि चिड़ियां उसे खाएं. तीनों दिन गन्ना जरूर खाया जाता है. यह त्यौहार भारतीय संस्कृति की पहचान है. माना कि समय के साथ इसमें थोड़ा-बहुत बदलाव आया है, लेकिन नियम-पवित्रता से कोई समझौता नहीं किया जाता है.

रिश्तों की मधुरता का त्योहार लोहड़ी

लोहड़ी उत्तर भारत का एक प्रसिद्ध त्योहार है। यह मकर संक्रान्ति के एक दिन पहले मनाया जाता है। मकर संक्रान्ति की पूर्वसंध्या पर इस त्यौहार का उल्लास रहता है। रात्रि में खुले स्थान में परिवार और आस-पड़ोस के लोग मिलकर आग के किनारे घेरा बना कर बैठते हैं। इस समय रेवड़ी, मूंगफली, लावा आदि खाए जाते हैं। लोहड़ी पौष के अंतिम दिन, सूर्यास्त के बाद (माघ संक्रांति से पहली रात) यह पर्व मनाया जाता है। यह प्राय- 12 या 13 जनवरी को पड़ता है। यह मुख्यत- पंजाब का पर्व है।

लोहड़ी से संबद्ध परंपराओं एवं रीति-रिवाजों से ज्ञात होता है कि प्रागैतिहासिक गाथाएँ भी इससे जुड़ गई हैं। दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि-दहन की याद में ही यह अग्नि जलाई जाती है। इस अवसर पर विवाहिता पुत्रियों को माँ के घर से त्योहार (वस्त्र, मिठाई, रेवड़ी, फलादि) भेजा जाता है। यज्ञ के समय अपने जामाता शिव का भाग न निकालने का दक्ष प्रजापति का प्रायश्चित्त ही इसमें दिखाई पड़ता है।

लोहड़ी से 20-25 दिन पहले ही बालक एवं बालिकाएँ लोहड़ी के लोकगीत गाकर लकड़ी और उपले इकट्ठे करते हैं। संचित सामग्री से चौराहे या मुहल्ले के किसी खुले स्थान पर आग जलाई जाती है। मुहल्ले या गाँव भर के लोग अग्नि के चारों ओर आसन जमा लेते हैं। घर और व्यवसाय के कामकाज से निपटकर प्रत्येक परिवार अग्नि की परिक्रमा करता है। रेवड़ी (और कहीं कहीं मक्की के भुने दाने) अग्नि की भेंट किए जाते हैं तथा ये ही चीजें प्रसाद के रूप में सभी उपस्थित लोगों को बाँटी जाती हैं। घर लौटते समय लोहड़ी में से दो चार दहकते कोयले, प्रसाद के रूप में, घर पर लाने की प्रथा भी है। जिन परिवारों में लड़के का विवाह होता है अथवा जिन्हें पुत्रप्राप्ति होती है, उनसे पैसे लेकर मुहल्ले या गाँव भर में बच्चे ही बराबर बराबर रेवड़ी बाँटते हैं। लोहड़ी के दिन या उससे दो चार दिन पूर्व बालक बालिकाएँ बाजारों में दुकानदारों तथा पथिकों से मोहमाया या महामाई (लोहड़ी का ही दूसरा नाम) के पैसे माँगते हैं, इनसे लकड़ी एवं रेवड़ी खरीदकर सामूहिक लोहड़ी में प्रयुक्त करते हैं।

शहरों के शरारती लड़के दूसरे मुहल्लों में जाकर लोहड़ी से जलती हु इं लकड़ी उठाकर अपने मुहल्ले की लोहड़ी में डाल देते हैं। यह लोहड़ी व्याहना कहलाता है। कई बार छीना झपटी में सिर फुटौवल भी हो जाती है। मँहगाई के कारण पर्याप्त लकड़ी और उपलों के अभाव में दुकानों के बाहर पड़ी लकड़ी की चीजें उठाकर जला देने की शरारतें भी चल पड़ी हैं।

लोहड़ी का त्यौहार पंजाबियों तथा हरयानी लोगो का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। यह लोहड़ी का त्यौहार पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में धूम धाम तथा हर्षो लाश के साथ मनाया जाता हैं। यह त्यौहार मकर संक्राति से एक दिन पहले 13 जनवरी को हर वर्ष मनाया जाता हैं।

लोहड़ी त्यौहार के उत्पत्ति के बारे में काफी मान्यताएं हैं जो की पंजाब के त्यौहार से जुडी हुई मानी जाती हैं। लोहड़ी का त्यौहार पंजाबियों तथा हरयानी लोगो का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। यह लोहड़ी का त्यौहार पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में धूम धाम तथा हर्षो लाश के साथ मनाया जाता हैं। यह त्यौहार मकर संक्राति से एक दिन पहले 13 जनवरी को हर वर्ष मनाया जाता हैं।

लोहड़ी त्यौहार के उत्पत्ति के बारे में काफी मान्यताएं हैं जो की पंजाब के त्यौहार से जुडी हुई मानी जाती हैं। कई लोगो का मानना हैं की यह त्यौहार जाड़े की ऋतू के आने का द्योतक के रूप में मनाया जाता हैं।

आधुनिक युग में अब यह लोहड़ी का त्यौहार सिर्फ पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में ही नहीं अपितु बंगाल तथा उड़िया लोगो द्वारा भी मनाया जा रहा हैं!

दुल्ला भट्टी की कहानी

लोहड़ी को दुल्ला भट्टी की एक कहानी से भी जोड़ा जाता हैं। लोहड़ी की सभी गानों को दुल्ला भट्टी से ही जुड़ा तथा यह भी कह सकते हैं की लोहड़ी के गानों का केंद्र बिंदु दुल्ला भट्टी को ही बनाया जाता हैं। दुल्ला भट्टी मुगल शासक अकबर के समय में पंजाब में रहता था। उसे पंजाब के नायक की उपाधि से सम्मानित किया गया था! उस समय संदल बार के जगह पर लड़कियों को गुलामी के लिए बल पूर्वक अमीर लोगों को बेच जाता था जिसे दुल्ला भट्टी ने एक योजना के तहत लड़कियों को न की मुक्त ही करवाया बल्कि उनकी शादी की हिन्दू लडको से करवाई और उनके शादी के सभी व्यवस्था भी करवाई। दुल्ला भट्टी एक विद्रोही था और जिसकी वंशवली भट्टी राजपूत थे। उसके पूर्वज पिंडी भट्टियों के शासक थे जो की संदल बार में था अब संदल बार पकिस्तान में स्थित हैं।

वह सभी पंजाबियों का नायक था।

लोहड़ी सिख परिवारों के लिए बहुत महत्वपूर्ण त्योहार है। लोहड़ी मकर संक्रांति के एक दिन पहले मनाया जाता है। हर साल 13 जनवरी को पंजाबी परिवारों में विशेष उत्साह होता है। यह उत्साह तब और बढ़ जाता है यदि घर में बहू या फिर बच्चे के जन्म की पहली लोहड़ी हो।

त्योहारों को पूर्णता देता है पोंगल

पोंगल अर्थात् खिचड़ी का त्योहार सूर्य के उत्तरायण होने के पुण्यकाल में मनाया जाता है। खुले आँगन में हल्दी की जड़ की गाँठ को पीले धागे में पिरोकर पीतल या मिट्टी की हाँड़ी की गर्दन में बाँधकर उसमें चावल एवं मूँग की दाल की खिचड़ी पकाते हैं। उसमें उफान आने पर दूध व घी डाला जाता है। उफान आते ही घर के सभी सदस्य गाजे-बाजे के साथ पोंगल - पोंगल की आवाज़ लगाकर खुशी प्रकट करते हैं। वह उफान सुख और समृद्धि का परिचायक है। लोग एक-दूसरे के सुख व समृद्धि की कामना करते हैं। गन्ने के साथ सूर्यदेव की पूजा की जाती है। इस दिन आग पर हाँड़ी चढ़ाने का विशेष मुहुर्त होता है, जिसे देखकर हाँड़ी को आग पर चढ़ाया जाता है। उबलता हुआ दूध जब पात्र में से गिरने लगता है, तो उसे समृद्धशाली कृषि ऋतु का प्रतीक माना जाता है। हल्दी के पौधे की छोटी-छोटी टहनियों को बर्तनों के चारों ओर बाँधा जाता है तथा उसके साथ-साथ सूर्य व चन्द्रमा की आकृतियाँ बनाई जाती हैं। सभी अपने मित्रों व सगे-सम्बन्धियों से मिलते हैं तथा मिठाइयों की भेंट देते हैं। पोंगल के समय गन्ने की फ़सल तैयार हो चुकी होती है तथा गन्ना सभी हाट-बाज़ारों में खूब बिकता है। जगह-जगह बच्चे गन्ना चूसते नज़र आते हैं।

रिपोर्ट में खुलासा : कोहरे और धुंध में बहुत कम होते हैं सड़क हादसे

नई दिल्ली। भले ही कोहरे और धुंध में कम दिखाई देता है इसके बाद भी सड़क हादसे कम होते हैं। इसी तरह बारिश में भी वाहनों के फिसलने की आशंका ज्यादा होती है फिर उतने ज्यादा हादसे नहीं होते हैं जितने गर्मी के मौसम में होते हैं। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कोहरे और धुंध के साथ हो रही बारिश के बाद भी हादसे कम ही होते हैं। वजह ये है कि ऐसे मौसम में लोग ज्यादा सावधानी से वाहन चलाते है। जबकि गर्मी के मौसम में लोग ज्यादा तेज गति से वाहन चलाते हैं और हादसों का संख्या बढ़ जाती है। सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार एक वर्ष में कुल 412432 सड़क हादसों में 168491 लोगों की मौत हुई है। इसमें सबसे ज्यादा सड़क हादसे मई और जून में हुए हैं। मई में 43307 और जून में 39432 हादसे हुए हैं। इनमें मई में 16791 और जून में 14762 की मौत हुई हैं। वहीं, जनवरी में सबसे ज्यादा कोहरा होता है। इस माह 37040 सड़क हादसों में 13677 लोगों की मौत हुई है। यानी पूरे साल में मई में सबसे ज्यादा सड़क हादसे होते हैं. जब मौसम बिल्कुल साफ होता है। आखिर साफ मौसम में सबसे ज?यादा हादसे क्यों होते हैं, असल वजह ट्रांसपोर्ट एक्सपर्ट से जानते हैं। सेव लाइफ फाउंडेशन के फाउंडर और सीईओ पीयूष तिवारी के अनुसार साफ मौसम में सड़क हादसे अधिक होने का एक कारण यह भी होता है कि लोग इस मौसम में स्पीड से गाड़ी चलाते हैं, जबकि कोहरे और बारिश में सावधानी से गाड़ी चलाते हैं। इस वजह से हादसे कम होते हैं। वहीं, सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट के साइंटिस्ट डा. वेलमूगन बताते हैं कि जहां ट्रैफिक अधिक होगा, सड़क हादसे होने की आशंका सबसे अधिक वहीं होगी। कोहरे में कम संख्या में लोग वाहन चलाते हैं इसलिए हादसे भी कम होते हैं, जबकि मई में बच?चों की छुट्टियां शुरू होती है और लोग एक साथ गांव या घूमने निकलते हैं।

दिल्ली में सीजन का सबसे ठंडा दिन

-बिहार में स्कूल बंद ; पंजाब, हरियाणा में शीतलहर का रेड अलर्ट

नई दिल्ली । उत्तर भारत के कई राज्यों तेज सर्दी बनी हुई है। दिल्ली में शनिवार को इस सर्दी के मौसम की सबसे ठंडी सुबह दर्ज की गई। मिनिमम टेम्परेचर गिरकर 3.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कोहरे की वजह से दिल्ली से चलने वाली या वहां पहुंचने वाली 18 ट्रेन 1 से 6 घंटे की देरी से चल रही हैं। इधर, हरियाणा के हिसार के बालसमंद में न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश के कानपुर में पारा 3.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा में कोहरे के साथ-साथ कोल्ड वेव और पाला पडऩे का अलर्ट है।

बिहार में 16 जनवरी तक स्कूल बंद

बिहार में ठंड को देखते हुए पटना में 8वीं तक के सभी स्कूलों में 16 जनवरी तक छुट्टी कर दी गई है। मुधबनी में 5वीं तक के स्कूलों को भी 16 जनवरी तक बंद करने का फैसला किया गया है।

गुवाहाटी फ्लाइट की बांग्लादेश में लैंडिंग

गुवाहाटी । मुंबई से गुवाहाटी जाने वाली इंडिगो फ्लाइट की शनिवार को बांग्लादेश के ढाका में लैंडिंग कराई गई। गुवाहाटी में घने कोहरे के कारण फ्लाइट लैंड नहीं हो सकी और उसे डायवर्ट किया गया। इस फ्लाइट में 178 पैसेंजर्स सवार थे। चूंकि डोमेस्टिक फ्लाइट होने के कारण सभी यात्री बिना पासपोर्ट के सफर कर रहे थे, इसलिए ढाका में उन्हें फ्लाइट से उतरने की इजाजत नहीं मिली। इसके कारण यात्रियों को 12 घंटे फ्लाइट के अंदर ही बैठना पड़ा।

होटल के किराये से महंगी होने के बावजूद पतंगबाजों ने बुक करवाईं अहमदाबाद की छतें

अहमदाबाद । शहर की छतों पर पतंगबाजी के किराए में दो गुनी से अधिक वृद्धि हो गई है7 पहले 5 से 10 हजार में पतंगबाजों को छत उपलब्ध हो जाती थी। लेकिन अब यह किराया बढ़कर 15 से 25 हजार रुपए पहुंच गया है। अहमदाबाद में उत्तरायण मनाने का कुछ अलग ही अंदाज दिखता है। खासकर पुराने अहमदाबाद में आसमान रंग बिरंगे पतंगों से पटा दिखता है। पुराने अहमदाबाद में पतंगबाजी किसी यादगार समय से कम नहीं है। यही वजह है कि पिछले कुछ वर्षों से पुराने अहमदाबाद में छत किराये पर देने की दौर शुरू हुआ जो लगातार बढ़ता गया। हांलाकि महंगाई का असर छत के किराए पर भी देखने मिल रहा है। कभी दो दिन के लिए रु.5 से रु.10 हजार में छत किराए पर मिलती थी। लेकिन इस बार पुराने अहमदाबाद में छतों का किराया रु. 15 से रु. 25 हजार तक पहुंच गया है। किराया बढ़ने के बावजूद पतंगबाजों ने एक महीने पहले ही छतों का बुकिंग करवा लिया था। गौर करनेवाली बात यह है कि छत किराये पर लेनेवाले पतंगबाजों को वीवीआईपी सुविधा भी दी जाती है। छत मालिक कैटरिंग सर्विस के साथ पैकेज उपलब्ध कराते हैं। जिसमें ऊंधियूं, जलेबी, चिक्की, गन्ना, बैर, ब्रेकफास्ट और चाय-कॉफी दी जाती है। पुराने अहमदाबाद में छतों की बुकिंग कराने वालों में विदेशी और अन्य राज्यों के लोगों की संख्या अधिक होती है।

महादेव सट्टेबाजी मामले में ईडी को सफलता, दो लोगों गिरफ्तार

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय ने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग एप मामले में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। नितिन टिबरेवाल और अमित अग्रवाल के रूप में पहचाने गए दो आरोपियों को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की कई धाराओं के तहत गिरफ्तार कर विशेष अदालत में पेश किया गया। टिबरेवाल पर मामले के एक आरोपी विकास छापरिया का करीबी सहयोगी होने का आरोप है। ईडी सूत्रों के हवाले से बताया कि उन्होंने कथित तौर पर दुबई में कुछ अघोषित संपत्तियां खरीदीं और एक कंपनी में बहुसंख्यक शेयरधारक थे, जिसमें चप्पारिया भी एक शेयरधारक हैं। ईडी को संदेह है कि ये संपत्तियां महादेव एप के मुनाफे से उत्पन्न अपराध की आय का उपयोग करके खरीदी गई थीं। गिरफ्तार किया गया दूसरा व्यक्ति अमित मामले के एक अन्य आरोपी अनिल कुमार अग्रवाल का रिश्तेदार है। ईडी सूत्रों के मुताबिक, अमित को अनिल कुमार अग्रवाल से महादेव एप फंड मिला और कहा जाता है कि उनकी (अमित अग्रवाल की) पत्नी ने मामले के एक अन्य आरोपी अनिल दमानी के साथ मिलकर कई संपत्तियां खरीदीं। अब तक, ईडी ने मामले में दो आरोप पत्र दायर किए हैं, जिसमें कथित अवैध सट्टेबाजी और गेमिंग एप के दो मुख्य प्रमोटरों, सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल सहित अन्य शामिल हैं। दोनों को हाल ही में ईडी के आदेश पर जारी इंटरपोल रेड नोटिस के आधार पर दुबई में हिरासत में लिया गया था और एजेंसी उन्हें संयुक्त अरब अमीरात से भारत निर्वासित या प्रत्यर्पित करने की कोशिश कर रही है। महादेव एप मामला एक हाई-प्रोफाइल घोटाला है, जिसमें एक ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म शामिल है जो पोकर, कार्ड गेम, बैडमिंटन, टेनिस, फुटबॉल और क्रिकेट जैसे विभिन्न खेलों पर अवैध जुआ खेलने में सक्षम बनाता है। यह एप दुबई स्थित सौरभ चंद्राकर, जो एक पूर्व जूस विक्रेता था, और उसके साथी रवि उप्पल द्वारा चलाया गया था, जो दोनों छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं।

रामलला के दर्शन करने सीमा हैदर परिवार सहित पैदल जाएंगी

अयोध्या । राम मंदिर के उद्घाटन में यदि सीमा हैदर को बुलावा आएगा तो वह पैदल ही परिवर सहित अयोध्या जाएंगी। उन्होंने एक चैनल को दिए इंटरव्यू में यह खुलासा किया है। गौरतलब है ?कि 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह होने वाला है। इसमें शामिल होने को लेकर सीमा हैदर से भी सवाल किया गया। सीमा से पूछा अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन होने वाला है, इसे आप कैसे देखती हैं, इसपर सीमा ने कहा हम बहुत खुश हैं और हमारे गांव में भी राम मंदिर को लेकर बहुत खुशी है। लोग बहुत जोश में हैं। बहुत लोगों की तैयारी भी चल रही है राम मंदिर जाने की। हम भी दो बार दीवाली मनाएंगे। हमारे घर में सुंदरकांड का पाठ भी होता है। एक इंटरव्यू के दौरान सीमा हैदर से कि अगर आपको वहां जाने का न्योता मिलता है तो क्या आप जाएंगी। इसपर जवाब देते हुए सीमा ने कहा : कि अयोध्या जाना कौन पसंद नहीं करेगा, लेकिन हमारी पूरी तैयारी है। मैं और मेरा पूरा परिवार पैदल ही जाएगा।

सीमा ने कहा कि मेरी बहुत इच्छा है राम मंदिर को देखने की, और हम भी जरूर देखेंगे। सीमा ने कहा कि मैं खुद को बहुत खुशनसीब मानती हूं कि मैं राम मंदिर को देख रही हूं। सोशल मीडिया पर भी राम मंदिर की चर्चा को देखती हूं, इसलिए मैं खुद को बहुत लकी मानती हूं। बता दें कि ऑनलाइन गेम खेलते समय नोएडा के सचिन को पाकिस्तान की सीमा से प्यार हो गया था और वे अपने 4 बच्चों को भारत आ गई थीं और अब वे अपने पांचवें बच्चे को भी जन्म देने वाली हैं।

उद्धव गुट ने भेजा राष्ट्रपति मुर्मू को न्यौता, 22 को कालाराम मंदिर आने का

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। 22 जनवरी को शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की ओर से नासिक के कालाराम मंदिर में आरती आयोजित की जाएगी। इसके लिए महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर 22 जनवरी को आरती में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। उद्धव ने कहा कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पूरे देश के लिए अहम है, इसलिए हम कालाराम मंदिर में आरती कर रहे हैं। मालूम हो कि राष्ट्रपति को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का भी न्यौता मिला है। इसके बाद अब देखना ये होगा कि राष्ट्रपति कहां जाती हैं।

शिवसेना (यूबीटी) की ओर से राष्ट्रपति को लिखे पत्र में कहा गया, सर्वप्रथम मैं आपको आगामी 22 जनवरी 2024 को अयोध्या के पवित्र जन्मस्थान मंदिर में निर्धारित प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा की अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं। यह संपूर्ण भारत वर्ष के लिए हर्षोल्लास के साथ हिंदू हृदय सम्राट शिवसेना प्रमुख बालासाहेब के धर्म संकल्प पूर्ति की पूर्णाहुति है। शिवसेना प्रमुख ने आजीवन प्रभु श्रीराम के मंदिर के लिए कड़ा संघर्ष किया। भगवान श्रीराम के आदर्श केवल हिंदू या हिंदुत्व तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि ये राष्ट्र की अस्मिता और आस्था के भी प्रतीक हैं। यहां महाराष्ट्र में भी उसी आस्था पर्व की मंगल अभिलाषा की जा रही है। हम लोगों ने 22 जनवरी के पावन उपलक्ष पर नासिक क्षेत्र में प्रभु श्रीराम के महापूजन और महाआरती का दिव्य संकल्प लिया है।

पत्र में लिखा है, अयोध्या भगवान श्रीराम का जन्म क्षेत्र है, तब नासिक-पंचवटी दंडकारण्य उनका कर्म क्षेत्र। उनके वनवास काल में यहां के आदिवासी-वनवासियों से आत्मीय संबंध रहे हैं। उनकी लीलाओं के प्रमाण आज भी यहां मौजूद हैं। उन्हीं प्रमाणों का प्रतीक रुप है नासिक का कालाराम मंदिर। हमारा आयोजन इसी जीवंत धार्मिक व ऐतिहासिक महत्व वाले मंदिर में निर्धारित है। महोदया, अतीत में भी सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा तत्कालीन राष्ट्रपति सम्माननीय राजेंद्र प्रसाद जी के हाथों हुई थी। अर्थात, नासिक में आपकी उपस्थिति अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा की गरिमा भी बढ़ाएगी और राजेंद्र प्रसाद द्वारा स्थापित परिपाटी को भी बरकरार रखेगी। अतः हमारा आग्रह और आमंत्रण है कि देश की प्रथम नागरिक के रुप में आप नासिक पधारकर हमें अनुग्रहित करें।

इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान, बैठक में भड़के सपा नेता

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन में शामिल पार्टियों के बीच सीट बंटवारे को लेकर खींचतान चल रही है। दिल्ली में हुई बैठक में जहां सीटों के बंटवारे पर मंथन जारी है, वहीं दिल्ली, बिहार में कांग्रेस बंटवारे पर सहमत नजर आ रही है। इसी वजह से सपा के नेता भड़क गए हैं। क्योंकि यूपी में सहयोगी दल सपा से स्थिति पेंचीदगी भरी दिखाई दे रही है। हालांकि पहली बैठक के बाद दोनों दलों के नेताओं की फोन पर बातचीत हुई। सपा ने कांग्रेस के साथ प्रस्तावित सीटों पर प्रत्याशियों की सूची जारी करने की बात कही। बताया जा रहा है कि यह बात कांग्रेस को अखर गई है। यही वजह है कि दोनों दलों के बीच दूसरे राउंड की बैठक पटरी से उतर गई। एक धड़ा कह रहा है कि सपा को कांग्रेस के साथ बढ़ता बसपा का संपर्क रास नहीं आ रहा है। इसके पहले 12 जनवरी को कांग्रेस ने सपा को फोन कर बैठक टालने की जानकारी दी। कांग्रेस ने कहा था कि बैठक को लेकर उसकी तैयारी पूरी नहीं है। ऐसे में सपा पदाधिकारी भड़क गए। सपा मीडिया सेल ने 'एक्स' पर पोस्ट में कांग्रेस पर धोखेबाजी का आरोप लगाया। हालां?कि इस पोस्ट को सपा ने देर रात हटा लिया। वहीं पार्टी के प्रवक्ता फकरुल हसन ने कहा कि इसमें गलत क्या है। हम कांग्रेस से जिताऊ प्रत्याशियों के नाम दो महीने से मांग रहे हैं। उधर, कांग्रेस प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने कहा कि सपा को गठबंधन को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों को दूर करना होगा, तभी बीजेपी से मुकाबला कर सकते हैं। गौरतलब है कि यूपी में लोकसभा सीटों पर बंटवारे के लिए इंडिया गठबंधन की पहली बैठक 9 जनवरी को हुई।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा : भगवान जिनको बुलाते हैं वे लोग जाते हैं : अखिलेश

-प्रोपेगेंडा फैलाकर विपक्ष को अपमानित कर रहीं भाजपा : अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने को लेकर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर विपक्ष को अपमानित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा इसके लिए जानबूझकर प्रोपेगेंडा फैला रही है। स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर समाजवादी पार्टी के लखनऊ कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सपा प्रमुख ने निमंत्रण के सवाल पर कहा, भगवान का निमंत्रण कौन देता है, भगवान जिनको बुलाते हैं वे लोग जाते हैं। भाजपा कार्यकर्ता राजनीतिक कार्यक्रम करवा रहे हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा हर चीज को इवेंट में तब्दील कर रही हैं। अपने फायदे के लिए कार्यक्रम चला रहे हैं। उन्होंने कहा, हम लोग 100प्र. हिन्दू और सनातन परंपरा को मानते हैं। अगर शंकराचार्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने से मना कर रहे हैं तो क्या भाजपा वाले उनको भी सनातन विरोधी बोलेंगे? जब राम बुलाएंगे तो मैं अयोध्या चला जाऊंगा।

एक दिन पहले समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने दावा किया था कि उन्हें 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में भगवान रामलला के प्रतिष्ठा समारोह का कोई निमंत्रण नहीं मिला है। उनके इस दावे पर विहिप के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा, अखिलेश यादव को कूरियर द्वारा निमंत्रण भेजा गया था, उस पर कोई विवाद नहीं है। अगर उनके दावे के मुताबिक उन्हें यह नहीं मिला है तो हम उन्हें दोबारा निमंत्रण भेज सकते हैं।

अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा ने आज जो रास्ता चुना है वह समाज को बांटने का है, भाजपा का रास्ता न तो सहिष्णुता का है और न ही सार्वभौमिक स्वीकृति का। आज जब हम स्वामी विवेकानंद को याद कर रहे हैं तो हमें उनके दिखाये रास्ते पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने आगे दावा किया कि जिन लोगों ने कहा है कि मुझे कूरियर से निमंत्रण भेजा गया है, उन्हें रसीद देनी चाहिए ताकि इसे ट्रैक किया जा सके।

शराब कांड में पूछताछ करने केजरीवाल को ईडी ने फिर दिया चौथा समन

-अबतक तीन समन हो चुके जारी, एक बार भी नहीं हुए हाजिर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को ईडी ने शराब कांड में पूछताछ के लिए चौथा समन जारी किया है। गौरतलब है कि अबतक उन्हें तीन समन जारी किए जा चुके हैं, लेकिन वह एक बार भी हाजिर नहीं हुए हैं, ऐसे में उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बता दें कि अभी जो समन भेजा है इसमें 18 जनवरी को पूछताछ में शामिल होने के लिए बुलाया गया है। अरविंद केजरीवाल को मिला यह चौथा समन है, इससे पहले अरविंद केजरीवाल को तीन समन जारी किए जा चुके हैं और वह एक बार भी एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए हैं। सीएम अरविंद केजरीवाल को तीसरा समन 3 जनवरी के लिए भेजा गया था। मगर केजरीवाल ने उस पर ध्यान नहीं दिया था। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय, ईडी दिल्ली के सीएम केजरीवाल से दिल्ली शराब घोटाला केस के मामले में पूछताछ करना चाहता है। बता दें कि अरविंद केजरीवाल ने अब तक मिल चुके तीनों समन को नजरअंदाज किया है और आरोप लगाया है कि ईडी का नोटिस गैर कानूनी है।

पिछले दिनों भी ईडी की ओर जारी समन पर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उसके सामने पेश होने से इनकार कर दिया था और यह भी कहा था कि एजेंसी का दृष्टिकोण कानून, समानता या न्याय की कसौटी पर खरा नहीं उतर सकता है और ईडी की यह 'जिद' 'जज, जूरी और जल्लाद' की भूमिका निभाने के समान है। अरविंद केजरीवाल को इससे पहले समन जारी कर पिछले साल दो नवंबर और 21 दिसंबर और इस साल तीन जनवरी को जांच में शामिल होने के लिए कहा गया था। अरविंद केजरीवाल को इससे पहले समन जारी कर पिछले साल दो नवंबर और 21 दिसंबर और इस साल तीन जनवरी को जांच में शामिल होने के लिए कहा गया था। पहले समन में तो अरविंद केजरीवाल चुनावी सभा के लिए चले गए थे और दूसरे के दौरान विपश्यना के लिए गए थे।

दिल्ली शराब घोटाले की बता करें तो यह घोटाला 2021-22 में आबकारी नीति से संबंधित है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इसे लागू किए जाने के संबंध में सीबीआई जांच की सिफारिश की थी जिसके तुरंत बाद 2022 में आप सरकार ने इसे रद्द कर दिया था। इस मामले में मनीष सिसोदिया और संजय सिंह फिलहाल जेल में हैं। अब केजरीवाल पर भी ईडी शिकंजा कसने की कोशिश में हैं।

मुआवजा बढ़ाने पर विचार करे केंद्र, हिट एंड रन मामलों में सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र को हिट-एंड-रन दुर्घटनाओं के पीड़ितों को दिए जाने वाले मुआवजे को बढ़ाने के लिए मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन करने पर विचार करने का निर्देश दिया, साथ ही सरकार को याद दिलाया कि समय के साथ पैसे का मूल्य कम हो जाता है। मोटर वाहन अधिनियम पीड़ितों को हिट-एंड-रन दुर्घटनाओं के दौरान मृत्यु के मामले में रू.2 लाख और चोटों के लिए रू.50,000 का मुआवजा देने की अनुमति देता है। न्यायाधीश एएस ओक की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि हम केंद्र सरकार को इस पर विचार करने का निर्देश देते हैं कि क्या मुआवजे की राशि को धीरे-धीरे सालाना बढ़ाया जा सकता है। केंद्र सरकार आज से आठ सप्ताह के भीतर इस मुद्दे पर उचित निर्णय लेगी। अदालत ने कहा कि हिट-एंड-रन दुर्घटनाओं के बाद बहुत कम लोग मुआवजे का दावा करते हैं। कई लोगों को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 161 के तहत ऐसी मुआवजा योजना के अस्तित्व के बारे में भी नहीं पता है। अकेले 2022 में देश भर में कुल 67,387 हिट-एंड-रन हुए। अदालत ने न्याय मित्र, अधिवक्ता गौरव अग्रवाल द्वारा संकलित आंकड़ों से बताया कि योजना के तहत केवल 205 मुआवजे के दावे प्राप्त हुए, जिनमें से 95 दावों का निपटारा किया गया। अदालत ने हिट-एंड-रन दुर्घटना मुआवजे का दावा करने के लिए कई निर्देश दिए। समें कहा गया है कि दुर्घटना मामले के प्रभारी पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी है कि वह मृत्यु की स्थिति में परिवार को, या घायल होने की स्थिति में पीड़ित को मुआवजा योजना के बारे में सूचित करे।

बाबर की मजार पर माथा टेकने वाले प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को ठुकरा रहे-स्मृति ईरानी

अमेठी (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अमेठी सांसद स्मृति ईरानी ने शनिवार को भेटुआ विकासखंड में जन संवाद विकास यात्रा के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए कांग्रेस का नाम लिए बिना कहा कि जिन लोगों ने बाबर के मजार पर माथा टेका आज वह राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण ठुकरा रहे हैं।

शनिवार को केंद्रीय मंत्री व अमेठी सांसद स्मृति ईरानी अपने दौरे के तीसरे दिन भेटुआ विकासखंड के विभिन्न गांवों में जन विकास संवाद यात्रा के दौरान टिकरी के रणछोड़ इंटर कॉलेज में ग्रामीणों की समस्या सुनने के बाद मीडिया से रूबरू हुई और मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जिन लोगों ने बाबर के मजार पर माथा टेका आज वह राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के निमंत्रण को ठुकरा रहे जब तक रामलला टेंट में विद्यमान थे तब तक कांग्रेस को कोई तकलीफ नहीं थी। आज भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हो रही हैं। इसलिए कांग्रेस के नेताओं का कलेजा फटता है। वहीं पश्चिम बंगाल में तीन साधुओं पर हमला होने को लेकर मीडिया का जवाब देते हुए कहा कि जहां-जहां इंडिया एलाइंस की सरकार है अथवा जहां-जहां उन लोगों का आज भी दबदबा है जो कांग्रेस के साथी है, वहां-वहां सनातन धर्म पर सनातन धर्म को मानने पर प्रताड़नाएं बढ़ रही हैं धर्म के प्रति कांग्रेस नित गठबंधन अपमान की दृष्टि से जो बात करता है जो काम करता है वो कांग्रेस विशेषकर गांधी परिवार के संस्कारों को दर्शित करवाता है।

मोदी को नियति ने पहले ही चुन लिया था अयोध्या में राम मंदिर बनाने : आडवानी

-भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने किया रथ यात्रा का जिक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने कहा है कि नियति ने मोदी को पहले ही भगवान राम का भव्य मंदिर बनाने के लिए चुन लिया था। उन्होंने 22 जनवरी को अयोध्या में होने जा रहे राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा है कि रथ यात्रा ने वृहद रूप लिया और उसका दूरगामी परिणाम हुआ था। सूत्रों बताया कि आडवाणी ने एक पत्रिका के विशेष अंक के लेख में राम मंदिर के लिए निकाली गई अपनी रथ यात्रा का संस्मरण लिखा है। उन्होंने यादों को ताजा करते हुए कहा कि रथ यात्रा को 33 साल पूरे हो रहे हैं। वर्तमान पीएम नरेंद्र मोदी उस पूरी रथ यात्रा के दौरान उनके साथ थे। उस समय नरेंद्र मोदी ज्यादा प्रसिद्ध नहीं थे लेकिन उसी समय नियति ने उन्हें भगवान राम का भव्य मंदिर बनाने के लिए चुन लिया था। आडवाणी ने कहा कि उन्होंने जब रथ यात्रा शुरू की थी तब उन्हें यह नहीं पता था कि यह यात्रा देश में एक बड़े आंदोलन का रूप ले लेगी। लेकिन उसी दौरान भगवान राम ने अपने भव्य मंदिर के निर्माण के लिए अपने भक्त नरेंद्र मोदी को चुन लिया था।

वहीं राम मंदिर आंदोलन को अपनी राजनीतिक यात्रा की सबसे महत्वपर्ण घटना बताते हुए आडवाणी ने आंदोलन के दौरान अपने कई अनुभवों को भी लेख में शामिल किया है। राजनीति में दशकों तक उनके साथी रहे पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए यह भी कहा कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी की कमी बहुत खल रही है। राम मंदिर के सपने को साकार करने व अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनाने के उनके संकल्प को पूरा करने के लिए पीएम मोदी को बधाई देते हुए आडवाणी ने कहा कि जब पीएम मोदी राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा करेंगे तो वह उस समय देश के प्रत्येक नागरिक का प्रतिनिधित्व करेंगे।

गौरतलब है कि अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह कार्यक्रम के लिए लालकृष्ण आडवाणी को भी निमंत्रित किया गया है। हालांकि पहले यह कहा जा रहा था कि खराब स्वास्थ्य के कारण आडवाणी अयोध्या नहीं जा पाएंगे लेकिन विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने आडवाणी के कार्यक्रम में शामिल होने की पुष्टि करते हुए उनके स्वास्थ्य को देखते हुए डॉक्टर और मेडिकल तैयारी सहित तमाम व्यवस्थाएं अयोध्या में करने की जानकारी दी है।

31 जनवरी से 9 फरवरी तक चलेगा संसद का सत्र, 1 फरवरी को आएगा बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। 17वीं लोकसभा का आखिरी सत्र 31 जनवरी से शुरु होगा और 9 फरवरी तक चलेगा। सत्र की शुरुआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से होगी। राष्ट्रपति दोनों सदनों-लोक सभा और राज्य सभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। 31 जनवरी को ही सरकार संसद में आर्थिक सर्वेक्षण भी पेश करेगी। बजट सत्र के दूसरे दिन, 1 फरवरी को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरिम केंद्रीय बजट पेश करेंगी। यह मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम बजट होगा और इसके बाद सरकार को जनादेश लेने के लिए लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरना है, इसलिए, यह बताया जा रहा है कि इस अंतरिम बजट में मोदी सरकार महिलाओं, किसानों, युवाओं और देश के गरीबों के लिए कुछ महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा कर सकती है अथवा पहले से चलाई जा रही योजनाओं की राशि में बढ़ोतरी का भी ऐलान कर सकती है। बताया जा रहा है कि सरकार किसानों को दी जा रही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि को बढ़ाने की घोषणा सहित कई बड़े ऐलान भी अंतरिम बजट में कर सकती है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के इस अंतिम बजट, जिसे अंतरिम केंद्रीय बजट कहा जाएगा, में सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशानुसार उनकी प्रिय चार जातियों, गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं, पर खास फोकस करेगी। इस अंतरिम बजट को ज्ञान अर्थात जी.वाई.ए.एन. फॉर्मूला के तहत तैयार किया जा रहा है। भाजपा के लिए इस ज्ञान यानी जी.वाई.ए.एन.फॉर्मूले का अर्थ है - गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान) और नारी (महिला)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने वर्तमान लोकसभा के आखिरी सत्र को लेकर आधिकारिक रूप से जानकारी देते हुए यह बताया है कि सत्रहवीं लोकसभा का आखिरी सत्र 31 जनवरी से 9 फरवरी तक चलेगा। उन्होंने बताया कि सत्र के दौरान संसद में राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा और 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरिम केंद्रीय बजट पेश करेंगी। जोशी ने संसद के आगामी सत्र की तारीखों और एजेंडे को लेकर आधिकारिक तौर पर जानकारी देते हुए शुक्रवार को अंतरिम बजट सत्र 2024 के हैशटैग के साथ एक्स पर पोस्ट कर बताया, सत्रहवीं लोकसभा का आखिरी सत्र 31 जनवरी से 9 फरवरी तक चलेगा। संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण से सत्र शुरू होगा। 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरिम केंद्रीय बजट पेश करेंगी।

अब जापान नहीं कैरोलिन द्वीप बन गया उगते सूरज की भूमि

-किरिबाती देश में सूरज की पहली किरण चूमती है धरती, सबसे पुराना टाइम जोन भी यहीं

टोक्यो । अब जापान नहीं बल्कि कैरोलिन द्वीप उगते सूरज की भूमि बन गया है। हालांकि यह सबसे पुराना टाइम जोन भी है। बता दें कि सूर्योदय सबसे अच?छा एहसास है। लेकिन सोचिए अगर आप ऐसी जगह पर हों जहां धरती पर सूर्य की पहली किरण आ रही हो तो, आपके मन में शायद जापान का नाम होगा, जिसे हम उगते सूरज की भूमि मानते रहे हैं। लेकिन अब ठिकाना बदल गया है। प्रशांत महासागर में स्थित एक देश किरिबाती है। मालदीव-लक्षद्वीप को लेकर बहस के बीच इस खूबसूरत जगह के बारे में भी बातचीत होनी चाहिए। किरिबाती को कैरोलिन द्वीप के नाम से भी जाना जाता है। यह वह जगह है, जहां हर दिन सूर्य की पहली किरण आती है। सबसे पहले सूर्य की किरणें इसी जगह की धरती को चूमती हैं। यहां सूर्योदय देखना सुखद यादगार अनुभव है। जो लोग नहीं जानते, उन्हें हम बता दें कि किरिबाती में पृथ्वी का सबसे पुराना टाइम जोन भी है। हालांकि वैज्ञानिक दृष्टिकोण यह है कि वास्तव में कोई वास्तविक सूर्योदय या सूर्यास्त नहीं होता। ऐसा इसलिए, क्योंकि पृथ्वी गोल है और लगातार घूम रही है। इसकी वजह से जहां सूर्य की किरणें आती हैं, और धरती के घूमने की वजह से जो हिस्सा पीछे चला जाता है, वहां सूर्यास्त या रात हो जाती है। लेकिन हमारे जीवन को आसान बनाने के लिए एक काल्पनिक रेखा खींची गई है, जिसे इंटरनेशनल डेट लाइन कहा जाता है। यही तय करती है कि दिन कहां समाप्त माना जाए और कहां शुरू। यही रेखा किरिबाती के मिलेनियम द्वीप के आसपास से होकर गुजरती है, इसलिए हमें यहां पर 'पहला' सूर्योदय मिलता है। किरिबाती 33 एटोल और रीफ द्वीपों से बना एक द्वीप समूह है। इन्हीं में से एक निर्जन मिलेनियम द्वीप भी है। इसे दुनिया के सबसे खूबसूरत द्वीपों में से एक माना जाता है। सिर्फ भाग्यशाली लोग ही यहां जा सकते हैं और सूर्योदय के जादुई अनुभव का लाभ ले सकते हैं।

73 साल की महिला ने करवाई जांच, निकला 35 साल का बच्चा

-अजब-गजब : पेट दर्द के चलते अस्पताल पहुंची तो हुआ खुलासा

वॉशिंगटन । प्रेग्नेंसी और बच्चों के जन्म को ईश्वर की इच्छा बताया जाता है। लेकिन कुछ मामले ऐसे भी सामने आ जाते हैं जिनमें कुदरत के नियम भी फैल हो जाते हैं। इससे ये साबित होता है कि इंसान के हाथ में आज भी सब कुछ नहीं है। ऐसा ही एक मामला अल्जीरिया में सामने आया है, जहां एक 73 साल की महिला के पेट में 35 साल का बच्चा पाया गया है। हालांकि यह बच्चा 7 माह के बाद ही मां के पेट में कुदरती तौर पर विकसित नहीं हो पाया था, जो धीरे-धीरे कैल्सिफाइड हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डॉक्टरों के पास यह अजीबोगरीब केस आया जब उस बुजुर्ग महिला के पेट में दर्द हुआ। लेकिन उसे अंदाज़ा ही नहीं था कि उसे दिक्कत क्या है। वो जब अपनी समस्या लेकर अस्पताल पहुंची, तो उसने जो नज़ारा देखा, वो खुद महिला की कल्पना से भी बाहर था। रिपोर्ट के मुताबिक ये घटना साल 2016 की है, जहां एक महिला पेटदर्द की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंची थी। महिला का नाम नहीं बताया गया है लेकिन उसकी उम्र 73 साल बताई जा रही है। महिला के पेट के निचले हिस्से में दर्द हो रहा था, जिसके बाद वो जांच कराने पहुंची। यहां अल्ट्रासाउंड में पता चला कि उसके पेट के अंदर एक बच्चा है, जो उसने 35 साल पहले कंसीव किया था। हुआ यूं कि 7 महीने के बाद बच्चा कुदरती तौर पर विकसित नहीं हो पाया लेकिन वो पेट के अंदर ही रह गया। उस वक्त बच्चे का वज़न 2 किलोग्राम था और वो धीरे-धीरे कैल्सिफाइड होकर पत्थर बन गया। डॉक्टरों ने बताया कि इस मेडिकल कंडीशन को लिथोपेडियन कहा जाता है, जो काफी दुर्लभ है। दुनिया भर के मेडिकल इतिहास में इस तरह की सिर्फ 300 घटनाएं देखी गई हैं। डॉक्टर किम गार्सी ने मुताबिक बच्चे के कैल्सिफाई होने की वजह से मां किसी भी तरह के इंफेक्शन से बच जाती है। महिला के साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ।

पेंटागन के ऑडिट में खुलासा ; मंत्रालय ने अपने ही विभाग की रिपोर्ट को गलत बताया

-यूक्रेन को दिए 8 हजार करोड़ के अमेरिकी हथियार लापता

न्यूयार्क। रूस से जंग लडऩे के लिए यूक्रेन की मदद कर रहे अमेरिका को नहीं पता की उनकी तरफसे दिए गए 1 बिलियन डॉलर यानी 8 हजार करोड़ रुपए के हथियार कहां हैं। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय पेंटागन की ऑडिट रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। पेंटागन के इंस्पेक्टर जनरल के मुताबिक यूक्रेन को भेजे गए 8 हजार करोड़ रुपए के हथियारों का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला है। शक जताया गया है कि या तो एक बिलियन डॉलर के हथियारों को कहीं और भेज दिया गया है या उनकी लूट हुई है। डिफेंस डिपार्टमेंट के ऑफिस ने दिखाया कि यूक्रेन को दी गई 1.7 बिलियन डॉलर की मदद से 59 प्रतिशत यानी लगभग 1 बिलियन डॉलर का कोई ब्योरा ही नहीं है। ये रिपोर्ट उस वक्त आई है जब अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी यूक्रेन और इजराइल को दी जाने वाली 105 बिलियन डॉलर की मदद को रोके हुए है। अमेरिका के डिफेंस डिपार्टमेंट के प्रेस सेक्रेटरी ब्रिगेडियर जनरल पैट्रिक राइडर ने अपने ही रक्षा विभाग के दावों को खारिज किया है। उन्होंने कहा है कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि हथियारों को कहीं और भेजा गया। हमने हथियारों को यूक्रेन में तैनात और उनका इस्तेमाल होते हुए देखा है।

मॉरीशस में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर 2 घंटे छुट्टी

पोर्ट लुईस। मॉरीशस की सरकार ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर 22 जनवरी को हिंदू धर्म मानने वाले कर्मचारियों के लिए 2 घंटे की छुट्टी की घोषणा की है। इस दौरान वे स्थानीय कार्यक्रमों में भाग ले सकेंगे। मॉरीशस की कैबिनेट ने शुक्रवार को इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। कैबिनेट की तरफ से जारी किए प्रस्ताव में कहा गया है कि 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन एक ऐतिहासिक घटना है। यह अयोध्या में भगवान राम की वापसी का प्रतीक है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए 22 जनवरी को दोपहर 2 बजे से हिंदुओं को दो घंटे की स्पेशल छुट्टी दी जाएगी। मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जुगनाथ ने कैबिनेट के इस फैसले पर कहा कि ये हिंदूओं की भावनाओं और परंपराओं का सम्मान करने के लिए छोटा सी कोशिश है।

चीन से लौटते ही आंख दिखाने लगे मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू

-हमें धमकाने का लाइसेंस किसी को नहीं

नई दिल्ली । मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू चीन के पांच दिवसीय दौरे के बाद स्वदेश लौट आए हैं। उन्होंने मालदीव लौटते ही दो टूक कह दिया है कि हमें बुली करने का लाइसेंस किसी के पास नहीं है। मुइज्जू ने कहा कि हम भले ही छोटा देश हो सकते हैं लेकिन इससे किसी को भी हमें बुली करने का लाइसेंस नहीं मिलता। हालांकि, मुइज्जू ने प्रत्यक्ष तौर पर किसी का नाम लेकर ये बयान नहीं दिया है। लेकिन माना जा रहा है कि उनका निशाना भारत की तरफ है।

चीन समर्थक माने जाने वाले मुइज्जू ने पांच दिन के अपने चीन दौरे के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी। उनका ये दौरा ऐसे समय पर हुआ था, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले मालदीव सरकार के तीन मंत्रियों को सस्पेंड किया गया। इस मामले को लेकर भारत और मालदीव दोनों देशों में राजनयिक विवाद बढ़ा हुआ है।

मुइज्जू ने चीन से लगाई थी गुहार

भारत में चल रहे बॉयकॉट मालदीव के ट्रेंड के बीच मुइज्जू ने चीन से अपील की थी कि वो अधिक से अधिक चीनी पर्यटकों को मालदीव भेजे। मालदीव बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए मुइज्जू ने कहा था कि कोविड से पहले हमारे देश में सबसे अधिक पर्यटक चीन से आते थे। मेरा अनुरोध है कि चीन को ऐसा करने के लिए फिर से अपनी कोशिशें तेज करनी चाहिए।

जापान में तनगेशीमा अंतरिक्ष केन्द्र से एक उपग्रह एच 11 ए लांच किया गया।

पाकिस्तान को आईएमएफ देगा 70 करोड़ डॉलर मदद

इस्लामाबाद। वैश्विक ऋणदाता के स्टैंड-बाय अरेंजमेंट (एसबीए) द्वारा पाकिस्तान के आर्थिक सुधार कार्यक्रम की पहली समीक्षा पूरी करने के परिणामस्वरुप अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से तत्काल लगभग 70 करोड़ डॉलर वितरण की अनुमति मिल गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आईएमएफ ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि बोर्ड के फैसले के बाद एसबीए की व्यवस्था के तहत कुल ऋण वितरण लगभग 1।9 अरब डॉलर हो जाएगा। पाकिस्तान के नौ महीने के एसबीए को पिछले साल जुलाई में कार्यकारी बोर्ड द्वारा अनुमोदन के समय लगभग तीन अरब डॉलर की मंजूरी दी गई थी। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान में आर्थिक गतिविधियां स्थिर हो गई हैं, हालांकि परिदृश्य चुनौतीपूर्ण है और ठोस नीतियों के कार्यान्वयन पर निर्भर है। आईएमएफ का मौजूदा कार्यक्रम अप्रैल के दूसरे सप्ताह में समाप्त होने की उम्मीद है। देश के एसबीए के तहत नवंबर 2023 में पहली समीक्षा के संबंध में आईएमएफ कर्मचारियों और पाकिस्तानी अधिकारियों के बीच एक कर्मचारी-स्तरीय समझौता हुआ। यह समझौता आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड द्वारा अनुमोदन पर निर्भर था।

ईरान समर्थित हौथिस पर अमेरिका ने किए हमले, रडार को बनाया निशाना

-लाल सागर में जंग जारी, यमन की राजधानी सना को भी निशाना बनाया

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने लाल सागर में शिपिंग की रक्षा करने की कसम खाई है। यही वजह है कि लगातार ईरान समर्थित हौथिस पर अमेरिका हमले करने में जुटा हुआ है। इस संबंध में अधिकारियों ने बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने शुक्रवार को यमन की हौथी सेना के खिलाफ एक अतिरिक्त हमला किया। नवीनतम हमले में एक रडार साइट को निशाना बनाया गया है। ईरान समर्थित समूह की सुविधाओं पर दर्जनों अमेरिकी और ब्रिटिश हमलों के एक दिन बाद यह हमला हुआ। हालांकि अधिकारियों ने अधिक जानकारी नहीं दी। लाल सागर में हौथी हमलों को रोकने के अमेरिकी सैन्य प्रयास में रडार बुनियादी ढांचा एक प्रमुख लक्ष्य बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन छापे के साथ यमनी राजधानी सना को निशाना बना रहे थे। व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष के बारे में चिंताओं को बढ़ाते हुए, अमेरिका और ब्रिटिश युद्धक विमानों, जहाजों और पनडुब्बियों ने यमन में लक्ष्यों के खिलाफ मिसाइलें दागीं। यहां पर हमास शासित गाजा में इज़राइल द्वारा घेराबंदी के तहत फिलिस्तीनियों के समर्थन में अभियान चलाया जा रहा है।

हौथी नेताओं ने प्रतिशोध की शपथ भले ही ली है, लेकिन बाइडेन ने शुक्रवार को पहले चेतावनी दी थी कि अगर वे दुनिया के सबसे आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक में व्यापारी और सैन्य जहाजों पर अपने हमलों को नहीं रोकते हैं तो वह और अधिक हमलों का आदेश दे सकते हैं। बाइडेन ने शुक्रवार को पेंसिल्वेनिया में एक पड़ाव के दौरान संवाददाताओं से कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि अगर हौथी इस अपमानजनक व्यवहार को जारी रखते हैं तो हम उन्हें जवाब देंगे। प्रत्यक्षदर्शियों ने यमन के समयानुसार शुक्रवार तड़के राजधानी सना और यमन के तीसरे शहर ताइज़ में हवाई अड्डों के पास सैन्य ठिकानों पर हमले किए। साथ ही यमन के मुख्य लाल सागर बंदरगाह होदेइदाह में एक नौसैनिक अड्डे और तटीय हज्जाह गवर्नरेट में सैन्य स्थलों पर विस्फोटों की पुष्टि की है।

इस मामले में व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि हमलों ने हौथिस की मिसाइलों या ड्रोनों को संग्रहीत करने, लॉन्च करने और निर्देशित करने की क्षमता को लक्षित किया था, जिसका उपयोग समूह ने हाल के महीनों में लाल सागर शिपिंग को धमकी देने के लिए किया है। इधर पेंटागन ने कहा कि अमेरिकी-ब्रिटिश हमले ने हौथिस की नए हमले करने की क्षमता को कम कर दिया है। इधर अमेरिकी सेना ने बयान में कहा कि 28 स्थानों पर 60 लक्ष्यों को निशाना बनाया गया है।

ऑस्टिन पर भरोसा है, लेकिन अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी नहीं देना गलत फैसला: बाइडन

वॉशिंगटन(एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार को कहा कि देश के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के पिछले सप्ताह अस्पताल में भर्ती होने के बारे में उन्हें सूचित नहीं किया जाना गलत फैसला था, लेकिन उन्हें अपने मंत्री पर अब भी भरोसा है।

बाइडन से संवाददाताओं ने सवाल किया कि क्या रक्षा मंत्री द्वारा अपनी सेहत के बारे में उन्हें (बाइडन) जानकारी नहीं दिए जाने का फैसला अनुचित, जिसके जवाब में राष्ट्रपति ने ''हां'' में जवाब दिया। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें ऑस्टिन के नेतृत्व पर अब भी भरोसा है, बाइडन ने उत्तर दिया, ''हां, मैं (भरोसा) करता हूं।'' बाइडन ने पेंसिल्वेनिया के एलेनटाउन के बाहर स्थानीय कारोबारी संस्थानों का दौरा करने के बाद संवाददाताओं के सवालों के जवाब दिए। ऑस्टिन को प्रोस्टेट कैंसर था और हाल में उनका ऑपरेशन हुआ था लेकिन यह जानकारी बाइडन को नहीं दी गई थी। देश के दोनों राजनीतिक दलों के सदस्यों ने यह जानकारी राष्ट्रपति से छुपाए जाने पर ऑस्टिन की निंदा की है और कुछ नेताओं ने उनके इस्तीफे की भी मांग की है। ऑस्टिन को 22 दिसंबर, 2023 को वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया था जहां उनकी सर्जरी की गई। प्रारंभिक जांच में मूत्राशय में संक्रमण का पता चलने के बाद ऑस्टिन को एक जनवरी को गहन चिकित्सा देखभाल (आईसीयू) इकाई में स्थानांतरित किया गया। अमेरिका के विदेश मंत्री से जुड़ी यह महत्वपूर्ण जानकारी मंगलवार सुबह तक बाइडन और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को नहीं दी गई।

इमरान खान के चुनाव चिन्ह बल्ले पर आया संकट

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के चुनाव चिन्ह बल्ले को बहाल करने का पेशावर उच्च न्यायालय (पीएचसी) का आदेश प्रथम दृष्टया गलत था। बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ को उसका चुनाव चिन्ह वापस मिले कुछ ही घंटे हुए थे। अब सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की ये टिप्पणी जेल में बंद इमरान को परेशान कर सकती हैं।

दरअसल पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने पेशावर उच्च न्यायालय (पीएचसी) के फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। निर्वाचन आयोग ने खान की पार्टी में संगठनात्मक चुनावों को असंवैधानिक घोषित कर 22 दिसंबर को पार्टी के चुनाव चिह्न बल्ले को रद्द कर दिया था। लेकिन बाद में चुनाव आयोग के फैसले को पेशावर उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था।

खबर के अनुसार प्रधान न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान सवाल उठाया कि क्या उच्च न्यायालय ने 'पीटीआई' के संगठनात्मक चुनावों को कानून के अनुरूप पाया और पूछा, बल्ले को चुनाव चिह्न के रूप में आवंटित करने का मुद्दा बाद में आता है।

ब्लिंकन ने ताइवान में चुनाव के बीच चीन और जापान के राजनयिकों से मुलाकात की

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने ताइवान में राष्ट्रपति चुनाव के बीच शुक्रवार को चीन के एक वरिष्ठ राजनयिक के साथ बैठक के दौरान ताइवान जलडमरूमध्य में शांति एवं स्थिरता के महत्व पर जोर दिया। राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने ताइवान में राष्ट्रपति चुनाव आयोजित किए जाने के दौरान तनाव कम करने की मांग की है। ब्लिंकन ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय मामलों के मंत्री लियू जियानचाओ के साथ बैठक की।

इसके कुछ समय बाद उन्होंने एशिया में अमेरिका के सबसे मजबूत सहयोगियों में से एक जापान के विदेश मंत्री योको कामिकावा से मुलाकात की। शनिवार के चुनाव में स्वतंत्रता की ओर झुकाव रखने वाली सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी की जीत की स्थिति में बाइडन प्रशासन ताइवान जलडमरूमध्य में तनाव को कम रखने की कोशिश कर रहा है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। उसने मतदाताओं को सुझाव दिया है कि वे शांति और युद्ध के बीच विकल्प चुन सकते हैं। अमेरिका, ताइवान के राष्ट्रपति चुनाव में किसी भी उम्मीदवार का समर्थन नहीं कर रहा है और चुनाव के तुरंत बाद द्वीप पर एक अनौपचारिक प्रतिनिधिमंडल भेजने की योजना बना रहा है।

समाचार साइट 'जापान टुडे' के अनुसार ताइवान के अलावा ब्लिंकन और कामिकावा ने यूक्रेन और पश्चिम एशिया में युद्ध एवं मार्च की शुरुआत में जापान के प्रधानमंत्री की अमेरिका की संभावित राजकीय यात्रा की तैयारी पर चर्चा की। 'जापान टुडे' की रिपोर्ट के अनुसार कामिकावा ने कहा, ''जैसा कि दुनिया एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई है, तो उसे देखते हुए विभिन्न मुद्दों से निपटने में जापान-अमेरिका गठबंधन की भूमिका पहले कभी इतनी बड़ी नहीं रही।'' अमेरिका के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बैठक में हुई बातचीत के ब्योरे के अनुसार ब्लिंकन ने कामिकावा से कहा कि गठबंधन ''वास्तव में हिंद-प्रशांत में शांति, सुरक्षा और समृद्धि की आधारशिला है''।

अनुभवी चीनी राजनयिक लियू ने न्यूयॉर्क की यात्रा की थी और ब्लिंकन के साथ उनकी मुलाकात अमेरिकी यात्रा का हिस्सा थी। इस सप्ताह की शुरुआत में उन्होंने कहा था कि चीन ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन नहीं करने के अमेरिकी बयानों को लेकर गंभीर है। लियू ने 'काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन्स' को बताया, ''हमें उम्मीद है कि अमेरिकी पक्ष इस प्रतिबद्धता का सम्मान करेगा।'' लियू के चीन के अगले विदेश मंत्री बनने की संभावना है। द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करने के लिए सैन फ्रांसिस्को में राष्ट्रपति जो बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात के लगभग दो महीने बाद लियू की यात्रा हुई। काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस से बात करते हुए लियू ने कहा कि चीन युद्ध नहीं चाहता है।

बालाकोट एयर स्ट्राइक का डरा, अपने एयर डिफेंस को मजबूत कर रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान को बालाकोट जैसी एयर स्ट्राइक का डर सताने लगा है। इसकारण वह अपने एयर डिफेंस को मजबूत करने में जुटा है। पाकिस्तान के कार्यवाहक पीएम अनवारुल हक काकड़ ने कुछ दिनों पहले गीदड़भभकी दी थी। इसमें उन्होंने कहा था कि बालाकोट एयर स्ट्राइक जैसा भारत ने कुछ किया तब पाकिस्तान करारा जवाब देगा। उनके बयान के बाद अब पाकिस्तानी सेना एक एयर डिफेंस एक्सरसाइज करती हुई दिख रही है, जो उनके अंदर बालाकोट जैसी एयर स्ट्राइक का डर दिखाता है।

पाकिस्तानी सेना ने सोनमियामी में अल-बायजा-3 2024 अभ्यास किया। इस दौरान पाकिस्तानी सेना ने एयर डिफेंस तकनीकी की फायरिंग की, जिसका अवलोकन पाक आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने किया। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि वायु रक्षा प्रणालियों की एकीकृत फायरिंग और युद्धाभ्यास का प्रदर्शन किया गया। पाकिस्तानी सेना इसे अपनी हवाई सीमाओं की वायु रक्षा क्षमता बढ़ाने की ऐतिहासिक उपलब्धि के तौर पर देख रही है।

मुनीर ने मध्यम वायु रक्षा हथियार प्रणाली, मध्यम वायु रक्षा प्रणाली, छोटी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली और विस्तारित छोटी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली का लाइव प्रदर्शन देखा। यह सब पाकिस्तान तब कर रहा है जब कुछ दिनों पहले अंतरिम पीएम काकड़ ने गीदड़भभकी दी थी। काकड़ ने कहा कि अगर किसी ने हमारी जमीन पर हमले की कोशिश की तब पाकिस्तान वैसा ही करेगा जैसे हमने 2019 में किया था। हम उनके विमानों को मार गिराएंगे।

दरअसल अनवारुल हक काकड़ का यह बयान भारत पर निशाना साधने वाला था। क्योंकि फरवरी 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने बालाकोट में एयर स्ट्राइक की थी। इसके बाद पाकिस्तानी सेना ने अपने आधुनिक विमानों के जरिए हमला किया था। जवाब में भारत के मिग-21 विमान ने पाकिस्तान के एक फाइटर जेट को गिरा दिया था। इसमें भारत का भी एक फाइटर जेट गिरा था, जिसमें एयरफोर्स पायलट अभिनंदन को पकड़ लिया गया था। हालांकि हाल ही में किताब में खुलासा हुआ है कि भारतीय पायलट अभिनंदन के पकड़ने के बाद भारत की 9 मिसाइलों का मुंह पाकिस्तान की ओर हो गया था। जिसके बाद पाकिस्तानी सेना के हाथ पैर फूल गए थे।

भारतीय टीम दूसरे टी20 के साथ ही सीरीज जीतने उतरेगी

-तेजी से आप क

इंदौर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को यहां के होल्कर स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले दूसरे टी20 मैच में जीत के साथ ही सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले मैच में जीत दर्ज की थी जिससे वह सीरीज में 1-0 से आगे है। भारतीय टीम का लक्ष्य साल की शुरुआत में सीरीज जीतना है। इसमें भारतीय टीम को शायद ही कोई परेशानी आये। इसका कारण है कि अफगान टीम के खिलाफ भारत ने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं। इस मैच में भारतीय टीम बदलावों के साथ उतर सकती है और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को टीम में शामिल किया जा सकता है।

वहीं इस मैच में युवा खिलाड़ी जितेश शर्मा, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल भी बेहतर प्रदर्शन कर टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे। इसके साथ ही आगामी टी20 विश्व कप टीम के लिए भी अपनी दावेदारी पेश करना चाहेंगे। इस में विराट की वापसी से तिलक वर्मा को बाहर बैठना पड़ सकता है। हाल में उनका प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा और वह 13 पारियों में केवल एक अर्धशतक ही बना पाये हैं। ऐसे में उनकी जगह की दावेदारी सबसे कमजोर है।

वहीं अक्षर अब सीमित ओवरों ही नहीं बल्कि टेस्ट मैचों में खेलने के लिए भी तैयार है। उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ मोहाली में पहले टी20 मैच में 23 रन दे कर दो विकेट लिए थे। वह अगले मैच में भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने का प्रयास करेंगे। सुंदर ने पहले मैच में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं किया और ऐसे में उनकी नजरें इस दूसरे मैच पर रहेंगी। इंदौर की पिच आमतौर पर बल्लेबाजों के अनुकूल रही है और ऐसे में जितेश और तिलक अवसर मिलने पर इसका पूरा लाभ

उठाना चाहेंगे। वहीं दूसरी ओर अफगानिस्तान की टीम के लिए ये मैच भी आसान नहीं रहेगा। पहले मैच में वह बल्लेबाज और गेंदबाजी में भारतीय टीम के सामने टिक नहीं पायी थी। इसी बाद भी भारतीय टीम उसे कमजोर मानने की भूल नहीं करेगी। उसके पास रहमानुल्लाह गुरबाज़, अज़मतुल्लाह उमरज़ई और अनुभवी मोहम्मद नबी जैसे खिलाड़ी हैं। ये बल्लेबाजी किसी भी गेंदबाजी आक्रमण के सामने रन बना सकते हैं। टीम को हालांकि अपने स्टार स्पिनर राशिद खान की कमी खल रही है। टीम की गेंदबाजी तेज गेंदबाज नवीन उल हक और फजलहक फारूकी के अलावा स्पिनर मुजीब उर रहमान पर आधारित रहेगी।

टीम

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, मुकेश कुमार।

अफगानिस्तान- इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), हजरतुल्लाह जजई, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, करीम जनत, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, मुजीब उर रहमान, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद , नवीन उल हक, नूर अहमद, मोहम्मद सलीम, क़ैस अहमद, गुलबदीन नायब, राशिद खान।

भारतीय निशानेबाज विजयवीर ने ओलंपिक कोटा हासिल किया

-एशिया ओलंपिक क्वालीफायर में रजत पदक हासिल किया

जकार्ता (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाज विजयवीर सिद्धू ने एशिया ओलंपिक क्वालीफायर की पुरुष 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धा में रजत पदक जीता है। इसी के साथ ही विजयवीर ने भारत के लिए 17वां पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया है।

विजयवीर को कोटा हासिल करने के लिए पदक जीतने का अधिक इंतजार नहीं करना पड़ा। उन्होंने 577 के स्कोर से चौथा स्थान हासिल कर फाइनल में क्वालीफाई करते ही कोटा हासिल कर लिया था क्योंकि फाइनल में पहुंचने वाले छह में से चार निशानेबाजों को कोटा स्थान मिलना तय था।

चंडीगढ़ के विजयवीर ने एलिमिनेशन राउंड में 28 का निशाना लगाते ही रजत पदक जीतकर कोटा प्राप्त किया। वह कजाखस्तान के निकिता चिरयुकिन से पीछे रहे जिन्होंने 32 के शॉट से स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अगर विजयवीर और अनीश भानवाला दोनों को पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलता है तो रैपिड फायर निशानेबाजी में इस तरह का मौका पहली बार होगा। भानवाला ने पहले ही ओलंपिक के लिए टिकट हासिल कर लिया था। विजयवीर के अलावा ईशा सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा, वरूण तोमर ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा और रिदम सांगवान ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पेरिस कोटा प्राप्त किया। इस प्रकार भारत ने यहां क्वालीफायर मुकाबले से चार ओलंपिक कोटा हासिल किये हैं।

पाक के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड ने किया बदलाव , विल यंग शामिल

-क्लार्कसन कंधे की चोट के कारण बाहर हुए

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए अपने दल में बदलाव किया है। बोर्ड ने 14 जनवरी को हैमिल्टन के सेडॉन पार्क में होने वाले दूसरे मैच के लिए जोश क्लार्कसन की जगह पर विल यंग को शामिल किया है। क्लार्कसन कंधे की चोट के कारण पाक के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। उन्हें केवल तीसरे मैच के लिए शामिल किया गया था। पर अब वह उसमें भी नहीं खेल पायेंगे।

क्लार्कसन को तीसरे मैच के लिए कीवी दल में इसलिए शामिल किय गया था क्योंकि इस मुकाबले के लिए कप्तान केन विलियमसन उपलब्ध नहीं हैं। विलियमसन सीरीज के अंतिम दो मुकाबलों में टीम से जुड़ेंगे। क्लार्कसन के बाहर होने के बाद विल यंग हैमिल्टन के सेडॉन पार्क में कल के मैच के बाद टीम में शामिल होंगे।

बता दें, न्यूजीलैंड ने पहले ही टी20 में पाक को 46 रनों से हराकर इस सीरीज में 1-0 की बढ़त पहले ही हासिल कर ली थी। ऑकलैंड में खेले गए इस मैच में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी कीवी टीम ने 226 रन बोर्ड पर लगाए। इस स्कोर का पीछा करते हुए पाकिस्तान की पूरी टीम 18 ओवर में 180 रनों पर ही आउट हो गयी।एडम मिलन और बेन सियर्स को 2-2 सफलताएं मिली।

न्यूजीलैंड टीम इस प्रकार है

केन विलियमसन (कप्तान) , फिन एलन, मार्क चैपमैन, विल यंग , डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), लॉकी फर्ग्यूसन , मैट हेनरी, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, बेन सियर्स और , टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ईश सोढ़ी, टिम साउदी।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले 2 टेस्ट के लिए भारतीय टीम घोषित , ध्रुव जुरैल नया चेहरा

-ईशान को फिर नहीं मिला अवसर , केएस भरत शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी है। रोहित शर्मा के पास टीम की कप्तानी रहेगी। टीम में युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरैल को पहली बार अवसर मिला है। ध्रुव के अलावा दो अन्य विकेटकीपर बल्लेबाज हैं केएस भरत और केएल राहुल को शामिल किया गया है पर ईशान किशन को एक बार फिर टीम में जगह नहीं मिली है। इससे एक बार फिर इस प्रकार की अटकलों को बल मिल रहा है कि ईशान को अनुशासन तोड़ने की सजा मिल रही है हालांकि गत दिवस ही टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा था कि ईशान ने आराम की मांग की थी और उनके खिलाफ कार्रवाई जैसी जो भी बातें मीडिया में आ रही हैं वे गलत हैं। द्रविड़ के बयान के बाद भी प्रशंसक संतुष्ट नहीं हैं क्योंकि पहले अफगानिस्तान और अब इंग्लैंड के खिलाफ उन्हें शामिल न करना बताता है कि सब कुछ ठीक नहीं है। टीम में बल्लेबाज जायसवाल को भी टीम में जगह मिली है। जायसवाल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार टेस्ट पदार्पण किया था और अब घरेलू सीरीज में भी वह ये सिलसिल बनाये रखना चाहेंगे।

वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अभी तक अपनी चोट से नहीं उभर पाए हैं। उन्हें विश्वकप के दौरान ये चोट लगी थी। चोटिल होने के कारण ही अब वह इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट नहीं खेलेंगे। फिट होने पर तीसरे टेस्ट में उनकी वापसी हो सकती है। इस सीरीज में पांच मैच खेले जाएंगे। वहीं पहला टेस्ट 25 जनवरी से शुरु होगा।

पहले 2 टेस्ट के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, केएस भरत, ध्रुव जुरैल, रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान) और आवेश खान।

टी20 विश्वकप में अहम भूमिका निभा सकते हैं शिवम : सबा करीम

नई दिल्ली` । भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज सबा करीम के अनुसार ऑलराउंडर शिवम दुबे अब लंबे समय तक खेलेंगे। अफगानिस्तान के खिलाफ पहले ही टी20 में शिवम ने गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया था। सबा करीम के अनुसार शिवम को हार्दिक पंड्या की तरह तैयार किया जा रहा है। टीम प्रबंधन के पास उनके लिए अहम भूमिका है। जून में होने वाले टी20 विश्वकप में वह अहम भूमिका निभा सकते हैं। पूर्व विकेटकीपर सबा ने कहा, 'आप सिर्फ उनके रन को मत देखिए। आप यह देखिए कि उन्होंने कैसे बड़े-बड़े शॉट लगाए।सबसे बड़ी बात यह कि उन्हें जो भूमिका दी गयी उसे उन्होंने बखूबी निभाया। यह वही भूमिका है, जो पंड्या निभाते रहे हैं। इसी साल जून में विश्व कप होना है और भारतीय टीम प्रबंधन शिवम को उसी के अनुसार तैयार कर रहा है। इस बार कप्तान रोहित शर्मा ओर कोच राहुल द्रविड़ शिवम को पूरा अवसर देंगे।

वे उसे अभी बाहर नहीं रखेंगे। 'सबा ने यह भी कहा कि टी20 विश्वकप को देखते हुए शिवम टीम के लिए अहम साबित हो सकते हैं। शिवम ने 95 दिन बाद टीम इंडिया में वापसी की और अर्धशतक लगाकर संकेत दिये कि वह अच्छी लय में हैं।

टी20 विश्वकप के लिए टीम में जगह बनाना चाहते हैं अक्षर

मोहाली । स्पिन स्पिनर अक्षर पटेल अब जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह बनाना चाहते हैं। इसी कारण अक्षर अब आने वाले सभी मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। अक्षर ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 में भी अच्छी गेंदबाजी करते हुए 23 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने कहा, 'मेरा काम अपना 100 फीसदी देना है। मैं हालांकि अभी विश्व कप टीम चयन के बारे में अभी अधिक नहीं सोच रहा। अगर सोचूंगा तो दबाव में आ जाऊंगा। उन्होंने कहा, 'अभी मेरा ध्यान आईपीएल पर ही है। इसके अलावा इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला भी खेलनी है। भारतीय टीम को वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले विश्व कप से पहले दो और टी20 मैच खेलने हैं। अक्षर ने कहा, 'हमें विश्व कप से पहले दो ही टी20 और खेलने है जिसके बाद आईपीएल है। मुझे पता है कि ये प्रतिस्पर्धा कड़ी है पर मेरी स्पर्धा स्वयं से ही है। मैं अपने कौशल को बेहतर करना चाहता हूं। उन्होंने कहा, 'यह मैं चोट के कारण विश्व कप नहीं खेल सका पर इस दौरान मैने अपने खेल पर काफी मेहनत की। मैं एनसीए में अपने खेल को बेहतर बनाने पर लगा था। अक्षर गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं और निचले क्रम पर अहम भूनिका निभाते हैं।

आलंपिक की तैयारियों के लिए किशोर , चानू सहित कई शीर्ष खिलाड़ियों को विदेश भेजेगा खेल मंत्रालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल मंत्रालय आगामी ओलंपिक खेलों में बेहतर प्रदर्शन के लिए शीर्ष खिलाड़ियों को अपने टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के तहत प्रशिक्षण के लिए विदेश भेज रहा है। इसी कड़ी में एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी किशोर कुमार जेना को प्रशिक्षण लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया भेजा जाएगा। वहीं भारोत्तोलक मीराबाई चानू अमेरिका में प्रशिक्षण लेंगी। युवा मामले और खेल मंत्रालय ने इन दोनो की ही यात्राओं को अपनी मंजूरी दे दी है। जेना 78 दिनों तक ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में अभ्यास करेंगे। खेल मंत्रालय टॉप्स योजना के तहत, जेना, उनके कोच और फिजियोथेरेपिस्ट के सभी खर्च उठाएगा।

वहीं टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता मीराबाई चानू सेंट लुइस में एक महीने के पुनर्वास प्रशिक्षण के लिए अमेरिका जाएंगी। वह विशेषण कोच एरोन होर्शिंग के साथ नियमित सत्र करेंगी और इस दौरान उनके साथ मुख्य कोच विजय शर्मा भी होंगे। खेल मंत्रालय, उनके और उनके कोच के सभी खर्च उठाएगा। मंत्रालय ने पहलवान दीपक पुनिया (फ्रीस्टाइल), आशु (ग्रीको-रोमन) और रोनित शर्मा (ग्रीको-रोमन) के भी विदेश में प्रशिक्षण के प्रस्तावों को अपनी सहमति दे दी है। टॉप्स ओलंपियन दीपक पुनिया को मिशिगन, अमेरिका में प्रशिक्षण के लिए आर्थिक सहायता करेगा। किशोर अपने फिजियोथेरेपिस्ट शुभम गुप्ता के साथ वहां 31 दिनों तक प्रशिक्षण लेंगे, जबकि भारतीय ग्रीको-रोमन पहलवान अल्माटी, कजाकिस्तान जाएंगे और कजाकिस्तान की कुश्ती टीम के साथ 14 दिनों तक प्रशिक्षण लेंगे।

सात्विक और चिराग मलेशिया ओपन बैडमिंटन के सेमीफाइनल में पहुंचे

-अश्विनी-तनिषा बाहर हुईं

कुआलालंपुर । भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मलेशिया ओपन बैडमिंटन के पुरुष युगल वर्ग से सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। वहीं दूसरी ओर महिला युगल वर्ग में भारत को निराशा हाथ लगी और भारत की अश्वनी पोनप्पा और तनीषा क्रैस्टो क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही बाहर हो गयीं। पुरुष एकल की बात करें तो दूसरी रैंकिंग सात्विकसाईराज और चिराग ने यहां क्वार्टर फाइनल में 32 वीं रैंकिंग वाली चीन के रेन जियांग यू और हे जी टिंग की चीनी जोड़ी को 21-11, 21-8 से हराया। इस मुकाबले में सात्विक और चिराग ने शुरू से ही अपना नियंत्रण बनाए रखा और पहले गेम में 7-0 की बढ़त हासिल की। उनके आक्रामक खेल और रणनीतिक के आगे चीनी जोड़ी की एक न चली। चीनी जोड़ी इस मुकाबले में अंत तक संघर्ष करती रही। भारतीय जोड़ी ने मुकाबले में 11-2 की बढ़त हासिल कर ली। दूसरे गेम में भी पहले गेम की तरह ही सात्विक और चिराग हावी रहे। इस जोड़ी ने इंटरवल तक अपनी बढ़त 11-4 कर ली। भारतीय खिलाड़ियों के बीच अच्छा तालमेल रहा था, जिससे विरोधियों को अवसर नहीं मिला। चीनी जोड़ी को सात्विक और चिराग के लगातार हमलों और रणनीतिक खेल का मुकाबला करना कठिन लगा। मैच का समापन भारतीय जोड़ी द्वारा एक दर्जन मैच अंक हासिल करने के साथ हुआ और उन्होंने दूसरे अवसर पर अपनी जीत पक्की कर ली। इस जीत के साथ ही सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। अब उनका मुकाबला कोरिया के कांग मिन ह्युक और सियो सेउंग जे और तीसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी आरोन चिया और सोह वूई यिक के बीच मैच की विजेता जोड़ी से होगा। वहीं दूसरी ओर महिला वर्ग में भारत को निराशा हाथ लगी और भारत की अश्वनी पोनप्पा और तनीषा क्रैस्टो क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही बाहर हो गयीं। भारतीय जोड़ी को जापान की रिन इवानागा और की नाकानिशी ने 15-21, 13-21 से हराया।

प्रतिभाशाली होने के बाद भी टीम में टिक नहीं पाये रायुडू

मुम्बई (एजेंसी)। क्रिकेटर अंबाती रायुडू को शानदार प्रदर्शन के बाद भी वह जगह नहीं मिली जहां वह पहुंच सकते थे। 2019 विश्वकप में जब उन्हें टीम में जगह नहीं मिली तो निराश होकर उन्होंने खेल का अलविदा कह दिया हालांकि वह घरेलू क्रिकेट वह आईपीएल खेलते रहे। रायुडू ने 21 साल के करियर में कई गलतियां बार-बार कीं जिसका भी उन्हें नुकसान हुआ। आजकल वह राजनीति में उतरे हैं। भारत के लिए 61 मैच खेलने वाले अंबाती रायुडू क्रिकेट छोड़कर 28 दिसंबर 2023 को राजनीति में उतर गये। वह वाईएसआर कांग्रेस में शामिल हुए पर एक सप्ताह में ही उन्होंने राजनीति से दूरी बना ली। इसका कारण उन्होंने आईएलटी20 लीग में हिस्सा बताया है। भारतीय क्रिकेट में जब सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण अपने आखिरी पड़ाव पर था, तब अंबाती अपने करियर को पुनर्जीवित कर रहे थे। वह इस दौड़ में रैना, रोहित, विराट से पिछड़ चुके थे।

रायुडू में काफी प्रतिभा थी। उन्होंने रणजी सत्र में जमकर रन बनाये। चयनकर्ताओं ने 2013 में अंबाती रायुडू को टीम इंडिया में जगह दी। साल 2013 में उन्होंने पहला एकदिवसीय खेला और 2014 में पहला टी20 इंटरनेशनल मैच। साल 2018 में उनका प्रदर्शन इतना बेहतरीन था कि सबने मान लिया था कि टीम इंडिया की नंबर-4 की परेशानी दूर हो गई है। साल 2019 आते ही रायुडू की किस्मत ने धोखा दे दिया। ऑस्ट्रेलिया में हुई एकदिवसीय सीरीज में रायुडू असफल हो गये। चयनकर्ताओं ने इसी कारण नंबर चार के लिए उनकी जगह विजय शंकर को दे दी।

भारत के सुमित आस्ट्रेलियाई ओपन के मुख्य ड्रॉ में पहुंचे, बुबलिक से होगा सामना

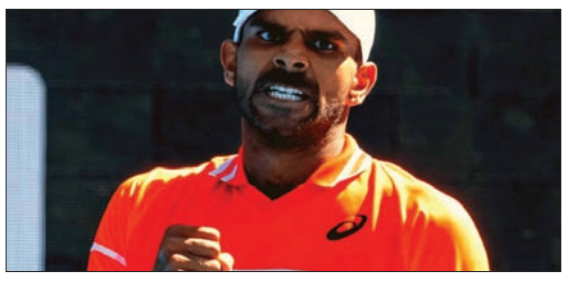

मेलबर्न । भारत के सुमित नागल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मुख्य ड्रॉ में पहुंच गये हैं। सुमित ने स्लोवाकिया के एलेक्स मोलकान को दो घंटे तक चले मैच में 6-4, 6-4 से हराकर एकल मुख्य ड्रॉ में जगह बनायी। मोलकान ने दूसरे सेट के दसवें गेम में 30-40 पर डबलफाल्ट किया। नागल ने मैच के बाद कहा कि ग्रैंडस्लैम के लिए क्वालीफाई करना हमेशा ही एक सुखद अहसास होता है। मैच के बाद मैं काफी भावुक हो गया था। मुझे अपने को शांत करने की जरूरत थी, मैं करीब डेढ़ घंटे के लिए लॉकर रूम में बैठा रहा। उन्होंने कहा कि मैंने यहां तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है और आज मैं जो खिलाड़ी हूं, उसके लिए मुझे अपने पर और टीम पर गर्व है। नागल का सामना अब पहले दौर में विश्व के 31वें नंबर के खिलाड़ी कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक से होगा। इस समय सुमित विश्व रैंकिंग में 139वें स्थान पर कायम हैं। वह साल 2021 के बाद पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के मुख्य ड्रॉ में खेलेंगे। उन्हें साल 2021 में पहले दौर में लिथुआनिया के रिकार्डास बेरांकिस ने हराया था। गौरतलब है कि नागल 2019 और 2020 में भी अमेरिकी ओपन के मुख्य ड्रॉ में भी पहुंचे थे। उन्होंने 2019 अमेरिकी ओपन में रोजर फेडरर के खिलाफ एक सेट जीता था हालांकि वह मुकाबला हार गए थे। इसके बाद अगले साल वह दूसरे दौर तक पहुंचे थे जिसमें उन्हें डोमिनिक थिएम ने हराया जिन्होंने बाद में खिताब जीता।

भारत में पाकिस्तान की हार को भूल नहीं पाए हैं मिकी ऑर्थर, कहा- अहमदाबाद में विश्व कप मैच में माहौल...

मुंबई (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व टीम निदेशक मिकी आर्थर ने स्वीकार किया कि पिछले साल वनडे विश्व कप के दौरान अहमदाबाद में भारत के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान माहौल बेहद पर प्रतिकूल था और यह उनके कार्यकाल के सबसे कठिन क्षणों में से एक था। पाकिस्तान विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने में नाकाम रहा था जिसके बाद आर्थर अपने पद से हट गए थे और उनकी जगह पूर्व ऑलराउंडर मोहम्मद हफीज को टीम निदेशक नियुक्त किया गया।

आर्थर ने 'विजडन' से कहा,''पाकिस्तान को किसी तरह का समर्थन नहीं मिल रहा था और यह बेहद मुश्किल था। पाकिस्तान की टीम अगर वास्तव में किसी चीज से प्रेरित होती है तो वह मैदानों और होटलों में मिलने वाला अविश्वसनीय समर्थन है। '' उन्होंने कहा,''लेकिन यहां ऐसा कतई नहीं था और विश्व कप जैसी प्रतियोगिता में यह विशेषकर खिलाड़ियों के लिए काफी मुश्किल था। जैसी कि आप कल्पना कर सकते हैं अहमदाबाद में परिस्थितियां बेहद प्रतिकूल थी। हमें इसकी उम्मीद थी और इसका श्रेय हमारे खिलाड़ियों को जाता है कि उन्होंने कभी इसको लेकर शिकायत नहीं की।''

आर्थर ने कहा,''उन्होंने अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया लेकिन आखिर में प्रेरणा भी अपनी भूमिका निभाती है जबकि आपको कहीं से भी समर्थन नहीं मिल रहा हो।'' विश्व कप में पाकिस्तान का अभियान मैदान के बाहर से जुड़े विवादों से भी घिरा रहा जिसमें तत्कालीन कप्तान बाबर आजम की व्हाट्सएप पर की गई बातचीत लीक होना भी शामिल है। आर्थर ने हालांकि कहा कि टीम बाहर की बातों से कभी प्रभावित नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि, पाकिस्तान को लेकर बाहर जितनी बातें की जा रही थी वह अविश्वसनीय थी। आपको केवल अपना ट्विटर देखने की जरूरत थी जिससे पता चल जाता है की टीम को लेकर बाहर कितनी बातें की जा रही है जबकि इनमें कुछ भी सच्चाई नहीं थी।

राजनीति में अपना करियर बनाना चाहते थे पंकज त्रिपाठी, एक घटना के बाद बदली अपनी राह

अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में कड़ी मेहनत के बाद एक अलग मुकाम हासिल किया है। अभिनेता ने अपनी दमदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता है। इन दिनों अभिनेता अपनी आगामी फिल्म मैं अटल हूं को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन पर आधारित है। अभिनेता अक्सर अपने जीवन से जुड़े दिलचस्प किस्से साझा करते रहते हैं। हाल ही में, एक इंटरव्यू में अभिनेता ने बताया कि बिहार में अपने शुरुआती दिनों के दौरान, उनका झुकाव राजनेता बनने की ओर था। उन्होंने एक घटना के बाद, राजनीति में अपना करियर बनाने की राह छोड़ दी।

राजनेता बनना चाहते थे पंकज

पंकज ने बताया कि बिहार में हर कोई राजनेता बनना चाहता है। वे भी अपना करियर राजनीति में बनाना चाहते थे। उन्होंने कहा, बिहार में हर कोई राजनीति में अपना करियर बनाना चाहता है। उनकी तरह ही मैं भी राजनेता बनने की राह पर था। हालांकि, अपने शुरुआती दिनों में जब उन्हें सलाखों के पीछे डाल दिया गया, तो उन्होंने यह सपना छोड़ दिया। पंकज ने इस बारे में बात करते हुए कहा, मैंने उस वक्त राजनीति में आने के बारे में कभी नहीं सोचा था। एक विचार था कि मैं इस लाइन पर आगे बढ़ सकता हूं, लेकिन फिर एक गिरफ्तारी हुई और पुलिस ने मुझे पीटा इसलिए मैंने राजनीति में आगे बढ़ने का विचार वहीं छोड़ दिया।

इंडस्ट्री में ईमानदारी से किया काम

अभिनेता ने आगे कहा, राजनीति के अलावा उस समय मेरी रुचि थिएटर में भी थी। जब राजनीति के दरवाजे बंद हो गए, तो मैं अभिनेता बनने की ओर चल पड़ा। उन्होंने अपने फिल्मी सफर के बारे में बात करते हुए कहा, इंडस्ट्री में मैंने सभी भूमिकाएं ईमानदारी और सम्मान के साथ निभाई हैं। मैंने जीवन में जो कुछ भी हासिल किया है, वह मेरी कल्पना से परे है। मैं जीवनयापन के लिए मुंबई आया था, क्योंकि मैं अपने परिवार के लिए कमाना चाहता था। अगर हिंदी थिएटर में बेहतर वित्तीय रिटर्न होता, तो मैं यहां कभी नहीं होता।

पंकज त्रिपाठी का वर्कफंट

पंकज त्रिपाठी के वर्कफंट की बात करें, उन्हें अनुराग कश्यप की फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर में सुल्तान कुरैशी की भूमिका निभाने के बाद अभिनेता को प्रसिद्धि मिली। इसके बाद पंकज ने फुकरे, गुंडे, फुकरे रिटर्न्स, स्त्री, सुपर 30, ओएमजी 2, फुकरे 3, कड़क सिंह और कई फिल्मों में काम किया। अभिनेता इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मैं अटल हूं की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। वहीं, वे मेट्रो इन दिनों और स्त्री 2 की भी शूटिंग कर रहे हैं।

धनुष की कैप्टन मिलर से प्रभावित हुए थलपति विजय, ट्रेलर देखकर दी ये प्रतिक्रिया

कैप्टन मिलर इस साल की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है। अरुण मथेश्वरन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में धनुष मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म अपनी रिलीज से पहले ही काफी चर्चा में है। 7 जनवरी को फिल्म के मेकर्स ने इसका ट्रेलर रिलीज किया है, जिसके बाद से लोगों में इस फिल्म को लेकर उत्साह काफी बढ़ गया है। फैंस के साथ-साथ इंडस्ट्री के स्टार्स तक की प्रतिक्रिया सामने आ रही है। इस लिस्ट में सुपरस्टार विजय का नाम भी शामिल हो गया है। इसका खुलासा तमिल सिनेमा के मशहूर सिनेमैटोग्राफर सिद्धार्थ नूनी ने किया। 12 जनवरी को रिलीज होगी फिल्म गौरतलब है कि कैप्टन मिलर में सिद्धार्थ नूनी ने की सिनेमैटोग्राफी है। वे निर्देशक राजीव मेनन के छात्र रहे हैं, जिन्हें लूसिया, यू-टर्न और ब्राह्मण नमन में उनके काम के लिए खूब सराहना मिली। फिलहाल सिद्धार्थ सुपरस्टार विजय की अगली फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम में व्यस्त हैं। सिद्धार्थ ने हाल ही में बताया कि विजय ने धनुष की कैप्टन मिलर का ट्रेलर देखा और वह उससे काफी प्रभावित हुए है। यह पीरियड एक्शन फिल्म मकर संक्रांति के मौके पर 12 जनवरी को थिएटर में आएगी।

विजय को पसंद आया काम

विजय की प्रतिक्रिया के बारे में बताते हुए सिद्धार्थ ने कहा, द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम के सेट पर हर कोई उत्साहित था, लेकिन मैं थोड़ा घबरा गया था। यहां तक कि विजय ने भी इसका ट्रेलर देखा है और कहा है कि उन्हें यह काफी पसंद आया और वह इससे प्रभावित दिखे और काफी खुश भी। वह फिल्म के पक्ष में थे। एक हफ्ते में परिणाम सबको पता चल जाएगा। वहीं, विजय के साथ शूटिंग के बारे में बताते हुए सिद्धार्थ ने कहा, तीन महीने हो गये हैं हमें काम करते हुए। मुझे लगता है कि हमने अक्टूबर में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी थी और मैं बहुत अच्छा समय बिता रहा हूं। वे बहुत प्यारे इंसान हैं। मैं वेंकट प्रभु की सरोजा का भी प्रशंसक हूं और अब उनके साथ काम करना एक सुखद आश्चर्य है। फिल्म में विजय के अलावा प्रियंका मोहन, शिवराजकुमार, संदीप किशन, एलंगो कुमारवेल और अदिति बालन जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

गायक का किरदार करने से पहले सीखी हारमोनियम, अब 'तू ही रे' गाने के लिए फुल ट्रेनिंग

अपनी हर फिल्म और सीरीज में अपने अभिनय से लगातार चौंकाने वाले अभिनेता मनोज बाजपेयी अपनी तैयारी से निर्माता व निर्देशकों को भी चौंकाते रहते हैं। 'अमर उजाला' के खास कार्यक्रम शुक्ल पक्ष में मनोज बाजपेयी ने इस बात का खुलासा किया था कि कैसे फिल्मावली 'रे' में निर्देशक अभिषेक चौबे वाली कहानी के लिए उन्होंने बाकायदा हारमोनियम बजाना सीखा था और अब अभिषेक की वेब सीरीज 'किलर सूप' के लिए मनोज ने अपनी मेहनत का एक नया अध्याय लिखा है। मनोज बाजपेयी ने अपनी आने वाली वेब सीरीज किलर सूप में एक गाना गाया है। इस सीरीज का ट्रेलर लांच हो चुका है, इसमें फिल्म बॉम्बे का हिट गाना तू ही रे जो सुनाई दे रहा है, वह किसी और की आवाज नहीं बल्कि मनोज बाजपेयी की है। निर्माता-निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म बॉम्बे साल 1995 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म की सफलता के साथ-साथ फिल्म के सभी गाने की खूब हिट हुए थे। ए आर रहमान के संगीत निर्देशन में तू ही रे गीत को हरिहरन और कविता कृष्णमूर्ति ने गाया है। वेब सीरीज में इस गीत को मनोज बाजपेयी ने गाया है, जो ट्रेलर में बैकग्राउंड में सुनाई दे रहा है। मनोज बाजपेयी कहते हैं, मैं कोई प्रोफेशनल सिंगर नहीं हूं, लेकिन इस सीरीज में सिचुएशन ही कुछ ऐसी थी कि मुझे अपनी आवाज में गाना पड़ा। इस सीरीज में पहले मेरी पत्नी स्वाति शेट्टी की भूमिका निभा रही कोंकणा सेन शर्मा के मोबाइल पर जो रिंगटोन गाना बजना था, वह मेरी ही आवाज में रखा जाना था। क्योंकि स्वाति को वही गाना पसंद है। लेकिन अब जब सीन में उमेश की एंट्री होती है और अपनी पत्नी से मिलता है, तो बैकग्राउंड में तू ही रे गाना बजता है। यह बहुत ही हिट गाना है, जिसे हरिहरन जैसे बड़े सिंगर ने गया है।

सनी लियोनी ने लॉन्च किया अपना एआई अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अभिनेत्री ने हिंदी सिनेमा में अपनी अच्छी खासी जगह बना ली है। अभिनेत्री सनी लियोनी अब पहली बॉलीवुड स्टार बन गई हैं, जिनके पास अपना खुद का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चरित्र है और उन्होंने बुधवार को मुंबई में एक भव्य कार्यक्रम में इसे लॉन्च किया है। अभिनेत्री ने इस कार्यक्रम में अपने प्रशंसकों को अपने एआई अवतार से परिचित कराया। सनी ने खुलासा किया कि उनके पति डेनियल वेबर ने ही उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया था। सनी ने कहा, जब तकनीक की बात आती है तो मेरे पति सबसे आगे रहते हैं। उन्हें और पूरी टीम को धन्यवाद कि मैं अपना खुद का एआई अवतार लाने वाली पहली बॉलीवुड सेलिब्रिटी बनने की उपलब्धि हासिल कर सकी। वे भी अब कंपनी का आनंद ले सकते हैं। सनी ने अपने एआई अवतार के फैसले को प्रगतिशील जोखिम बताया हैं। सनी ने एआई पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, आज इंटरनेट पर गलत लोगों के पास मशहूर हस्तियों के कई एआई अवतार और क्लोन बनाए हुए हैं। क्लोनिंग वैसे भी होने वाली है। इसलिए मैंने सोचा कि किसी और के ऐसा करने से पहले मैं अपना खुद का अवतार क्यों न बनाऊं और इस पर अपना नियंत्रण रखूं। सनी ने आगे कहा, जब आप एआई अवतार के मालिक होते हैं तो आप तय करते हैं कि आप इसे कैसे मॉडल करेंगे और इसमें क्या जानकारी देंगे। इसलिए यह नकली वीडियो और भ्रामक सामग्री के जोखिम को काफी हद तक कम कर देगा।

अंकिता लोखंडे के समर्थन में आईं कंगना

कंगना रणौत सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। अभिनेत्री को इंडस्ट्री से लेकर राजनीतिक गलियारे तक की हलचलों पर गौर फरमाते देखा जाता है। इसी कड़ी में कंगना के ताजा पोस्ट को देखकर साफ हो गया है कि वह सलमान खान के जरिए होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो बिग बॉस 17 को फॉलो कर रही हैं। कंगना कुछ समय पहले शो में गई थीं, और वहां उन्हें अपनी फिल्म मणिकर्णिका की को-स्टार अंकिता लोखंडे को सपोर्ट करते देखा गया था। कंगना एक बार फिर अंकिता के समर्थन में आ गई हैं। अभिनेत्री का हालिया पोस्ट सोशल मीडिया यूजर्स का खासा ध्यान आकर्षित कर रहा है। अंकिता लोखंडे ने रियलिटी शो बिग बॉस 17 में अपने पति विक्की जैन के साथ शिरकत की थी। शुरुआत में कपल की प्यार भरी नोकझोंक हर किसी को बेहद पसंद आती थी। हालांकि, कुछ दिनों से दोनों के बीच कुछ ज्यादा ही मनमुटाव देखा जा रहा है। इतना ही नहीं शो में अंकिता कई दफा विक्की से यह कहती सुनी जा चुकी हैं कि बाहर जाकर तलाक ले लेते हैं। अंकिता और विक्की का मनमुटाव जबरदस्त सुर्खियों में है। इसी बीच कंगना रणौत अंकिता के समर्थन में आ गई हैं। इस हफ्ते, बिग बॉस ने विक्की जैन की मां सहित बाकी कंटेस्टेंट के परिवार के सदस्यों की मेजबानी की। कंटेस्टेंट के घरवालों ने बिग बॉस में आने से पहले मीडिया से बातचीत की। विक्की की मां अंकिता से नाराज हैं, और उन्होंने मीडिया से बातचीत में इसका इजहार भी किया है। हालांकि, कंगना ने कहा कि उनकी सास भी अंकिता पर फिदा हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि वह चाहती हैं कि मणिकर्णिका में उनकी को-स्टार शो जीतें, लेकिन अपनी शादी की कीमत पर

नहीं।कंगना रणौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर विक्की की मां का एक इंटरव्यू वीडियो साझा कर लिखा, मीडिया उनके परिवार को तोड़ने की पूरी कोशिश कर रहा है, वे यह नहीं दिखाएंगे कि अंकिता लोखंडे की सासू मां उनके लिए कितनी समर्पित हैं, उन्हें भी यह पसंद है। हा हा हा, बहुत प्यारी आंटी। रियलिटी शो आते हैं और चले जाते हैं, लेकिन परिवार हमेशा के लिए है। कंगना ने नोट के अंत में लिखा, मुझे उम्मीद है कि मेरी दोस्त अंकिता लोखंडे जीतेंगी लेकिन अपनी शादी की कीमत पर नहीं।

पोंगल पर रिलीज नहीं होगी रजनीकांत की फिल्म लाल सलाम

विष्णु विशाल के साथ रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म लाल सलाम के लिए दर्शकों को और इंतजार करना पड़ेगा। फिल्म की रिलीज डेट को टाल दिया गया है। ऐश्वर्या रजनीकांत नौ साल बाद लाल सलाम के साथ निर्देशन में वापसी कर रही हैं। ऐश्वर्या रजनीकांत तमिल फिल्मों 3 और वै राजा वै के निर्देशन के लिए लोकप्रिय हैं। ऐश्वर्या रजनीकांत की तीसरी निर्देशित फिल्म लाल सलाम को पहले पोंगल के मौके पर रिलीज करने की घोषणा की गई थी, लेकिन अब इसकी रिलीज की तारीख को आगे खिसका दिया गया है।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

लाल सलाम की पोंगल रिलीज टाल दी गई और अब फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म की नई रिलीज डेट का खुलासा किया है। अब लाल सलाम को फरवरी में रिलीज करने की घोषणा की गई है। निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी करते हुए नई रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस लाइका प्रोडक्शन ने मंगलवार, 9 जनवरी को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर घोषणा साझा की। फिल्म का एक नया पोस्टर साझा करते हुए उन्होंने लिखा, यह हमारे रथ उत्सव का जश्न मनाने का समय है। अब लाल सलाम नौ फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

विस्तारित कैमियो करेंगे रजनीकांत

लाल सलाम एक स्पोर्ट्स ड्रामा है, जिसमें अभिनेता रजनीकांत एक विस्तारित कैमियो करते नजर आएंगे। फिल्म में विष्णु विशाल और विक्रांत मुख्य भूमिका में हैं। अब यह फिल्म पोंगल पर नहीं, बल्कि नौ फरवरी को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। लाल सलाम निर्देशक ऐश्वर्या रजनीकांत द्वारा निर्देशित और लाइका प्रोडक्शंस के सुबास्करन अल्लिराजाह द्वारा निर्मित है।

लाल सलाम में रजनीकांत का किरदार

कथित तौर पर फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन कार्य में देरी के कारण लाल सलाम की पोंगल रिलीज डेट को टाला गया है। रजनीकांत के 73वें जन्मदिन पर प्रशंसकों को न केवल लाल सलाम के किरदार मोइदीन भाई की झलक देखने को मिली। प्रोमो वीडियो में रजनीकांत को मोइदीन भाई के रौद्र अवतार में देखा गया था। क्लिप में ट्रैक जलाली जलाल भी दिखाया गया है, जिसे एआर रहमान ने गाया और संगीतबद्ध किया है।